राम लाल आनंद महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

महाविद्यालय विवरणिका

(2024-25)

ईमेल: rlac.du@gmail.com

वेबसाइट: https://rlacollege.edu.in

रेडियो तरंग 90.0 एफ एम (सामुदायिक रेडियो स्टेशन आरएलएसी)

ट्विटर: @RLAC_DU

@studiorlacuniversityofdelh10

सूची

क्र.सं.	सामग्री	पृष्ठ संख्या
1	महाविद्यालय के बारे में	4
2	स्नातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा- 2022	15
3	विभाग	25
4	प्रवेश 2024-25	51
5	महत्त्वपूर्ण समितियाँ	58
6	उत्कृष्टता केंद्र	60
7	छात्रों के लिए ऐड ऑन (पूरक) कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	62
8	अनुसंधान परियोजनाएं	68
9	छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार	77
10	पाठ्यक्रम से परे	80
11	छात्र सहायता	99
12	विद्यार्थियों के लिए सामान्य नियम	114
13	परीक्षा की योजना	117
14	बुनियादी सुविधाएं	120
15	शैक्षिक यात्राएं	127
16	महाविद्यालय कैसे पहुंचें	129

60वें वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि राम लाल आनंद महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष श्री संतोष तनेजा और विशिष्ट अतिथि प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अश्विनी कुमार, शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता और राम लाल आनंद महाविद्यालय के पूर्व छात्रों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

महाविद्यालय स्थापना दिवस 22 फरवरी 2024 को मनाया गया। विशिष्ट अतिथियों में श्री राहुल देव (मुख्य अतिथि), श्री संतोष तनेजा (अध्यक्ष), श्री दीपक मलिक, श्री विनीत कुमार गुप्ता और सुश्री सोनिया गुरनानी शामिल थे।

महाविद्यालय के बारे में

सन 1964 में स्वर्गीय श्री राम लाल आनंद के द्वारा राम लाल आनंद महाविद्यालय की स्थापना की गई थी। श्री राम लाल आनंद भारत के उच्चतम न्यायालय में वरिष्ठ वकील के रूप में कार्यरत थे। साठ के दशक में सामाजिक माँग के चलते विश्वविद्यालय स्तरीय शिक्षागत सुविधा प्रदान करना इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य था। प्रारंभिक समय में राम लाल आनंद ट्रस्ट के द्वारा महाविद्यालय का संचालन हो रहा था और सन 1973 में दिल्ली विश्वविद्यालय के अधीन लिया गया। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा सौ प्रतिशत वित्त पोषित के साथ यह महाविद्यालय पूर्ण रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित है। यह महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर और आस-पास के अन्य कई शिक्षण संस्थानों के साथ ही अरावली पर्वतीय श्रृंखला के प्राकृतिक सौंदर्य एवं दुर्गाभाई देशमुख, दक्षिणी परिसर मेट्रो स्टेशन के साथ भी सुगम्य रूप से जुड़ा है। लगभग 10 एकड़ के क्षेत्रफल में फैले इस संस्थान का परिसर विस्तृत हरियाली से घिरा हुआ है। महाविद्यालय पूरी तरह से वाई-फ़ाई से जुड़ा उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाएँ, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, सम्मेलन कक्ष, एम्फीथिएटर, पाठागार, खेल का मैदान और कैफेटेरिया से युक्त है। यह एक बहुविषयक, सह संस्थान है जिसमें लगभग 2700 विद्यार्थी मानविकी, वाणिज्य, प्रबंधन और विज्ञान जैसे अलग-अलग कार्यक्रमों में पढ़ाई कर रहे हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के द्वारा बनाए गए नियम और विश्वविद्यालय अध्यादेशों द्वारा निर्मित प्रबंधक मंडल इस संस्थान को संचालित करते हैं।

महाविद्यालय में सौ से भी अधिक योग्य पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त प्राध्यापक हैं जिनको राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर पोस्ट डॉक्टरल शोध अनुभव भी है। विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए उनको पढ़ाने के अतिरिक्त प्राध्यापकगण उनको संगोष्ठी, कार्यशालाओं, प्रबंध प्रतियोगिताएँ ,थिएटर और सांस्कृतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए उन्हें प्रोत्साहित और मार्गदर्शन कराते हैं। इसके अतिरिक्त एन सी सी और एन एस एस के क्षेत्र में भी राम लाल आनंद महाविद्यालय के छात्र निरंतर भाग लेते है। हर शैक्षणिक वर्ष में अधिक संख्या में कैडेट और स्वयंसेवक नामांकित करते हैं। युवाओं में मानवीय मूल्य और नैतिकता जागरूक करने में महाविद्यालय अत्यंत महत्त्व देता है। इस संबंध में निर्धारित पाठ्यक्रम के अलावा सभी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय की ओर से एक अनिवार्य पाठयक्रम ' मानवीय मूल्य , नैतिकता और जीवन कौशल ' संचालित करता है। एड-ऑन सर्टिफ़िकेट पाठ्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों के लिए जीविका उन्मुख कौशल प्रदान करता है। इसके अलावा विद्यार्थियों को नए स्टार्ट-अप और विचारों को अपनाने के लिए भी प्रशिक्षित और प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यार्थियों को पर्यावरण अनुकूल अभ्यासों को अपनाने के प्रति निरंतर महत्त्व दिया जाता है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय ने वर्षा जल संचयन ,काग़ज़ और ई-कचरे का पुनरावर्तन प्रणाली से पुनः प्रयोग ,कैंटीन से निकले कचरे और पेड़ों से गिरते पत्तों से खाद बनाने के लिए हर्बल गार्डन में एक कॉम्पोस्टिंग मशीन की व्यवस्था की है। इसी दिशा में महाविद्यालय में सौर ऊर्जा संचयन के आशय से सोलर पैनल भी स्थापित किए गए हैं। हाल ही में महाविद्यालय ने 90.0 एफ.एम रेडियो तरंग के नाम से रेडियो स्टेशन की शुरुआत की है जो दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रथम सामुदायिक रेडियो स्टेशन है।

प्रो.राकेश कुमार गुप्ता (प्राचार्य)

शासकीय निकाय

नाम	शासकीय निकाय में स्थिति
श्री संतोष तनेजा, अध्यक्ष, संकल्प आईएएस अकादमी	अध्यक्ष
प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, प्राचार्य, राम लाल आनंद महाविद्यालय	सदस्य सचिव
श्री नवल किशोर, कोषाध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय	पदेन सदस्य
प्रो. राजवीर शर्मा	सदस्य और कोषाध्यक्ष
डॉ. नितीन मलिक ,रजिस्ट्रार, डॉ बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, कैम्पस , दिल्ली - 110006	सदस्य
प्रो. दिनेश कुमार, प्रोफेसर, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य
प्रो. अनिल राय, प्रोफेसर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	सदस्य
प्रो. विपुल सिंह, प्रोफेसर, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	सदस्य
प्रो. वाई.पी. खासा, प्रोफेसर, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय	सदस्य

प्रो. तपस्या श्रीवास्तव, प्रोफेसर, जेनेटिक्स विभाग, साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय	सदस्य
प्रो. प्रेरणा दीवान, प्रोफेसर, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, राम लाल आनंद महाविद्यालय	शिक्षक प्रतिनिधि (वरिष्ठ)
डॉ. के.जी. त्यागी, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, राम लाल आनंद महाविद्यालय	शिक्षक प्रतिनिधि (कनिष्ठ)
श्री सुनील दत्त, पुस्तकालय सहायक, राम लाल आनंद महाविद्यालय	विशेष आमंत्रित

वैधानिक पद

प्रो. प्रेरणा दीवान	उप-प्राचार्य, आईक्यूएसी समन्वयक
प्रो. मुक्ता डी. मजूमदार	बर्सर
डॉ. वंदना गंडोत्रा	सचिव, स्टाफ काउंसिल

गणतंत्र दिवस समारोह 2024

विजन

उच्चशिक्षा के माध्यम से युवाओं में राष्ट्र विकास की भावना विकसित करना	छात्रों को तार्किक व नवीन विचारों के प्रति सजग करना
छात्रों में लोकतान्त्रिक मूल्यों, सहिष्णुता, संवेदना एवं सहानुभूति जैसे सिद्धांतों को विकसित करके राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाना	समाज के सभी वर्गों के लिए उच्चतम एवं सामर्थ्य योग्य शिक्षा प्रदान करना

मिशन

उच्च दृष्टिकोण और अन्य शैक्षणिक तरीकों का उपयोग करके महत्वपूर्ण सोच विकसित करना

संस्थागत प्रथाओं के माध्यम से छात्रों को देश के कानून का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना

उन्नत शिक्षण संसाधनों का उपयोग करके रोजगार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त ज्ञान और कौशल के साथ छात्रों को विकसित करना

संचार के कई औपचारिक और अनौपचारिक तरीकों को अपनाकर पर्यावरण, मानवाधिकार और सामाजिक न्याय के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाना

विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विविध क्षेत्रीय और सामाजिक पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के प्रभावी एकीकरण के लिए सौहार्द और संस्कृति का माहौल बनाना

सिद्धांत

महाविद्यालय का मूल सिद्धांत ही संस्थान के पाठ्यक्रम, इसके संकाय, छात्रों एवं संस्थान कर्मियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। हमारा महाविद्यालय समुदाय की अपेक्षाओं पर निम्नलिखित सिद्धांतो द्वारा पारस्परिक रूप से क्रियाशील है।

छात्रों का समग्र विकास

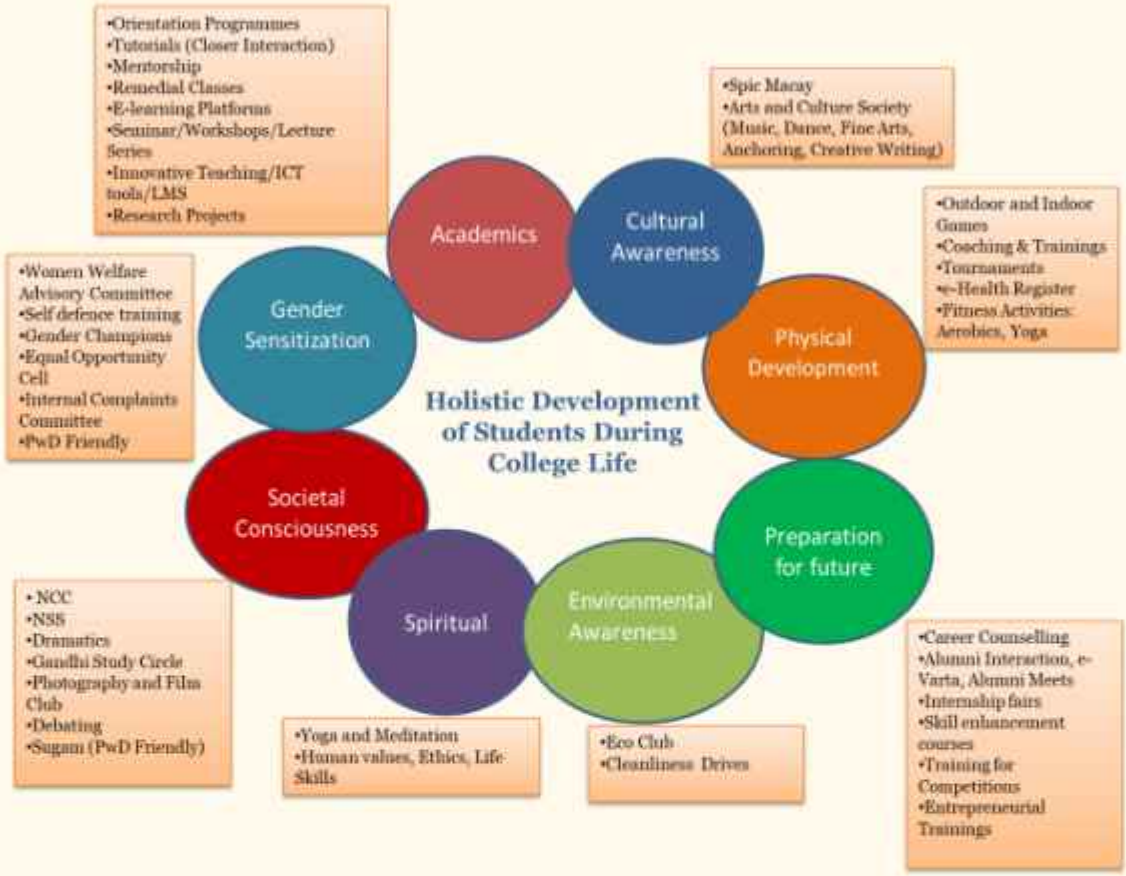

राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद ग्रेडिंग

महाविद्यालय ने एनएएसी मान्यता के पहले चक्र (2018-2023) में बी++ ग्रेड के साथ 4 में से 2.84 सीजीपीए के साथ रैंकिंग हासिल की है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन चैंपियन

दिल्ली नगर निगम ने राम लाल आनंद महाविद्यालय को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन चैंपियन के रूप में प्रमाणित किया है।

मान्यता प्राप्त स्थायी परिसर

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद द्वारा संचालित अपने कार्यक्रम के तहत स्वच्छता, जल, ऊर्जा, हरियाली और अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्रों में किए गए विशेष प्रयासों की मान्यता के रूप में राम लाल आनंद महाविद्यालय को एक स्थायी परिसर के रूप में प्रमाणित किया है।

रेडियो तरंग 90.0 एफएम

राम लाल आनंद महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला शिक्षण संस्थान है जिसमें सामुदायिक रेडियो के रूप में रेडियो तरंग 90.0 एफ एम का आरंभ किया गया। लगभग 10 किलो मीटर की परिधि में फैला इसका संचार शैक्षिक सूचनाओं व शिक्षा संबंधी मनोरंजन का अनूठा स्रोत है जो एंड्रॉयड, आई स्टोर, अमेज़ौन व स्पॉटिफाई जैसे प्रचलित माध्यमों पर उपलब्ध है।

यह एफएम चैनल हमारे महाविद्यालय की ओर से तकनीकी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है जिसका प्रसारण 13 फरवरी 2023 को आरंभ हुआ। इस चैनल को अत्याधुनिक स्टूडियो विशेष रूप से नवोदित पत्रकारों को प्रशिक्षित करने और हमारे संकाय और छात्रों दोनों को एक मंच उपलब्ध कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

हाल के दिनों में प्रो. राकेश कुमार (हिन्दी) और ट्रांसमिशन एग्जीक्यूटिव सुश्री फरज़ीन सुल्तान के नेतृत्व में एक टीम ने महाविद्यालय के कई छात्रों के साथ मिलकर संस्कृति, स्वास्थ्य, शिक्षा, फिटनेस आदि जैसे विषयों पर कई ज्ञानवर्धक कार्यक्रम तैयार किए हैं और उन्हें लाइव प्रसारित किया गया है और फिर रेडियो तरंग (@studiorlacuniversityofdelh10) के यूट्यूब पेज पर अपलोड किया गया है। बीजेएमसी विभाग एक कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो छात्रों को प्रोडक्शन, रेडियो जॉकी, वॉयस मॉड्यूलेशन, स्क्रिप्टिंग, संपादन, साक्षात्कार और रेडियो नाटकों में प्रशिक्षित करता है।

महाविद्यालय के विभिन्न विभाग महाविद्यालय में पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों, स्नातक होने के बाद इन पाठ्यक्रमों द्वारा प्रदान किए जाने वाले व्यावसायिक दायरे, महाविद्यालय में रहने के दौरान छात्रों को मिलने वाले अतिरिक्त कौशल, विभागों द्वारा पेश किए जाने वाले अतिरिक्त पाठ्यक्रम, महाविद्यालय के भीतर अनुसंधान के अवसरों आदि के आधार पर डिज़ाइन किए गए विशिष्ट कार्यक्रम अपलोड करते हैं।

समाचार की सुर्ख़ियों में आरएलए कॉलेज

छावला में आंधी के दौरान बिजली का करंट लगने से नाबालिग की मौत

जागरूकता

देहदान पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

राम लाल आनंद कॉलेज स्वामी दयानंद सरस्वती डे-नाईट टी-20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में जीता

आरएलए कॉलेज के सर्वोत्तम शर्मा को पीजीडीएवी कॉलेज के वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार द्वारा प्लेयर ऑफ द मैच की ट्रॉफी देते हुए।

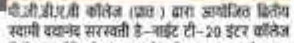

पी.जी.डी.ए.वी कॉलेज (प्रात:) द्वारा आयोजित द्वितीय स्वामी दयानंद सरस्वती डे-नाईट टी-20 इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में श्यामलाल और राम लाल आनंद कॉलेज की टीमें मेजबान पी.जी.डी.ए.वी कॉलेज (प्रात:) की प्राचार्य प्रोफेसर कृष्णा शर्मा के साथ।

बायोफोर्टिफाइड़ बाजरा किस्मों का वैज्ञानिक विधि से उत्पादन पर एकदिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

रामलाल कॉलेज का सामुदायिक रेडियो शुरू, शिक्षा कार्यक्रमों का होगा प्रसारण

डीयू के एकमात्र रेडियो का दायरा बढ़ाने की तैयारी, इंटर्नशिप भी मिल सकेगी

पांच साल पहले तक चलता था डीयू का अपना रेडियो

दैनिक जागरण

रेडियो प्रोग्रामिंग व ब्राडकास्टिंग कोर्स से होगा स्किल डेवलपमेंट

अमर उजाला

रेडियो प्रोग्रामिंग और ब्रॉडकास्टिंग कोर्स से होगा स्किल डेवलपमेंट

15

स्नातक पाठ्यक्रम की रूपरेखा (यूजीसीएफ) 2022

दिल्ली विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इस महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022- 23 से यूजीसीएफ के नए पाठ्यक्रम रुपरेखा का सफल संचालन किया है जिसे अंडर ग्रैजुएट करीकुलम फ्रेमवर्क (यूजीसीएफ)-2022 कहा गया है। इस पाठ्यक्रम रूपरेखा की संरचना छात्रों पर केंद्रित दृष्टिकोणव विभिन्न विषयों के चयन पर आधारित है जिसमें शैक्षणिक मार्गदर्शन के विभिन्न विकल्प, जैसे विषयों के संयोजन, शैक्षिक कार्यक्रम में प्रवेश व निकास के विकल्प,शैक्षिक कार्यक्रम का सुगम्य रूप से विभाजन निर्धारित करना आदि समायोजित है।

UGCF-2022 पाठ्यक्रम उच्च शिक्षा के विभिन्न विशिष्टताओं जैसे ऐतिहासिक, दार्शनिक व समकालीन दृष्टिकोण को रेखांकित करता है जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022 के साथ समायोजित होकर उच्च शिक्षा के भविष्य को मार्गदर्शित करने पर आधारित है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022 में सजग रूप से परिलक्षित उच्च शिक्षा को सशक्त करने के उद्देश्य के अनुरूप दिल्ली विश्वविद्यालय ने निरंतर पूर्वस्नातक शैक्षिक पाठ्यक्रम के पुनर्गठन व परिशोधन की दिशा में निरंतर प्रयास किया है जिसके समरूप नव राष्ट्र के युवाओं को समकालीन शैक्षिक अपेक्षाओं व वैश्विक मानकों के अनुरूप किया जा सके।

इस विस्तृत अभ्यास के परिणामस्वरूप दिल्ली विश्वविद्यालय ने यूजीसीएफ 2022 का गठन किया जो न केवल एनईपी 2022 के उद्देश्यों को परिलक्षित करता है बल्कि समय के अनुकूल पूर्व स्नातक शिक्षण व अध्ययन की ऐसी रूपरेखा स्थापित करता है जो नवयुवाओं को अनुसंधान, शोध, नवीनीकरण, प्रशिक्षुता, सामाजिक सुगम्यता, उद्यमिता, कौशल विकास तथा मानव ज्ञान के अन्य तत्वों की ओर जाने के लिए प्रेरित करता है। पाठ्यक्रम की इस नवीन रूपरेखा से छात्रों को विशिष्ट शैक्षिक योग्यता प्राप्त होगी जो उनके भविष्य को उज्ज्वल व साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करेगी।

यूजीएफ 2022 के अनुसार छात्रों को स्नातक कोर्स में व्यावसायिक एवं अन्य कारणों के आधार पर विभिन्न चरणों के अनुरूप शैक्षिक योग्यताओं के साथ निकासी के लिए विभिन्न विकल्प देने का प्रस्ताव है जिसकी विस्तृत जानकारी नीचे दिए गए लिंक पर है।

https://cdnasb.samarth.ac.in/site-admin23/pn/IBCUETUG2023.pdf

महाविद्यालय ने सत्र 2022-23 से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित यूजीसीएफ 2022 को पूर्ण रूप से अपनाया और लागू किया है। 2024-25 शैक्षणिक सत्र में, महाविद्यालय में सभी तीन स्नातक बैच यूजीसीएफ 2022 कार्यक्रम संरचना के भाग के रूप में होंगे। कार्यक्रम की संरचना के बारे में अधिक जानकारी के लिए, नीचे दिए गए फ़्लो चार्ट देखें (https://www.du.ac.in/uploads/UGCF-Flowchart.pdf)

प्रस्तावित कार्यक्रम के लिए पात्रता के विवरण के लिए विश्वविद्यालय प्रवेश बुलेटिन 2024-25 देखें: https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/29052024_CSAS-UG_compressed.pdf

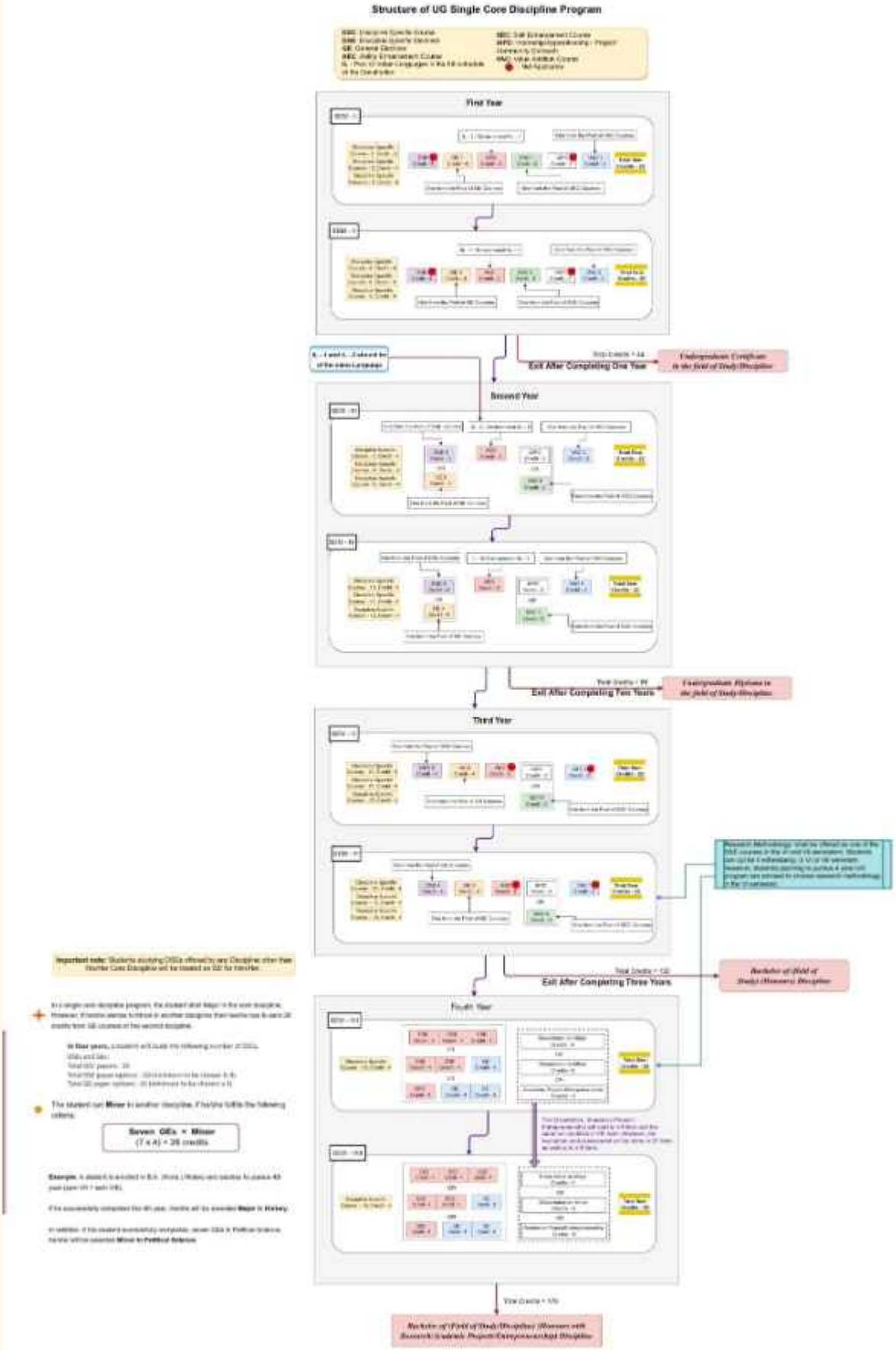
Structure of UG Single Core Discipline Program
First Year
Exit After Completing One Year
Second Year
Exit After Completing Two Years
Third Year
Exit After Completing Three Years
Fourth Year

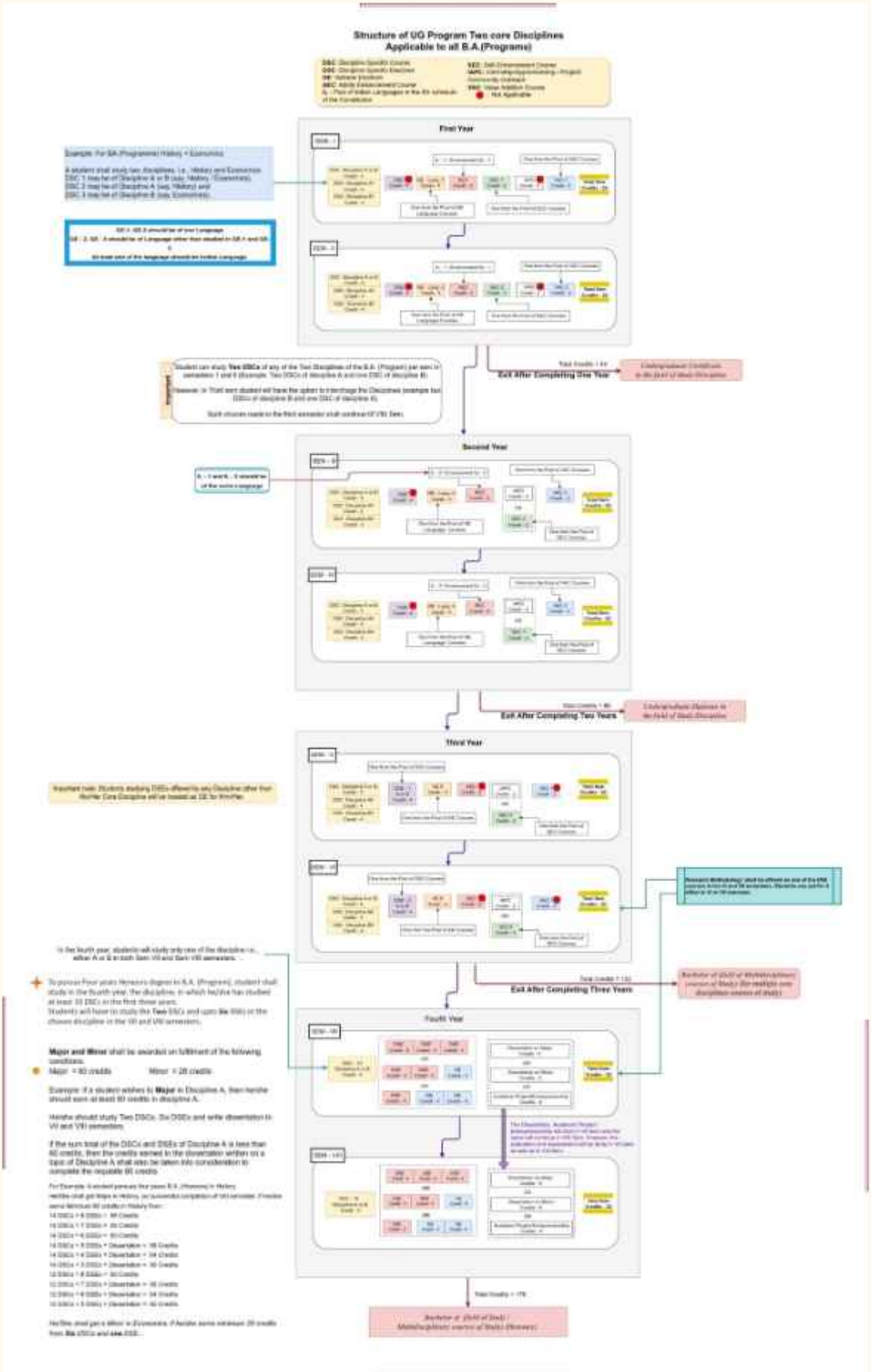
Structure of UG Program Two core Disciplines
Applicable to all B.A.(Programs)
First Year
Second Year
Exit After Completing One Year
Exit After Completing Two Years
Third Year
Exit After Completing Three Years
Fourth Year

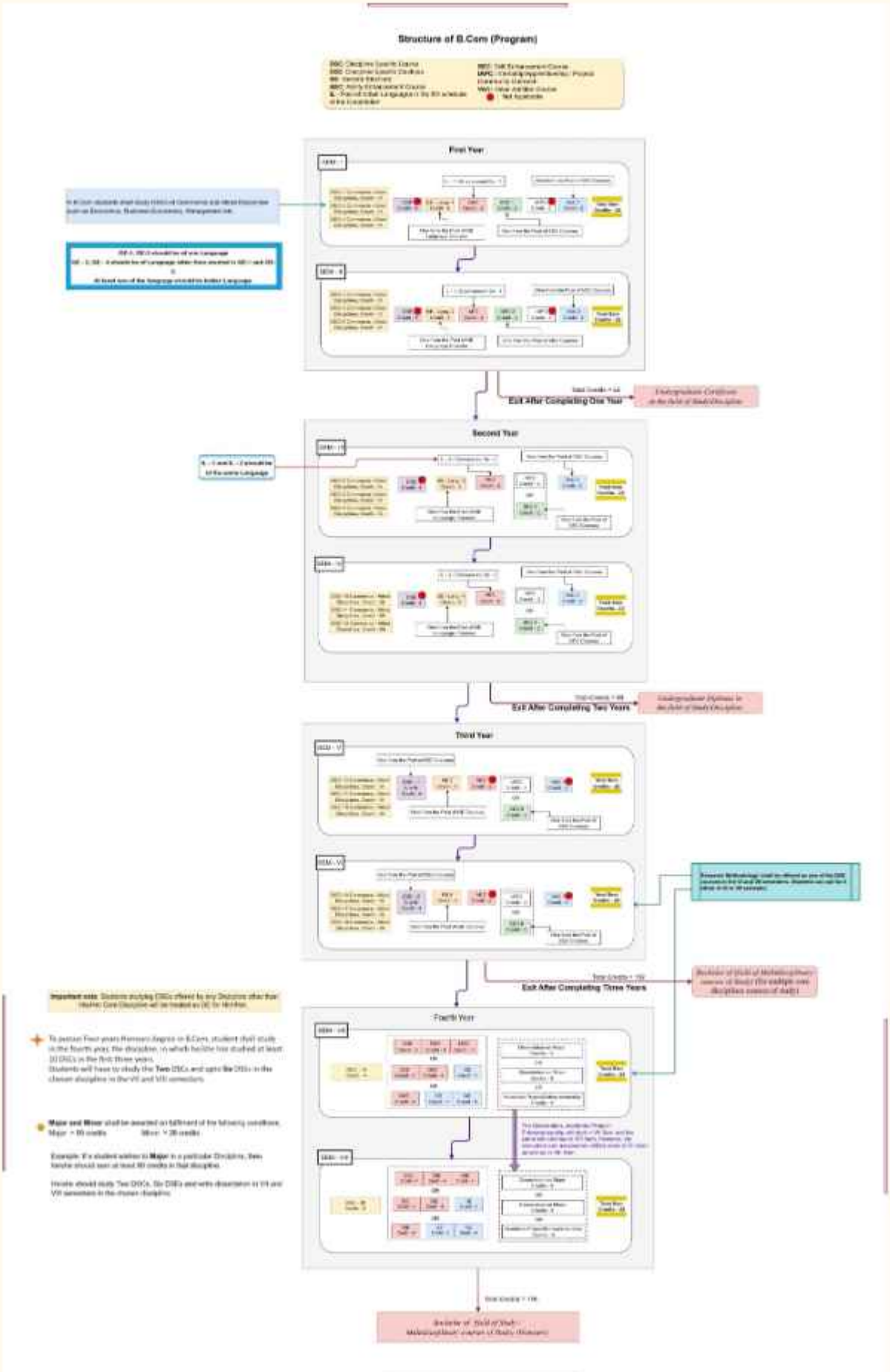
Structure of B.Com (Program)
First Year
Exit After Completing One Year
Second Year
Exit After Completing Two Years
Third Year
Exit After Completing Three Years
Fourth Year

दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वस्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए, उम्मीदवारों को सीयूईटी-2024 के लिए पंजीकरण करना होगा। https:// exams.nta.ac.in/CUET-UG/

महाविद्यालय में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रम

स्नातक पाठ्यक्रम के नाम
कला और मानविकी
बी.ए.प्रोग्राम (इतिहास+राजनीति विज्ञान)
(कंप्यूटर अनुप्रयोग+गणित)
(गणित+अर्थशास्त्र)
बी.ए.(विशेष) अंग्रेज़ी
बी.ए.(विशेष) हिंदी
बी.ए.(विशेष) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
बी.ए.(विशेष) इतिहास
बी.ए.(विशेष) राजनीति विज्ञान
वाणिज्य और प्रबंधन
बी.कॉम.(विशेष)
बी.कॉम.प्रोग्राम
बीएमएस (बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज)
विज्ञान
बी.एससी.(विशेष) कंप्यूटर साइंस
बीएससी (विशेष) भूविज्ञान
बीएससी (विशेष) गणित
बीएससी (विशेष) सूक्ष्मजीव विज्ञान
बीएससी (विशेष) सांख्यिकी

विभिन्न पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम महाविद्यालय की वेबसाइट पर निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध हैं।

https://rlacollege.edu.in/course-&-syllabus.php

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

(एमए हिंदी) विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर होगा: ऑनलाइन प्रवेश विश्वविद्यालय पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। कक्षाएं दक्षिण परिसर में आयोजित की जाएंगी और महाविद्यालय में ट्यूटोरियल आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में परीक्षा फॉर्म विद्यार्थी को महाविद्यालय में जमा करना होगा।

विशेष कोर्स करने वाले प्रथम सेमेस्टर के छात्र के लिए पाठ्यक्रम संरचना

(अंग्रेजी/ हिंदी/ राजनीति विज्ञान/ इतिहास में बीए विशेष, सूक्ष्मजीव विज्ञान/ भूविज्ञान/ सांख्यिकी/ गणित/ कंप्यूटर विज्ञान में बी.एससी विशेष, बी.कॉम विशेष , प्रबंधन अध्ययन, पत्रकारिता एवं जनसंचार):

अनुशासन विशिष्ट कोर पेपर्स (DSC): 3
- डीएससी 1
- डीएससी 2
- डीएससी 3

जेनेरिक इलेक्टिव पेपर (GE): 1 (विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में से एक पाठ्यक्रम)
शैक्षणिक संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC) पेपर: 1
मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (VAC) पेपर: 1
कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) पेपर: 1
कुल - प्रत्येक सेमेस्टर में 7 पेपर

बीए प्रोग्राम में पढ़ने वाले प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम संरचना (इतिहास+राजनीति विज्ञान/गणित+अर्थशास्त्र, कंप्यूटर अनुप्रयोग+गणित)

अनुशासन विशिष्ट कोर पेपर (DSC) : 3
- डीएससी 1 (छात्रों द्वारा मुख्य पत्र के रूप में चुने गए विषय से)
- डीएससी 2 (छात्रों द्वारा मुख्य पत्र के रूप में चुने गए विषय से)
- डीएससी 3 (छात्रों द्वारा द्वितीय मुख्य पत्र (माइनर) के रूप में चुने गए विषय से)

जेनेरिक इलेक्टिव पेपर (GE): 1 (विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में से एक पाठ्यक्रम)
मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (VAC) पेपर: 1
कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) पेपर: 1
कुल - प्रत्येक सेमेस्टर में 7 पेपर

बी.कॉम प्रोग्राम की पढ़ाई कर रहे प्रथम सेमेस्टर के छात्र के लिए पाठ्यक्रम संरचना

अनुशासन विशिष्ट कोर पेपर (DSC) : 3

- डीएससी 1
- डीएससी 2
- डीएससी 3

जेनेरिक इलेक्टिव पेपर (GE): 1 (विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में से एक पाठ्यक्रम)
शैक्षणिक संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC) पेपर: 1
मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (VAC) पेपर: 1
कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC) पेपर: 1
कुल - प्रत्येक सेमेस्टर में 7 पेपर

जो छात्र जी.ई. पेपरों के एक ही पूल से सात पेपरों का चयन और अध्ययन करते हैं, ऐसे छात्र, स्नातक स्तर की पढ़ाई के चार वर्ष पूरे करने के बाद, उस विशेष जी.ई. पेपरों के पूल के मूल पाठ्यक्रम में माइनर डिग्री के लिए भी पात्र होंगे।
उदाहरण के लिए, यदि बीए विशेष राजनीति विज्ञान की पढ़ाई कर रहा कोई छात्र इतिहास विभाग द्वारा प्रस्तावित वैकल्पिक पेपरों के जीई पूल से सात पेपर चुनता है, तो ऐसा छात्र 4 वर्षों में स्नातक होने पर राजनीति विज्ञान में प्रमुख डिग्री प्राप्त करने के अलावा इतिहास में एक छोटी बीए डिग्री के लिए भी पात्र होगा।

एस ई सी, वी ए सी और ए ई सी पाठ्यक्रम

दिल्ली विश्वविद्यालय कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों, मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रमों की एक व्यापक सूची प्रदान करता है। इन विस्तृत सूचियों के लिंक निम्नलिखित हैं।

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रमों के लिए लिंक (SEC)

https://www.du.ac.in/uploads/new-web/28032023_SEC.pdf

मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों के लिए लिंक (VAC)

https://www.du.ac.in/uploads/new-web/26102022_VAC.pdf

योग्यता संवर्धन पाठ्यक्रमों के लिए लिंक (AEC)

https://www.du.ac.in/uploads/new-web/24022023_AEC.pdf

महाविद्यालय स्तर पर, विभिन्न विभाग इन उपर्युक्त सूचियों से एसईसी, वीएसी और एईसी पेपर प्रदान करते हैं। हमारे महाविद्यालय में पेश किए गए पाठ्यक्रम निम्नलिखित हैं:

यूजीसीएफ- 22 के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रथम वर्ष के छात्रों को पेश किए गए कौशल संवर्धन पाठयक्रम एस ई सी निम्नानुसार हैं:

क्रम संख्या	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम का नाम	एस ई सी पाठ्यक्रम वाले विभाग
1.	पायथन की अनिवार्यताएँ	गणित
2.	बेसिक आईटी उपकरण	गणित
3.	बेसिक विश्लेषणात्मक तकनीकें	सूक्ष्मजीव विज्ञान
4.	डिजिटल मार्केटिंग	प्रबंधन अध्ययन
5.	बेसिक आईटी उपकरण	सांख्यिकी
6.	आईटी कौशल और डेटा विश्लेषण-1	सांख्यिकी
7.	फ्रंट एंड वेब डिज़ाइन और विकास	कंप्यूटर विज्ञान
8.	जीवन कौशल शिक्षा	अर्थशास्त्र
9.	संग्रहालय और संग्रहालय विज्ञान	इतिहास
10.	रचनात्मक लेखन	हिंदी
11.	राजनीतिक नेतृत्व और संचार	राजनीति विज्ञान
12.	सभी के लिए वित्त	वाणिज्य
13.	व्यावसायिक संचार	अंग्रेजी
14.	रोजमर्रा की जिंदगी में संचार	अंग्रेजी
15.	रचनात्मक लेखन	गणित

यूजीसीएफ-22 के तहत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रदान किए जाने वाले मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) इस प्रकार हैं:

क्रम संख्या	मूल्य वर्धित पाठ्यक्रमों का नाम	वीएसी पाठ्यक्रम वाले विभाग
1.	वैदिक गणित-1	गणित
2.	एनसीसी-1	हिंदी
3.	संवैधानिक मूल्य और मौलिक कर्तव्य	राजनीति विज्ञान
4.	फिट इंडिया	शारीरिक शिक्षा
5.	डिजिटल सशक्तिकरण	गणित, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र
6.	विज्ञान और समाज	सूक्ष्म जीव विज्ञान, भूविज्ञान
7.	स्वच्छ भारत	सूक्ष्मजीव विज्ञान
8.	खुश रहने की कला	सूक्ष्मजीव विज्ञान, भूविज्ञान
9.	योग और दर्शन	सूक्ष्मजीव विज्ञान, सांख्यिकी
10	सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा	प्रबंधन अध्ययन
11	नैतिकता और संस्कृति	प्रबंधन अध्ययन
12	भावनात्मक बुद्धिमत्ता	कंप्यूटर विज्ञान
13	प्राचीन भारतीय परंपरा में नैतिकता और मूल्य	इतिहास
14	भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य	हिंदी
15	सृजनात्मक लेखन के आयाम	हिंदी
16	वित्तीय साक्षरता	वाणिज्य
17	अंग्रेजी में भारतीय कथा साहित्य पढ़ना	अंग्रेजी
18	संस्कृति और संचार	अंग्रेजी, इतिहास (यदि उपलब्ध हो)
19	पारिस्थितिकी और साहित्य	अंग्रेजी

Valedictory Ceremony, 100 Days Skill Festival

उद्यमिता, भारत सरकार द्वारा 100 दिवसीय कौशल महोत्सव समापन समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता को सम्मानित किया गया (9 मई 2023)

विभागों की जानकारी

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी को दुनिया के लिए एक विश्वस्तरीय भाषा माना जाता है। अंग्रेजी न केवल आर्थिक विकास,संचार कौशल और वैज्ञानिक खोजों के संदर्भ में बल्कि साहित्य और साहित्यिक सिद्धांतों के संदर्भ में भी एक महत्वपूर्ण योगदान करता है।

अंग्रेजी बी.ए. (स्नातक) का पाठ्यक्रम छात्रों को अंग्रेजी में लिखे गए साहित्यिक ग्रंथों का सराहना, समझने और गंभीर रूप से संलग्न करने में मदद करता है, उन्हें विभिन्न दृष्टिकोण से और स्थानों की स्पष्ट समझ के साथ संपर्क स्थापित करता है। इसका उद्देश्य छात्रों को भाषा में शामिल होने या रोजगार में विशेष अवसर प्रदान करना है। यह पाठ्यक्रम पढ़ने और लिखने के कौशल, भाषा के माध्यम से रचनात्मकता और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ाने, फिल्म स्क्रीनिंग, थिएटर और नाटक, अनुवाद सिद्धांतों और अभ्यासों, सबटाइटलिंग और डबिंग ज्ञान, अकादमिक सेमिनार आदि पर चर्चा का परिचय देता है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व भर की विभिन्न साहित्य रचनाओं व उनके अंग्रेजी अनुवाद को सम्मिलित किया गया है जैसे कि अमेरिकी, अफ्रीकी, भारतीय तथा उभरते हुए साहित्यिक विषय जैसे दलित साहित्य एवं प्रसिद्ध महिला लेखिकाओं के कार्य। काल्पनिक व जासूसी लेखन, ग्राफिक व्याख्यान, जैसे रोचक विषय कार्यक्रम के नए पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं।

महाविद्यालय के अंग्रेजी संकाय का निरंतर प्रयास छात्रों के क्लासरूम शिक्षण के अतिरिक्त उनके समावेशी एवं विविध अनुभव पर केन्द्रित रहता है। यह संकाय छात्रों को अतिरिक्त नए कार्यक्रम भी प्रदान करता है जो कि छात्रों के बीच काफी प्रचलित एवं सफल सिद्ध हुए हैं। विगत वर्षों में विभाग ने अंग्रेजी आर्ट कार्यक्रम, आधुनिक साहित्य के इतिहास व रचनात्मक लेखन पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम जैसे विशिष्ट कार्यक्रम प्रदान किए हैं। छात्रों की रुचि के आधार पर ऐसे विशिष्ट व रचनात्मक कार्यक्रम संकाय द्वारापुनः समाविष्ट किए जाते हैं।

विभाग के इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी "**यूबीक्यूटस**" का उद्देश्य साहित्य और भाषा के प्रति समर्पण विकसित करना, विद्वत्ता को उन्नत करना तथा शैक्षिक कार्यक्रम आत्म अभिव्यक्ति के लिए मार्ग प्रदान करना है। यह सोसाइटी व्यवहार्यता और रचनात्मकता को बढ़ावा देती है तथा साहित्यिक हस्तियों व उनके कार्यों के प्रति ज्ञान व रुचि अर्जित करने में सहायता करती है। इस सोसाइटी ने पूर्व में विभिन्न कार्यशालाएं आयोजित किये है। छात्रों के सहयोग से वर्तमान सत्र में इस प्रकार के अन्य कार्यक्रम प्रस्तावित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के पूर्ण होने के उपरांत छात्रों में साहित्य की विभिन्न शैलियों का ज्ञान तथा साहित्यिक समीक्षा व व्याख्या करने की क्षमता विकसित करता है। यह कार्यक्रम छात्रों में आत्म-अभिव्यक्ति को सशक्त करने में सहायता करता है। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के अतिरिक्त, विभिन्न क्षेत्रों में जैसे की सामाजिक विज्ञान, मानविकी, पत्रकारिता, प्रकाशन, पटकथा लेखन व संपादन आदि में रोज़गार के अनेकों विकल्प के अवसर प्रदान करता है।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- डॉ. नरेन्द्र कुमार (एम.ए., एम.फिल., पीएचडी)
- डॉ. दीप्ति भारद्वाज (एम.ए., एम.फिल., पीएचडी)
- डॉ. उर्वशी कुहाड़ (एम.ए., एम.फिल., पीएचडी)
- सुश्री दीपशिखा कुमारी (एम.ए.)
- डॉ. ऋतम्भरा मिश्रा (एम.ए., पीएचडी)
- श्री ताहा यासीन (एम.ए., एम.फिल., एल.एल.बी)
- सुश्री प्रज्ञा देशमुख (एम.ए., एम.फिल.)
- डॉ. कमल कुमार राउल (एम.ए., एम.फिल. पीएचडी) - **शिक्षक प्रभारी**
- सुश्री मीनाक्षी ब्रह्मा (एम.ए., एम.फिल.) - **सोसाइटी संयोजक - यूबीक्यूटस**

हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

हिंदी विभाग में स्नातक डिग्री कार्यक्रम में दो प्रकार के पाठ्यक्रम हैं, **बीए (विशेष) हिन्दी** और **बीए (विशेष) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार**। स्नातकोत्तर का एक पाठ्यक्रम - **एम्ए हिंदी** जो दिल्ली विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के माध्यम से संचालित किया जाता हैं।

हिंदी विभाग

हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग (बी जे एम् सी) संकाय हमारे महाविद्यालय के सबसे महत्वपूर्ण विभागों में से एक है जो निरंतर छात्रों के परिपूर्ण विकास के उद्देश्य के लिए कार्यरत है। इस विभाग का उद्देश्य मूल विषयों के साथ-साथ व्यावहारिक व अनुभवात्मक ज्ञान का विकास करना हैं। विभाग ने छात्रों को द्वि-भाषी क्षमता से परिपक्व करने के प्रयास से हिंदी "**अनुवाद परिषद्**" के सहयोग से ऐड-ऑन पाठ्यक्रम आरम्भ किये हैं। विभाग ने प्रतिष्ठित विशेषज्ञों व समाचार सम्पादकों, अनुभवी अधिकारियों तथा विविध क्षेत्रों के अनुभवी पत्रकारों से विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किये हैं। छात्रों को **डिजिटल व इलेक्ट्रॉनिक** क्षेत्रों में नए अवसर विकल्पों के लिए तैयार करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया है। पाठ्यक्रम व शिक्षण को अधिक संवादात्मक बनाने के लिए विभाग **'हिंदी साहित्य परिषद्'** और **'हिंदी मीडिया परिषद्'** नामक विभागीय समितियों से मिलकर विभागीय इंटर-महाविद्यालय उत्सव आयोजित करता है, साथ ही छात्रों को विविध दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए फिल्में भी प्रदर्शित करता हैं।

इस स्नातक कार्यक्रम के पूर्ण होने के उपरांत छात्रों के लिए विविध रोज़गार क्षेत्र जैसे सरकार, प्रशासन, सिविल सर्विस, पत्रकारिता, मीडिया, शिक्षण, अनुसन्धान आदि सुगम हो जाते है। इसके अतिरिक्त वे इंटरप्रेटर जैसे क्षेत्र में भी जा सकते है। अधिकाँश मीडिया हाउस, प्रकाशक व साहित्य संस्थाएं इन्हें

अवसर प्रदान करती है। अन्य अवसर जैसे कंटेंट डेवलपर, रिपोर्टर, पत्रकार, शिक्षक, अनुवादक तथा बीपीओ में वॉयस एसोसिएट के अवसर भी हैं।

यह विभाग विशेष रूप से हिंदी स्नातक के विद्यार्थियों के लिए रोज़गार आधारित **'हिंदी अनुवाद'** सर्टिफिकेट कोर्स भी प्रदान करता है। सरकारी क्षेत्र व कॉर्पोरेट में बड़ी संख्या में अनुवादकों के लिए अवसर होता है जहाँ इस कोर्स की सहायता से छात्र अनुवादक के रूप में अपना रोजगार बना सकते हैं।

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार

यह पाठयक्रम महाविद्यालय द्वारा स्व-वित्तपोषित मॉडल के तहत चलाया जाता है। प्रत्येक वर्ष प्रवेश के लिए सीटों की संख्या सीमित है। प्रत्येक छात्र को मीडिया सामग्री के विकास में उपयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर में प्रशिक्षण दिया जाता है। महाविद्यालय में प्रसारण और रिकॉर्डिंग के लिए आवश्यक वीडियो और ऑडियो उपकरणों के साथ एक परिपूर्ण स्टूडियो है।

अत्याधुनिक कंप्यूटरों के साथ एक मीडिया लैब है जिसमें इंटरनेट सुविधा और वीडियो संपादन के लिए सॉफ्टवेयर है। छात्रों को गर्मियों और सर्दियों की छुट्टियों के दौरान विभिन्न मीडिया स्कूलों में इंटर्नशिप करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। **आईबीएन7** और **टीवी टुडे** जैसे चैनलों पर शिक्षाप्रद टीवी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए छात्रों को अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। अन्य जनसंचार संस्थानों के प्रमुख पत्रकारों और संकायों को व्याख्यान देने और छात्रों के लिए कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

विभाग ने अपने छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मीडिया घरानों (अमर उजाला और मोलिटिक्स), सामाजिक संगठनों (सहगल फाउंडेशन) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। बड़ी संख्या में हमारे पूर्व छात्र रिपोर्टर और पत्रकार बन गए हैं और प्रमुख समाचार पत्रों के दैनिक समाचार पत्रों में कॉलम लिख रहे हैं।

बहुत प्रयासों के बाद विभाग ने सफलतापूर्वक अपनी "**सामुदायिक रेडियो सेवा**" शुरू की है। साथ ही, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार के छात्रों द्वारा हमारे महाविद्यालय पर बनाई गई एक वृत्तचित्र भी देखी जा सकती है:

https://drive.google.com/file/d/19pWIWhA6wxzfmdQ_BTvjtWFYbo1VY7w9/view?usp=sharing

विभाग के सदस्य शिक्षक

- प्रो. नीलम ऋषिकल्प (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- प्रो. एस सी डबास (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- प्रो. राकेश कुमार (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- प्रो. संजय कुमार शर्मा (एमए, एमबीए, एलएलबी, पीएचडी)
- प्रो. अर्चना गौड़ (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- प्रो. श्रुति आनंद (एमए, एम.फिल., पीएचडी - **शिक्षक प्रभारी**
- डॉ. राजेश कुमार (एमए, एम.फिल., पीएचडी) - **सोसायटी संयोजक- हिंदी साहित्य परिषद एवं हिंदी पत्रकारिता परिषद**
- डॉ. मानवेश नाथ दास (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- डॉ. एनी रे (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- डॉ. सुरेन्द्र कुमार (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- डॉ. रीना (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- डॉ. रोशन लाल मीना (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- सुश्री साधना (एमए, एम.फिल.)

बीजेएमसी के लिए विजिटिंग संकाय: डॉ. अटल तिवारी, डॉ. सीमा भारती, डॉ. निशा सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार, सुश्री श्वेता आर्य।

इतिहास विभाग

इतिहास वह नहीं है जो अतीत है, बल्कि वह अतीत है जो हमेशा के लिए वर्तमान माना जाता है। एक अनुशासन के रूप में, इतिहास अतीत को खुद को दोहराने की अनुमति देता है। इतिहास अनादिकाल से वर्तमान समय तक मानव सभ्यता के विकास को बयां करता है। यह कार्यक्रम छात्रों को मानव शक्तियों और सीमाओं की अच्छी समझ देता है। इस विभाग के संकाय सदस्यों ने छात्र हितों में विविधता लाई है जो उन्हें उभरती जरूरतों के लिए रचनात्मक रूप से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाती है।

"तारीख" नाम की सोसायटी महाविद्यालय की सबसे प्रतिष्ठित सोसायटियों में से एक है। यह संबंधित विषयों पर सबसे महत्वपूर्ण बौद्धिक सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन करती है। हाल के कार्यक्रमों में **'शहरी परिवर्तन और सतत भविष्य'** पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी शामिल है, जिसमें दुनिया भर के बहुत से प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्वानों ने भाग लिया है।

विभाग भारत के विभिन्न पुरातात्विक और विरासत स्थलों की शैक्षणिक यात्राएं नियमित रूप से आयोजित करता है। राजस्थान, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों और यहां तक कि दिल्ली के भीतर शैक्षणिक यात्राएं शामिल करता है। विभाग द्वारा आयोजित मासिक व्याख्यान श्रृंखला जिसमें कुछ सबसे प्रसिद्ध विशेषज्ञ और बुद्धिजीवी आते हैं जिसके बाद इंटरैक्टिव सत्र होते हैं। विभागीय सोसायटी महाविद्यालय के विभिन्न अन्य समाजों और विभागों के साथ भी कार्यक्रमों का सह-आयोजन करती है। राजनीति विज्ञान विभाग के इको-क्लब के सहयोग से हमारे महाविद्यालय में कुछ ट्रेंड-सेटिंग सत्रों का अधिवेशन किया है।

इस पाठ्यक्रम में स्नातक होने के बाद छात्र प्रशासन, सिविल सेवा, पत्रकारिता, जन संचार, शिक्षण, अनुसंधान और पुरातत्व और संग्रहालय अध्ययन में करियर चुन सकते हैं। विभाग ने भारत के पर्यटन उद्योग में एक समूह निझावन ग्रुप ऑफ कंपनीज के सहयोग से अपने तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए आतिथ्य और पर्यटन में एक कौशल विकास, रोजगार पूरक सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया है।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- प्रो. राकेश कुमार (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- प्रो. नरेंद्र कुमार पांडे (एमए, पीएचडी)
- प्रो. राजीव कुमार (बी.एड., एमए. पीएचडी)
- डॉ. कृष्ण गोपाल त्यागी (एमए, एम.फिल., पीएचडी)- **शिक्षक प्रभारी**
- डॉ. पारुल लौ गौर (एमए, एम.फिल., पीएचडी)- **सोसायटी संयोजक -तवारीख**
- डॉ. अरविंद पटेल (एमए, पीएचडी)
- श्री विकास कुमार (एमए, एम.फिल.)
- डॉ. शची मीना (एमए, एम.फिल. पीएचडी)
- डॉ. प्रतीक कुमार (एमए, एम.फिल. पीएचडी) (अवकाश पर)
- डॉ. श्यामजीत यादव (एमए, एम.फिल., पीएचडी)

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान ने विश्वविद्यालय भर में अत्यधिक लोकप्रियता हासिल की है और प्रवेश चाहने वालों विद्यार्थियों के बीच सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक है। विभाग, महाविद्यालय में व्यापक लोकप्रियता को बनाए रखने का प्रयास करता है। **"स्टेटक्राफ्ट" सोसाइटी** डीयू अंडरग्रेजुएट्स की आवश्यकताओं के साथ अच्छी तरह से काम कर रहा है। कार्यशालाओं, सेमिनारों, शैक्षणिक यात्राओं लोकप्रिय और विषयगत राजनीतिक मुद्दों पर रचनात्मक लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। लोकतंत्र, गांधी और अंबेडकर, शासन विषयों, पर्यावरण और विकास जैसे महत्वपूर्ण प्रश्नों पर व्यापक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। विशेषज्ञों को छात्रों के साथ आमने-सामने लाना विभाग का एक और मुख्य जनादेश है। प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में, विशिष्ट वक्ताओं के विशेष व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं, जिसके बाद इंटरैक्टिव सत्र होते हैं ताकि छात्रों को औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के हिस्से के अलावा अनुशासन के बारे में अधिक जानने में मदद मिल सके।

विभाग इसे अपनी जिम्मेदारी के रूप में मानता है कि छात्रों को उनकी रुचियों और गतिविधियों के आधार पर उचित कैरियर विकल्प बनाने में मदद करें।

विभाग ने राजनीतिक विचार, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और कूटनीति या विदेश नीति, सॉफ्ट स्किल, अनुभवात्मक शिक्षा, आदि जैसे संबंधित विषयों पर छात्रों को प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम की व्यवस्था की है। यह पाठ्यक्रम करने वाले छात्रों कि करियर को आकार देने में बहुत उपयोगी साबित हो सकते हैं।

स्टेटक्राफ्ट सोसाइटी नियमित रूप से इंटरैक्टिव प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है जो वास्तव में छात्रों के लिए राजनीति विज्ञान के विषय को और अधिक आकर्षक बनाती है। संविधान प्रश्नोत्तरी, मॉक पार्लियामेंट आदि विभाग के मुख्य आकर्षण हैं।

विभाग ने छात्रों को अम्बेडकर स्मारक, भारत की संसद, अन्य देशों के दूतावासों जैसे स्थानों पर नियमित रूप से ले जाकर प्रेरित किया है। इको क्लब, विभागीय समाज अक्सर महाविद्यालय के अन्य विभागों और समाजों साथ के काम करता है।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- डॉ. क्षमा शर्मा (एमए, एम. फिल., पीएचडी)
- डॉ. त्रिरंजन राज (एमए, एम. फिल., पीएचडी)
- डॉ. अलंकार (एमए, एम. फिल., पीएचडी)
- डॉ. विजय के. भाटिया (एमए, एम. फिल., पीएचडी, एलएलबी)- **शिक्षक प्रभारी**
- डॉ. निधि यादव (एमए, एम. फिल., पीएचडी)- **सोसायटी संयोजक -स्टेटक्राफ्ट**
- डॉ. जतिन कुमार (एमए, एम. फिल., पीएचडी)
- डॉ. सोमा पटनायक (एमए, एम. फिल., पीएचडी)
- श्री कप्तान (एमए, एम. फिल)
- श्री गंधर्व कौशिक (एमए)
- श्री दीपक सेठिया (एमए, एम. फिल)

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग छात्रों को व्यवसाय से संबंधित विषयों में शिक्षा देने, उन्हें अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में करियर के लिए तैयार करने तथा आधुनिक वाणिज्य की जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करने के लिए समर्पित है।

विभाग वाणिज्य, व्यवसाय प्रशासन, प्रबंधन, लेखा, वित्त, विपणन, अर्थशास्त्र, और कभी-कभी अंतरराष्ट्रीय व्यापार या उद्यमिता जैसे संबंधित क्षेत्रों से संबंधित क्षेत्रों में स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग ऐसे पाठ्यक्रम डिजाइन और वितरित करता है जो व्यवसाय और वाणिज्य के विभिन्न पहलुओं को कवर करते हैं, जिसमें व्यवसाय सिद्धांतों में मूलभूत पाठ्यक्रम, वित्त या विपणन जैसे क्षेत्रों में विशेष पाठ्यक्रम और कभी-कभी अंतःविषय पाठ्यक्रम शामिल होते हैं जो व्यवसाय को प्रौद्योगिकी या नैतिकता जैसे अन्य क्षेत्रों के साथ एकीकृत करते हैं। वाणिज्य विभाग के संकाय सदस्य आमतौर पर अपने संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञ होते हैं, शोध करते हैं, अकादमिक पेपर प्रकाशित करते हैं और वाणिज्य से संबंधित विषयों में ज्ञान की उन्नति में योगदान देते हैं। विभाग छात्रों को व्यवसाय और वाणिज्य में करियर के लिए तैयार करने में मदद करने के लिए अकादमिक सलाह, करियर परामर्श और इंटर्नशिप या प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करता है।

वाणिज्य विभाग व्यवसाय और उद्यमिता से संबंधित छात्र संगठनों, क्लबों या प्रतियोगिताओं को भी प्रायोजित करता है, जिससे छात्रों को नेटवर्किंग, कौशल विकास और व्यावहारिक अनुभव के अवसर मिलते हैं।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- डॉ. रितु वत्स (एम.कॉम, पीएचडी)
- डॉ. नुपुर साबू (एम.कॉम, पीएचडी) - **शिक्षक प्रभारी**
- डॉ. प्रीति देवी (एम.कॉम, पीएचडी)- **सोसायटी संयोजक - कोचिंग**
- श्री राजिंदर सिंह (एम.कॉम, एम.फिल.)
- डॉ. शिखा मक्कड़ (एम.कॉम, पीएचडी)
- डॉ. राजीव वशिष्ठ (एम.कॉम, पीएचडी)
- सुश्री सुप्रिया कामना (एम.कॉम, एम.फिल.)
- सुश्री अनुभूति यादव (एम.कॉम)
- सुश्री नीरा पाल (एम.कॉम, एमबीए)
- सुश्री शालिनी रावल (एम.कॉम)
- श्री कृष्ण कुमार (एम.कॉम)
- सुश्री सोनल गुप्ता (एम.कॉम)

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग छात्रों को एक उन्नत सोच और कठोर आधार प्रदान करने की कोशिश करता है। यह छात्रों के अकैडेमिक कानून प्रबंधन पत्रकारिता सरकार और अन्य क्षेत्रों में करियर की तैयारी करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

विभाग छात्रों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए नियमित सेमिनार, वेबिनार और कार्यशालाएं आयोजित करता है और उन्हें विषय को अधिक कार्यात्मक रूप से समझने के लिए तैयार करता है। अर्थशास्त्र में वर्तमान

घटनाओं पर चर्चा करना और छात्रों को दुनिया भर के आर्थिक घटनाओं का विश्लेषण करने और समाधान-उन्मुख लक्ष्यों पर चर्चा करने के अपने कौशल को बढ़ाने के लिए तैयार करता है।
विभाग में युवा और ऊर्जावान संकाय हैं और बीकॉम (विशेष), बीकॉम (प्रोग्राम) और बीए (प्रोग्राम) के साथ में पढ़ाया जाता है।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- डॉ. सुनयना शर्मा (एमए, एम.फिल., पीएचडी)
- डॉ. देबाश्री दास (एमए, एम.फिल., पीएचडी) -**शिक्षक प्रभारी**
- सुश्री मेघा यादव (एमए) - **सोसायटी प्रभारी**
- श्री मनोज कुमार (एमए)

बी.ए. प्रोग्राम

बीए प्रोग्राम विभाग विभिन्न विभागों के संकाय में शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम छात्रों के लिए डिसिप्लिन पाठ्यक्रमों में निम्नलिखित संयोजन साथ प्रदान किए जाते हैं।

- कंप्यूटर ऐप्लिकेशन और अर्थशास्त्र
- गणित और अर्थशास्त्र
- इतिहास और राजनीति विज्ञान

बीए प्रोग्राम के छात्रों के लिये महाविद्यालय कई कौशल विकसित करने और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों, सेमिनार आदिको आयोजित करता है। कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, इतिहास और राजनीति विज्ञान विभाग के सभी शैक्षणिक कार्यक्रम इस विभाग से संबंधित हैं और छात्रों को उसी में भाग लेने के लिए उत्साहित करता है।
छात्रों को विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से अपने संचार कौशल में सुधार करने का अवसर दिया जाता है। शैक्षणिक यात्राएं भी सत्र का हिस्सा हैं। छात्रों को समय-समय पर रोजगार के मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान किया जाता है।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- सुश्री मनीषा वाधवा (एम.एससी), कंप्यूटर विज्ञान विभाग - **शिक्षक प्रभारी**
- श्री अंकित कुमार (एम.एससी), गणित विभाग- **सोसाइटी संयोजक सेरेनिटी**
- डॉ. ऋतंभरा मिश्रा (एमए, पीएचडी), अंग्रेजी विभाग
- डॉ. श्यामजीत यादव (एमए, एमफिल पीएचडी), इतिहास विभाग
- श्री मनोज (एमए), अर्थशास्त्र विभाग
- डॉ. जतिन कुमार (एमए, एम.फिल., पीएचडी), राजनीति विज्ञान विभाग
- सुश्री साधना (एमए, एम.फिल), हिंदी विभाग

कम्प्यूटर साइंस विभाग

बीएससी (विशेष) कंप्यूटर साइंस छात्रों के लिए कंप्यूटर के मूल सिद्धांतों से लेकर प्रोग्रामिंग भाषाओं पर आधारित सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। कंप्यूटर विज्ञान में यह डिग्री सैद्धांतिक अध्ययन और व्यावहारिक परियोजनाओं को जोड़ती है। विद्यार्थी यहाँ प्रोग्रामिंग भाषा, हार्डवेयर आर्किटेक्चर, नेटवर्क प्रोग्रामिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, वेब एप्लिकेशन टूल इत्यादि विषयों पर शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

छात्र एम.सी.ए., एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमएससी (सूचना प्रौद्योगिकी), एम.आई.टी., एम.बी.ए., एमएससी (या) और एमएससी (एओआर) आदि जैसे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिला प्राप्त कर सकते हैं। यह कार्यक्रम आपकी परियोजनाओं के व्यक्तिगत पोर्टफोलियो को विकसित करने के लिए उपयोगी है। जैसे कि प्रोग्रामिंग शामिल करना, वेबसाइट बनाना या ऑनलाइन कार्य करना, कार्यक्षमता में सुधार या ऐप बनाने से संबंधित विषयों में आपके कौशल और रुचि निखारने में मदद मिलेगी।

कंप्यूटर विज्ञान के कई पहलू हैं; इसका फोकस सिर्फ कोडिंग पर नहीं बल्कि अन्य पहलुओं पर भी है। विभाग हर साल विभिन्न क्षेत्रों पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम / सेमिनार और कार्यशालाएं भी प्रदान करता है। विभाग आने वाले महीनों में छात्रों और संकाय को साइबर सुरक्षा की मूल बातों से अवगत कराने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करेगा। विभाग ने हाल ही में **मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस** का उपयोग करके डेटा साइंस में एक सर्टिफिकेट कोर्स आयोजित किया है।

उपलब्ध सुविधाएं

डेस्कटॉप, लैन, मल्टी-फंक्शन प्रिंटर, एलसीडी प्रोजेक्टर और एक स्मार्ट बोर्ड जैसे अच्छे बुनियादी ढांचे के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला उपलब्ध है।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- डॉ. वंदना गंडोत्रा (एमसीए, पीएचडी)
- डॉ. नीरज कुमार शर्मा (एमसीए, पीएचडी)
- सुश्री साक्षी तारेश खन्ना (एमसीए)
- सुश्री दीक्षा सपरा (एम.टेक) -**शिक्षक प्रभारी**
- सुश्री शिखा वर्मा (एमसीए) - **सोसायटी संयोजक-**e-people.org
- डॉ. अरुण कुमार गौतम (एम.टेक, पीएचडी)
- सुश्री मनीषा वाधवा (एमएससी)
- सुश्री साक्षी (एमएससी)

भूविज्ञान विभाग

भूविज्ञान - पृथ्वी और पर्यावरण का विज्ञान जो पृथ्वी और वायुमंडल की प्रक्रियाओं और उत्पादों से संबंधित है। यह अंतरिक्ष भूविज्ञान, चिकित्सा भूविज्ञान, शहरी भूविज्ञान और कृषि भूविज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपना विस्तार कर रहा है और लोगों के विज्ञान का दर्जा प्राप्त कर रहा है।
भूविज्ञानी इसका उत्तर ढूंढते हैं कि विभिन्न प्रकार की चट्टानें कैसे बनती हैं, वे विभिन्न खनिज भंडारों से संबंधित हैं, पृथ्वी लाखों वर्षों में विकसित हुई है, जीवन विकसित हुआ और विलुप्त हो गया, पानी पलायन कर गया, पहाड़ बने और नष्ट हो गए, भूकंप, बाढ़, सुनामी घटित हुआ, पृथ्वी का सूर्य तथा

अन्य ग्रहों के साथ संबंध, पृथ्वी की बाह्य तथा आंतरिक दोनों प्रकार की संरचना का निर्माण हुआ इत्यादि। भूविज्ञान विभाग रोजगार क्षमता बढ़ाने और छात्रों को अतिरिक्त कौशल प्रदान करने के लिए विभिन्न प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और घरेलू प्रशिक्षण प्रदान करता है। हमारे विभाग के छात्र शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं; सुश्री कस्तूर परिदा और श्री आकाश नायर ने भूविज्ञान में दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हैं और उन्हें क्रमशः सत्र 2020-21 और 2021-22 में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है। शैक्षणिक सत्र के दौरान सेमिनार/वेबिनार की एक श्रृंखला आयोजित की जाती है जिसमें छात्रों को राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के वैज्ञानिकों और संकाय के साथ बातचीत करने का मौका मिलता है। एनएमएचएस परियोजना के तहत विभाग ने उत्तराखंड के अल्मोडा जिले में सफलतापूर्वक एक जियो-साइट विकसित की है, जहां विभाग इस सत्र में हिमालयी भू-पर्यटन और भू-विरासत पर अंतर्राष्ट्रीय शीतकालीन स्कूल आयोजित करने की योजना बना रहा है। आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए निम्नलिखित अन्य पहल तैयार की गई हैं:

1) भूविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से प्रस्तावित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम हैं: रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, भूवैज्ञानिक जांच में सर्वेक्षण उपकरण, जल प्रबंधन, इसकी गुणवत्ता और शहरी क्षेत्रों में जल संसाधनों का टिकाऊ उपयोग, भूवैज्ञानिक अनुसंधान में उपयोग की जाने वाली उन्नत उपकरण तकनीक, प्रोग्रामिंग सॉफ्टवेयर (पायथन, आर, मैटलैब) और भूविज्ञान में इसका एकीकरण और संरचनात्मक भूविज्ञान में बुनियादी शिक्षण उपकरण (ब्रंटन कम्पास, जीपीएस और स्टीरियोग्राफिक प्रोजेक्शन)

2) विभाग ई-संग्रहालय के विकास के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करने की योजना बना रहा है

उपलब्ध सुविधाएं

विभाग के पास एक उन्नत प्रयोगशाला है जो दूरबीन पेट्रोलॉजिकल माइक्रोस्कोप, मोनोकुलर पेट्रोलॉजिकल माइक्रोस्कोप, अयस्क माइक्रोस्कोप, दूरबीन ज़ूम माइक्रोस्कोप, सरल जैविक माइक्रोस्कोप, डिजिटल कैमरा और प्रक्षेपण प्रणाली के साथ ट्रिनोकुलर माइक्रोस्कोप, लकड़ी के क्रिस्टल मॉडल, एडवांस जीपीएस ब्रंटन कम्पास, क्लिनोमीटर, भूवैज्ञानिक हथौड़े, प्लेन टेबल सर्वेक्षण उपकरण सेट, टेबल स्टीरियोस्कोप, दूरबीन स्टीरियोस्कोप, इमेजरी और हवाई फोटो-जोड़ी, पतले-खंड काटने और पॉलिशिंग प्रदान करती है। सहायक उपकरणों के साथ मशीनें, प्रतिरोधकता मीटर, स्पेक्ट्रोक्वांट एसक्यू मल्टी कलरमीटर, स्पेक्ट्रोक्वांट थर्मोरएक्टर, डीओ मीटर, टीडीएस मीटर, आदि। दुर्लभ खनिजों, जीवाश्मों और चट्टानों के विभिन्न प्रकार के नमूने प्रदर्शन पर हैं। विभाग इस शैक्षणिक सत्र में मौजूदा लैब को अपग्रेड करने और पेट्रोलॉजिकल लैब, वॉटर एनालिसिस लैब और रिमोट सेंसिंग लैब विकसित करने की योजना बना रहा है।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- डॉ. सरबरी नाग (एम.एससी., पीएचडी)
- डॉ. रवीश लाल (एम.एससी., पीएचडी) - **शिक्षक प्रभारी**
- सुश्री पूजा यादव (एम.एससी.)- **सोसायटी संयोजक -टेरे-एक्स**
- सुश्री लेइमीवोन जिमिक (एम.एससी. एमए)
- श्री अरुण कुमार (एम.एससी.)

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

सन **1989** में राम लाल आनंद महाविद्यालय में सूक्ष्मजीव विज्ञान पाठ्यक्रम शुरू हुआ, जिसमें जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति के कारण और संभावनाओं का दायरा बहुत विस्तृत है। सूक्ष्मजीव विज्ञान व्यापक अनुशासन है जिसका उपयोग चिकित्सा, फार्मेसी, डेयरी उद्योग, नैदानिक अनुसंधान, जल उद्योग, रासायनिक प्रौद्योगिकी और नैनो प्रौद्योगिकी जैसे कई क्षेत्रों में होता है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (**2019-21**) द्वारा विभाग को "स्टार महाविद्यालय योजना" के तहत वित्तीय सहायता के लिए वित्त पोषित किया गया है। इसके अतिरिक्त विभाग के पास आईसीएमआर, डीबीटी, आईसीएसएसआर द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं के लिए **1** करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त अनुदान भी प्राप्त है। सत्र **2020-21** में राज्य स्तर पर माइक्रोबायोलॉजिस्ट सोसायटी, इंडिया (एमएसआई) द्वारा विभाग को सर्वश्रेष्ठ विभाग का पुरस्कार मिला एवं प्रो. प्रेरणा दीवान को शैक्षणिक कार्य, पाठ्येतर, सह-पाठयक्रम और अनुसंधान गतिविधियों एवं समग्र महाविद्यालय प्रदर्शन के लिए शैक्षणिक सत्र **2021** का सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार भी प्रदान किया गया। स्नेह प्रिया, बीएससी (विशेष) सूक्ष्मजीव विज्ञान तृतीय वर्ष, को सत्र 2023-2024 के लिए सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग का एमएसआई सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार मिला। पिछले सत्र में 2 नए पीएचडी छात्र विभाग में शामिल हुए हैं। हमारे विभाग के छात्र शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

विभाग अपने छात्रों को **4** से **6** सप्ताह की ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्रदान करता है साथ ही अतिरिक्त-भित्ति अनुसंधान परियोजनाओं में भी छात्रों का नामांकन दर्ज करता है। विभाग समय-समय पर मानव स्वास्थ्य, मेटाजेनोमिक्स, ड्रग डिजाइन, बायोएथिक्स और आईपीआर, बायोस्टैटिस्टिक्स और पायथन जैसे वर्तमान अनुसंधान के क्षेत्रों में सेमिनार/कार्यशालाएं/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित करता है। विभाग द्वारा शैक्षणिक संस्थानों (**UDSC/NDRI/IARI/RCB**) और उद्योगों, संचालन/किण्वक/डाउनस्ट्रीम प्रसंस्करण (एनडीआरआई/जेएनयू) को जानने और देखने के लिए हर साल शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किये जाते हैं।

हाल ही में छात्रों, शिक्षकों के साथ-साथ प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए प्रतिदीप्ति माइक्रोस्कोपी, पीसीआर, एनारोबिक गैस पैक प्रणाली और बायोसैंपल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। विभाग ने ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और विज्ञान के अंतर्गत संस्थान (**THSTI**) और राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान (**NIPGR**) के साथ समझौता ज्ञापन स्थापित किया है जिसके माध्यम से प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा रोचक सत्र और व्याख्यान की व्यवस्था की जाती है। विभाग ने छात्रों और संकाय को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में सस्टेनेबल ट्रस्ट ऑफ इंडिया (एसआईटी) के साथ एक नए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा परिकल्पित सतत विकास को पूरा करता है।

विभाग द्वारा इस शैक्षणिक सत्र के लिए निम्नलिखित दो नई गतिविधियों की योजना बनाई गई है।

1. विज्ञान केन्द्रित ई-न्यूज़लेटर/ई-पत्रिका (द्विवार्षिक) का संकलन एवं प्रकाशन। छात्रों द्वारा संपादित (सलाहकार की भूमिका में कर्मचारी)

2. सर्वेक्षण-आधारित/सामुदायिक स्वास्थ्य की योजना बनाने और उसका संचालन करने पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम, परियोजना।

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में जबरदस्त संभावनाएं हैं और इसका भविष्य बहुत उज्ज्वल है। छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय, आईआईएसईआर, आईआईटी और अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित संस्थान से एम.एससी. कर सकते हैं साथ ही एकीकृत एम. एससी. और सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं संबंधित विषयों में पीएचडी भी कर सकते हैं। ये छात्र विविध प्रकार के शोध और गैर-शोध क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य सेवा संगठन, पर्यावरण संगठन,खाद्य, पेय पदार्थ, फार्मास्युटिकल, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता, जल और जैव प्रौद्योगिकी कंपनियों, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाएं, सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित अनुसंधान जैसे उद्योग संगठन, उच्च शिक्षा संस्थान आदि में अपना करियर बना सकते हैं।

उपलब्ध सुविधाएँ

विभाग में स्मार्ट बोर्ड, अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के साथ आईटी-सक्षम कक्षाएँ, इंस्ट्रुमेंटेशन रूम, मीडिया रूम और आटोक्लेव और इनक्यूबेशन रूम हैं। विभाग में यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोमीटर, जेल-डॉक, एलिसा, रीडर, और फ़र्मेंटर और सोनिकेटर जैसे सभी बुनियादी और उन्नत उपकरण हैं जो छात्रों को बुनियादी व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। विभाग ने अब तक **9** नवाचार अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की हैं और वर्तमान में दो अनुसंधान परियोजनायें चल रही हैं। विभाग ने हाल ही में जैव सूचना विज्ञान के लिए डॉकिंग सॉफ्टवेयर खरीदा है। साथ ही अभी हाल ही में बीएसएल-**2** सुविधा के साथ एक नई अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित की गई है।

Bench Top Fermenter and Sonicator

विभाग के सदस्य शिक्षक

- डॉ. सुधा चौधरी (एम.एससी., पीएचडी)
- प्रो. राकेश कुमार गुप्ता (एम.एससी., पीएचडी) - **प्राचार्य, राम लाल आनंद महाविद्यालय**
- प्रो. प्रेरणा दीवान (एम.एससी., पीएचडी)
- प्रो. वंदना गुप्ता (एम.एससी., पीएचडी)
- डॉ. एम. सैलोम जॉन (एम.एससी., पीएचडी)- **शिक्षक प्रभारी**
- डॉ. सुनीला हुड्डा (एम.एससी., पीएचडी)- **सोसायटी संयोजक, माइक्रोबायोलॉजिका**
- डॉ. निधि एस. चंद्रा (एम.एससी., पीएचडी)
- डॉ. शालिनी स्वामी (एम.एससी., पीएचडी)
- डॉ. निधि वर्मा (एम.एससी., पीएचडी)

सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी विभाग में डेटा का संग्रह, प्रस्तुति, विश्लेषण और व्याख्या शामिल है। उद्योग, वाणिज्य, व्यापार, भौतिकी, रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, जीव विज्ञान, मनोविज्ञान, खगोल विज्ञान आदि जैसे ज्ञान के लगभग सभी क्षेत्रों में इसका व्यापक अनुप्रयोग है। यहां का पाठ्यक्रम विशिष्ट सांख्यिकी पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विज्ञान, अनुसंधान और उद्योग में उपयोग की जाने वाली विधियाँ एवं सांख्यिकी का व्यापक अनुप्रयोग प्रदान करता है। इसके अलावा छात्रों को एसपीएसएस जैसे सॉफ्टवेयर पैकेज और आर में प्रोग्रामिंग की भी अनुमति को एक्सपोज़र दिया जाता है। साथ ही सामान्य ऐच्छिक के रूप में अन्य विषयों से पेपर चुनने की भी अनुमति देता है।

सांख्यिकी में छात्र किसी भी प्रमुख संस्थानों से जैसे डीयू, आईएएसआरआई, आईएसआई, आईआईटी आदि से स्नातक की डिग्री के साथ ऑपरेशन रिसर्च में पीजी, एप्लाइड ऑपरेशन रिसर्च, एमसीए, एमएफई, एमएफसी और एमबीए आदि में उच्च अध्ययन के लिए जा सकता है। इसके अलावा छात्र डेटा वैज्ञानिक, शिक्षाविद् बनने के साथ बायोस्टैटिस्टिशियन, सामग्री और वित्तीय विश्लेषक, और एक्चुअरी और सरकारी क्षेत्र में जा सकते हैं और इसके माध्यम से भारतीय सांख्यिकी/आर्थिक सेवाओं और सांख्यिकी अन्वेषकों से भी जुड़ सकते हैं। विभाग ने सीखने-सिखाने को और अधिक बेहतर बनाने के लिए इंटरैक्टिव लाइव प्रसारण सुविधाओं के साथ आईटी को भी सक्षम किया है साथ ही कंप्यूटर पर **Benq**-आधारित **75"** स्मार्टबोर्ड का उपयोग भी शुरू किया है। विभाग हमारे लिए उपलब्ध कराई गई अन्य कक्षाओं में प्रौद्योगिकी को लागू करने की योजना भी बना रहा है साथ ही कुछ अन्य विभागों के साथ इसकी उपयोगिता का आकलन कर रहा है।

विभाग द्वारा छात्रों के लिए समय- समय पर सांख्यिकी के क्षेत्र में काम करने वाले विशेषज्ञों के साथ बातचीत सत्र (ऑनलाइन/ऑफ़लाइन) सहित कई कार्यक्रम और औद्योगिक दौरे आयोजित किये जाते हैं। छात्रों के लिए कौशल विकास, पायथन प्रोग्रामिंग, मशीन लर्निंग, एक्सेल और टेबलो में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए गए हैं। विभाग छात्रों को सामुदायिक परियोजनाओं में शामिल करने के साथ- साथ लघु अवधि की ग्रीष्मकालीन अनुसंधान परियोजनाएँ भी कर रहा है।

उपलब्ध सुविधाएँ

विभाग में पूरी तरह से अत्याधुनिक वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशाला है जो क्यूओएस के साथ **10** गीगाबाइट नेटवर्क इंटरनेट सुविधा के साथ **38** डेस्कटॉप मशीनों के साथ स्विच करता है। छात्रों को व्यक्तिगत रूप से कंप्यूटर आवश्यक गणितीय कंप्यूटर सांख्यिकीय सारणी के साथ व्यावहारिक सत्र के दौरान कंप्यूटर लैब में आवंटित किया जाता है। सांख्यिकी प्रयोगशाला **85** कैलकुलेटरों से सुसज्जित है जिनमें से **15** की जाँच की जा चुकी है, सही (नागरिक सीटी - **600**) और शेष **70** वैज्ञानिक कैलकुलेटर हैं (कैसियो एफएक्स **100**डब्ल्यू, कैसियो एफएक्स **991**ईएस और कैसियो एफएक्स **991**ईएस प्लस)।

10वीं पीढ़ी के इंटेल प्रोसेसर के साथ कुशल लघु फॉर्म फैक्टर विंडोज सक्षम पीसी बोर्ड पर एसएसडी और वाई-फाई से विभाग को नई ऊर्जा मिली है।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- प्रो. सीमा गुप्ता (एम.ए., एम.फिल, पीएचडी)
- प्रो. मुक्ता दत्ता मजूमदार (एम.एससी., एम.फिल, पीएचडी)
- डॉ. राजेश सचदेव (एम.एससी., एम.फिल, पीएचडी)
- सुश्री सीमा जोशी (एम.ए., एम.फिल)
- प्रो. नीना मितल (एम.ए., एम.फिल, पीएचडी)

- डॉ. रीता जैन (एम.ए., एम.फिल, पीएचडी)- **शिक्षक प्रभारी**
- डॉ. अनुराग शर्मा (एम.एससी. एमफिल, पीएचडी) -**सोसायटी संयोजक-पैनेशिया**
- डॉ. कुलदीप सिंह चौहान (एम.एससी., एम.फिल, पीएचडी)
- श्री भुक्या राजेंद्र (एम.एससी.)

गणित विभाग

गणित विभाग छात्रों के गणितीय कौशल को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। विभाग में आवश्यक गणितीय सॉफ्टवेयर के साथ कंप्यूटर प्रयोगशाला (मैथेमेटिका, लाटेक्स, मैटलैब आदि) अच्छी तरह से स्थापित है साथ ही यह समर्पित आईटी-सक्षम कमरों से सुसज्जित भी है। विभाग छात्रों के लिए पाठ्यक्रम के साथ-साथ अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक कौशल विकसित करने के लिए यात्राएँ भी कराता है। इसके साथ शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों को उच्च अध्ययन के लिए मार्गदर्शन हेतु परामर्श देना इसका एक सक्रिय हिस्सा है। विभाग ने वर्तमान सत्र में छात्रों के लिए गणितीय सॉफ्टवेयर के लिए कौशल विकास पर एक सर्टिफिकेट कोर्स की योजना भी बनाई है। असल में यह पाठ्यक्रम तार्किक प्रवचन के लिए, और यह वर्णन और समझने के लिए अद्वितीय दृष्टिकोण भी प्रदान करता है जो गणित की दोहरी प्रकृति है: यह एक विज्ञान और सोचने का तरीका है, इसकी भाषा भी डिज़ाइन की गई है।

आज सरकारी डोमेन और इंडस्ट्री के साथ-साथ दुनिया भर में गणित की मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। सिद्धांत, संचालन प्रबंधन, बीमांकिक विज्ञान, अनुसंधान और विकास, मौसम विश्लेषण, सुरक्षा कोडर, बिग डेटा विश्लेषण, एनालिटिक्स, गेमिंग के लिए आज गणितज्ञों की आवश्यकता है। छात्र गणित (विशेष) करने के बाद रक्षा क्षेत्र (डीआरडीओ), बीमा क्षेत्र (बीमांकिक विज्ञान), सरकारी क्षेत्र (एसएससी, यूपीएससी, रॉ आदि), बैंकिंग क्षेत्र, और निश्चित रूप से शिक्षाविदों और शिक्षण में भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- श्री बसंत मिश्रा (एम.एससी, एम.फिल.)
- डॉ. संदीप भट्ट (एम.एससी. पीएचडी)- **शिक्षक प्रभारी**
- सुश्री प्रतिमा नेगी (एम.एससी, एमफिल)- **सोसायटी संयोजक-इनफिनिटी**
- सुश्री मेघना (एम.एससी)
- डॉ. पवन कुमार (एम.एससी, पीएचडी)
- श्री अंकित कुमार (एम.एससी, एम.फिल)
- श्री बृजेन्द्र यादव (एम.एससी, एम.फिल)
- श्री हेमंत भारद्वाज (एम.एससी)

प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बी एम एस)

यह कार्यक्रम छात्रों को आवश्यक ज्ञान और कौशल प्राप्त करने के साथ- साथ विभिन्न संगठनों में प्रबंधन पद, संगठन कैसे कार्य और प्रबंधन करते हैं उसे समझने में मदद करता है।

दायरा और अवसर

यह कार्यक्रम व्यवसाय का अच्छा पेशेवर ज्ञान प्रदान करता है साथ ही वैश्विक बाज़ार की चुनौतियों और कठिनाइयों पर स्नातक छात्रों को प्रबंधक बनने में सक्षम भविष्य की ओर अग्रसर करता है और इसका लक्ष्य विकास करना है। छात्र इस कार्यक्रम को करने के बाद उच्च शिक्षा जैसे एमबीए और सीए, सीएस, सीएमए, एलएलबी जैसे अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम में भी प्रवेश ले सकते हैं और इच्छुक लोग विपणन, वित्त और बैंकिंग से संबंधित नौकरियों के लिए आवेदन कर सकते हैं या आगे बढ़ सकते हैं।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- डॉ. दीप्ति गुप्ता (बी.ई., एम.बी.ए., पीएचडी)
- श्री सिद्धार्थ गुप्ता (बी.टेक, एमबीए)
- सुश्री रियांका जैन (बी.एससी. एमबीए) -**शिक्षक प्रभारी**
- सुश्री सृजना सिंह (एम.कॉम, एमफिल) - **सोसायटी संयोजक -मार्ग**
- डॉ. कीर्ति पुनिया (एम.कॉम, एमबीए, पीएचडी)
- डॉ. अनुभा (एम.कॉम, एमबीए, पीएचडी)

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पर्यावरण विभाग में युवा और ऊर्जावान संकाय सदस्य है जो प्रथम या द्वितीय वर्ष के सभी छात्रों के लिए संवर्धन अनिवार्य पाठ्यक्रम (एईसीसी) पढ़ाते हैं। यह पाठ्यक्रम वैश्विक मंच पर पर्यावरण लक्ष्य और हमारे पर्यावरण और उसके प्रतिनिधित्व के बारे में जागरूकता प्रदान करता है। छात्रों को इसके माध्यम से पर्यावरण की व्यवहारिक समझ और उन्नत शिक्षा के लिए जैव विविधता पार्क की जानकारी प्रदान की जाती है। छात्रों को पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के लिए एक सर्टिफिकेट कोर्स भी प्रदान किया जाता है। विभाग का यह प्रयास भी है कि छात्रों की मॉनिटरिंग करते हुए उनका व्याख्यात्मक कौशल विकसित हो और महाविद्यालय में एक नवीन शिक्षण वातावरण तैयार हो।

आज पूरी दुनिया में लोगों को प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। यह पाठ्यक्रम इन सभी पर्यावरण संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों को हमारी समझ के लिए प्रासंगिक बनाता है। विभाग द्वारा छात्रों के लिए "पर्यावरणीय मुद्दों के समाधान के लिए व्यवहार्य वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों की खोज" शीर्षक से एक ऐड-ऑन सर्टिफिकेट कोर्स भी प्रदान करता है।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- डॉ. स्वागता करमाकर (एमएससी, पीएचडी) -**सोसायटी संयोजक**
- डॉ. वीरेंद्र बहादुर सिंह (एमएससी, पीएचडी) -**शिक्षक प्रभारी**

शारीरिक शिक्षा विभाग

शारीरिक शिक्षा व्यापक शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न अंग है इससे शिक्षा का अंतिम उद्देश्य अर्थात सर्वांगीण विकास की प्राप्ति में सहायता मिलती है। शारीरिक शिक्षा विभाग "सभी के लिए खेल" की अवधारणा के तहत पूरे वर्ष भर छात्रों के लिए अंतर-विभागीय टूर्नामेंट के साथ-साथ कर्मचारियों (शिक्षण और गैर-शिक्षण) के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन करता है। विभाग द्वारा विभिन्न खेलों के लिए ट्रायल अधिसूचित किए जाते हैं और निम्नलिखित खेलों में विभिन्न टीमों के लिए चयन किया जाता है:

क्रम संख्या	खेल	पुरुष/महिला
1	एथलेटिक्स	पुरुष और महिला
2	क्रिकेट	पुरुष
3	शतरंज	पुरुष और महिला
4	फुटबॉल	पुरुष और महिला
5	हॉकी	महिलाएं
6	जूडो	पुरुष और महिला
7	कबड्डी	पुरुष
8	खो-खो	पुरुष और महिला

9	टेबल टेनिस	पुरुष और महिला
10	ताइक्वांडो	पुरुष और महिला
11	वॉलीबॉल	पुरुष और महिला

विभिन्न खेलों में महाविद्यालय द्वारा छात्रों की सुविधा और प्रोत्साहन के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं। साथ ही उन्हें नियमित रूप से खेल किट, कोचिंग और प्रशिक्षण के साथ- साथ जलपान आदि सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नकद प्रोत्साहन राशि, खिलाड़ियों को महाविद्यालय के बाहर विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए पंजीकरण शुल्क एवं शुल्क माफी के रूप में वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है। विभाग नियमित रूप से छात्रों और कर्मचारियों की जागरूकता के लिए लिए बॉडी मास इंडेक्स, बॉडी फैट जैसे स्वस्थ शारीरिक मापदंडो के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर भी आयोजित करता है। विभाग द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर में ई-स्वास्थ्य रजिस्टर के माध्यम से छात्रों के स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी की जाती है और रिकॉर्ड दर्ज किया जाता है।

विभाग के सदस्य शिक्षक

- प्रो. प्रदीप कुमार शर्मा (एम.पी.एड, पीएचडी) - **सोसायटी संयोजक**
- डॉ. विशाल गोस्वामी (एम.पी.एड, पीएचडी) - **शिक्षक प्रभारी**

सत्र 2024-25 के लिए खेल कोटा प्रवेश*

क्र.सं.	**खेल/खेल कोटे में सीटें**	**खेल कोटे में सीटें**
1.	वॉलीबॉल (पुरुष) 04 (चार)	04 (चार)
2.	जूडो (पुरुष) 02 (दो)	02 (दो)
3.	जूडो (महिला) 02 (दो)	02 (दो)
4.	खो-खो (पुरुष) 05 (पांच)	05 (पांच)
5.	क्रिकेट (पुरुष) 02 (दो)	02 (दो)
6.	हॉकी (महिला) 12 (बारह)	12 (बारह)
कुल		**27 (सत्ताईस)**

• खेल कोटे के तहत प्रवेश सख्ती से दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों, परीक्षणों और पात्रता मानदंडों के अनुसार किया जाता है।

प्रवेश 2024-25

- प्रवेश चाहने वालों को सलाह दी जाती है कि वे प्रवेश के बारे में अपडेट के लिए नियमित रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट **http://www.du.ac.in** देखें। प्रवेश बुलेटिन निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध है:
  - https://rlacollege.edu.in/admissions.php#Admission **24-25**
    - https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/28022024_BOI-UG-2024-25_compressed-o.pdf
    - https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/29052024_CSAS-UG_compressed.pdf
- राम लाल आनंद महाविद्यालय में किसी भी कोर्स में प्रवेश दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एक उचित प्रक्रिया के माध्यम से होता है। इसे डीयू की वेबसाइट पर देखा जा सकता है; यह सूचना बुलेटिन के रूप में उपलब्ध है। राम लाल आनंद महाविद्यालय में प्रवेश लेने की प्रक्रिया सी यू ई टी पोर्टल पर पंजीकरण के साथ किसी भी पात्र छात्र के लिए शुरू होती है। पात्र आवेदक फिर अखिल भारतीय स्तर की सी यू ई टी परीक्षा देते हैं। सी यू ई टी परिणाम के आधार पर आवेदकों को दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश पोर्टल पर आवेदन करके अगली प्रक्रिया का पालन करना होता है। इसके बाद, जब दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश खुलते हैं, तो सीटों की उपलब्धता और सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करने के अनुसार आवेदक राम लाल आनंद महाविद्यालय में प्रवेश ले सकता है।
- ऑनलाइन प्रवेश की अनुसूची दिल्ली विश्वविद्यालय अधिसूचना https://admission.uod.ac.in/ के अनुसार होगी।

प्रवेश समिति

प्रत्येक आवेदक संबद्ध विभिन्न कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश चाहता है उसे दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रत्येक प्रवेश मानदंड को पूरा करने में अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी जिससे वह अपना प्रवेश सुरक्षित करने में सक्षम हो सके। प्रत्येक महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया को सुचारू बनायें जाने के लिए एक प्रवेश समिति का गठन किया गया है। यह प्रवेश समिति विश्वविद्यालय आदेशानुसार शैक्षणिक सत्र **2024- 2025** के लिए कार्य करेगी। आवेदक अपने विशिष्ट प्रश्नों/ शिकायतों के लिए नीचे उल्लिखित संकाय सदस्यों से संपर्क कर सकते हैं:

नाम	पद	संपर्क नंबर
डॉ. नूपुर साबू, वाणिज्य विभाग	प्रवेश संयोजक (संपूर्ण) एवं नोडल अधिकारी (प्रवेश)	9999151995
सुश्री दीक्षा सपरा, कंप्यूटर विज्ञान विभाग	प्रवेश सह- संयोजक (संपूर्ण)	9899958820
	प्रवेश शिकायत समिति	
प्रो. वंदना गुप्ता, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग	संयोजक	7838004880
डॉ. सीमा जोशी	सह- संयोजक	9868814825
डॉ. दीप्ति भारद्वाज	सदस्य	9212132420
डॉ. क्षमा शर्मा	सदस्य	9891400988
डॉ. स्वागता करमाकर	सदस्य	9910479037
	प्रवेश शिकायत समिति - एससी / एसटी / ओबीसी	
प्रो. राजीव कुमार, इतिहास विभाग	संयोजक	9911273797
डॉ. वीरेंद्र बहादुर सिंह	सह - संयोजक	9999310454
डॉ. सुरेन्द्र कुमार	सदस्य	9711458795
	सहायता केंद्र समिति	
प्रो. नीना मितल, सांख्यिकी विभाग	संयोजक	9873229919
डॉ. रितु वत्स	सह-संयोजक	9311165222
श्री बसंत मिश्रा	सदस्य	9810331830
श्री सिद्धार्थ गुप्ता	सदस्य	9818340516
सुश्री साक्षी तारेश खन्ना	सदस्य	9953245840

डॉ. सुनयना शर्मा	सदस्य	8130282605
सहायता केंद्र समिति (प्रवेश) एससी/ एसटी/ ओबीसी/ ई डब्लू एस		
डॉ. पवन कुमार, गणित विभाग	संयोजक	9717425071
डॉ. कीर्ति पुनिया	सह-संयोजक	9462920444
श्री अरुण कुमार (भूविज्ञान विभाग)	सदस्य	8094296758
श्री भुक्या राजेंद्र	सदस्य	7801047357
प्रवेश परामर्श समिति		
डॉ. उर्वशी कुहाड़, अंग्रेजी विभाग	संयोजक	9650530691
डॉ. दीप्ति गुप्ता	सह-संयोजक	7508280162
प्रो. नीलम ऋषिकल्प	सदस्य	9810672284
प्रो. नरेंद्र पांडे	सदस्य	9810119138
प्रो. प्रेरणा दीवान	सदस्य	9871290711
प्रो. संजय कुमार शर्मा	सदस्य	9868411540
प्रो. सुधा चौधरी	सदस्य	8826140506
प्रो. सीमा गुप्ता	सदस्य	9891664133
डॉ. राजेश सचदेव	सदस्य	9911824474
डॉ. अरविंद	सदस्य	9650934370
श्री ताहा यासीन	सदस्य	9711115081
प्रो. राकेश कुमार (इतिहास)	सदस्य	9810281549
प्रो. अर्चना गौर	सदस्य	9811562434
डॉ. त्रिरंजन राज	सदस्य	8448935964
प्रो. राकेश कुमार (हिंदी)	सदस्य	9899686959
डॉ. देबाश्री दास	सदस्य	9971271373
सुश्री दीपशिखा कुमारी	सदस्य	9971309444
डॉ. अलंकार	सदस्य	9971633597
सुश्री प्रज्ञा देशमुख	सदस्य	9911220346
श्री विकास कुमार	सदस्य	9210343927
डॉ. शची मीना	सदस्य	8527818389

डॉ. सरबरी नाग	सदस्य	9818039300
डॉ. नरेंद्र कुमार	सदस्य	8826462607
श्री कप्तान	सदस्य	9873661532
डॉ. सोमा पटनायक	सदस्य	9868329719
श्री कृष्ण कुमार	सदस्य	8930552102

विभागीय प्रवेश समिति - संयोजक			
डॉ. कमल के. राउल	अंग्रेजी	डॉ. रीता जैन	सांख्यिकी
प्रो. श्रुति आनंद	हिन्दी	सुश्री शिखा वर्मा	कंप्यूटर विज्ञान
डॉ. प्रीति देवी	व्यापार-वाणिज्य	डॉ. रवीश लाल	भूविज्ञान
डॉ. विजय भाटिया	राजनीति विज्ञान	सुश्री मनीषा वाधवा	बीए प्रोग्राम
डॉ. के.जी. त्यागी	इतिहास	डॉ. संदीप भट्ट	गणित
डॉ. सलोमी जॉन	सूक्ष्मजीव विज्ञान	सुश्री रियांका जैन	प्रबंधन अध्ययन

ई सी ए प्रवेश समिति		खेल प्रवेश समिति	
प्रो. मुक्ता दत्ता मजूमदार	संयोजक	डॉ. विशाल गोस्वामी	संयोजक
डॉ. शालिनी स्वामी	सह-संयोजक	प्रो. प्रदीप के. शर्मा	सह-संयोजक
डॉ. नीरज कुमार शर्मा	स्टाफ कौंसिल नामांकित	डॉ. वंदना गंडोत्रा	स्टाफ कौंसिल नामांकित

कार्यक्रम अनुसार सीट प्रणाली (2024-25)

स्नातक कार्यक्रम

क्रम संख्या	कार्यक्रम	कुल सीट	सामान्य	एससी	एसटी	ओबीसी	ई डब्ल्यू एस
1	बीए प्रोग्राम (अनुशासन संयोजन)	97	39	15	7	26	10
	इतिहास /राजनीति विज्ञान	47	19	7	3	13	5
	कंप्यूटर अनुप्रयोग / अर्थशास्त्र	25	10	4	2	7	2
	अर्थशास्त्र / गणित	25	10	4	2	6	3
2	बीए (विशेष) अंग्रेजी	78	31	12	6	21	8
3	बीए (विशेष) हिंदी	78	31	12	6	21	8
4	बीए (विशेष) इतिहास	78	31	12	6	21	8
5	बीए (विशेष) राजनीति विज्ञान	78	31	12	6	21	8
6	बीए (विशेष) हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार	26	10	4	2	7	3
7	बीकॉम. प्रोग्राम	97	39	15	7	26	10
8	बीकॉम (विशेष)	78	31	12	6	21	8
9	बी एस सी (विशेष) कंप्यूटर विज्ञान	40	16	6	3	11	4
10	बी एस सी (विशेष) भूविज्ञान	40	16	6	3	11	4
11	बी एस सी (विशेष) सूक्ष्मजीव विज्ञान	40	16	6	3	11	4

12	बी एस सी (विशेष) सांख्यिकी	40	16	6	3	11	4
13	बी एस सी (विशेष) गणित	58	23	9	4	16	6
14	प्रबंधन स्नातक अध्ययन (बीएम एस)	58	23	9	4	16	6
	कुल	886	353	136	66	240	91

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क्रम संख्या	कार्यक्रम	कुल सीट
1	एम ए हिन्दी	6

वार्षिक शुल्क संरचना (2024-25)

प्रथम वर्ष (2024-25) के स्नातक छात्रों के लिए कार्यक्रमवार शुल्क

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	कुल शुल्क		
		सामान्य/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/केएम/सीडब्ल्यू	एससी/एसटी	पीडब्लूडी
1	बीए (विशेष) हिंदी	16670	16485	95
2	बीए (विशेष) अंग्रेजी	16670	16485	95
3	बीए (विशेष) इतिहास	16670	16485	95
4	बीए (विशेष) राजनीति विज्ञान	16670	16485	95
5	बीए (प्रोग्राम)- (इतिहास+राजनीति)	16670	16485	95
6	बीए (प्रोग्राम)- (अर्थशास्त्र+गणित)/(अर्थशास्त्र+कंप्युटर)	18570	18385	95
7	बीए (विशेष) हिंदी पत्रकारिता	38270	38085	95
8	बीकॉम. (प्रोग्राम)	21470	21285	95
9	बीकॉम. (विशेष)	21470	21285	95
10	बीएससी (विशेष) कंप्यूटर विज्ञान	72530	72345	95
11	बीएससी (विशेष) सूक्ष्मजीव विज्ञान	22670	22485	95
12	बीएससी (विशेष) सांख्यिकी	22670	22485	95
13	बीएससी (विशेष) गणित	22670	22485	95
14	बीएससी (विशेष) भूविज्ञान	30470	30285	95
15	प्रबंधन स्नातक अध्ययन (बीएमएस)	33200	33015	95

एम.ए. (पूर्ववर्ती) के लिए कार्यक्रमवार शुल्क (2024-25)

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	सामान्य/ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/केएम/सीडब्ल्यू	एससी/एसटी	पीडब्लूडी
1	एम.ए. हिंदी (पूर्वार्द्ध)	17780	17535	4445

कृपया ध्यान दें:

- आगामी शैक्षणिक सत्र में शुल्क में 10 प्रतिशत या उससे अधिक की बढ़ोतरी हो सकती है।
- क्षेत्र यात्रा का खर्च संबंधित छात्र द्वारा वहन किया जाएगा।
- दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले **विदेशी छात्रों** को महाविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त उपरोक्त वार्षिक शुल्क का भुगतान करना होगा। विदेशी छात्रों को मांगने पर उन्हें विदेशी छात्र रजिस्ट्री कार्यालय से संपर्क करना होगा साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कृपया www.du.ac.in पर देखें।
- निकासी पर प्रवेश शुल्क वापसी नीति- स्नातक प्रवेश के लिए शुल्क वापसी नीति पर महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश नियम का अनुसरण करता है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया विश्विद्यालय का स्नातक प्रवेश बुलेटिन पढ़ें।

महत्वपूर्ण समितियाँ

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

महाविद्यालय में गुणवत्ता चेतना की गति को बनाये रखने के लिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) का गठन किया गया। इसके माध्यम से महाविद्यालय स्तर पर गुणवत्ता वृद्धि संस्कृति को सुनिश्चित किया जाता है। यह आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली उपयुक्त संरचना और प्रक्रियाओं के साथ अपने हितधारकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थापित है। आइक्यूएसी महाविद्यालय की आश्वासन (क्यूए) और गुणवत्ता संवर्धन (क्युई) गतिविधियों, गुणवत्ता की योजना बनाने, मार्गदर्शन करने और निगरानी करने के लिए है। यह महाविद्यालय में अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में प्रयासों और उपायों के चैनल को व्यवस्थित करने का काम करती है। इसमें विभिन्न गुणवत्ता बेंचमार्क / मापदंडों के विकास भी शामिल है जिससे महाविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ शिक्षार्थी- केंद्रित बनती हैं और शिक्षा के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार होता है। आइक्यूएसी में महाविद्यालय और बाहरी विशेषज्ञ को मिलाकर वरिष्ठ सहित 16 सदस्य हैं।

- **अध्यक्ष**: प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, प्राचार्य
- **समन्वयक**: प्रो. प्रेरणा दीवान, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

बाहरी विशेषज्ञ

- श्री संतोष कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक, कंपनी सचिव संस्थान, नई दिल्ली (पूर्व छात्र, राम लाल आनंद महाविद्यालय)
- श्री अभिलाष चक्रवर्ती, एंजेल निवेशक, इन्फ्लेक्शन पॉइंट वेंचर्स (पूर्व छात्र, राम लाल आनंद महाविद्यालय)

संस्थागत शैक्षणिक अखंडता पैनल

यूजीसी की सिफारिशों के अनुसार अनुसंधान के जिम्मेदार आचरण को बनाए रखने एवं बढ़ावा देने तथा संस्थागत स्तर पर अकादमिक अखंडता एवं अकादमिक लेखन में छात्रों, संकाय, शोधकर्ता और कर्मचारियों के बीच साहित्यिक चोरी सहित कदाचार की रोकथाम के लिए इस समिति का गठन किया गया है। महाविद्यालय के पास URKUND सॉफ्टवेयर है जो केंद्रीय पुस्तकालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में शोध पत्रों सहित किसी भी दस्तावेज की जाँच करने के लिए एवं संकाय, कर्मचारी और छात्रों द्वारा पुस्तक प्रकाशन, लेख, अध्याय प्रकाशन तथा साहित्यिक चोरी की जाँच करने के लिए है।

- **अध्यक्ष:** प्रो. नीना मित्तल, सांख्यिकी विभाग

संस्थागत नैतिकता समिति

महाविद्यालय में सात सदस्यीय संस्थागत नैतिकता समिति है जो नैतिकता का ख्याल रखती है साथ ही विभिन्न फंडिंग एजेंसियों से अनुदान के लिए प्रस्तुत अनुसंधान प्रस्तावों का अनुपालन करती है।

- **अध्यक्ष**: प्रो. जे.एस. विरदी, पूर्व विभाग प्रमुख, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
- **सदस्य सचिव**: प्रो. वंदना गुप्ता, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, राम लाल आनंद महाविद्यालय

अनुसंधान और आईपीआर सेल

महाविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 2017 में इसका गठन किया गया था। यह लगातार विभिन्न फंडिंग एजेंसियों और मंत्रालयों के बारे में जानकारी प्रसारित करता है जो विविध विषयों के शोधकर्ताओं के लिए धन प्रदान करते हैं। यह सेल संकाय सदस्यों को अपनी रुचि के क्षेत्रों में आगामी कार्यशालाओं, सेमिनार, एफडीपी और कॉफ्रेंस आदि के बारे में ईमेल से अद्यतन करता है। महाविद्यालय संकाय और छात्रों दोनों को चयनित अनुसंधान प्रस्तावों के लिए अनुसंधान अनुदान/ निधि भी प्रदान करता है साथ ही संकाय सदस्यों और छात्रों के शोध की सहायता के लिए कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

समन्वयक - प्रो. वंदना गुप्ता, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग

इनेक्ट्स, उद्यमिता और प्रौद्योगिकी विकास और संस्थागत नवाचार परिषद

इनेक्ट्स; राम लाल आनंद महाविद्यालय उन छात्रों का एक समूह है जो हमारे समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए उद्यमिता परियोजनाओं और सामाजिक सरोकार के प्रति समर्पित हैं। महाविद्यालय प्रशासन के समर्थन और एक्ट्स की बड़ी छत्रछाया के साथ हम अपनी दिशा में काम करते हैं जिससे उचित संरचनात्मक तरीके से लक्ष्य निर्धारित कर सके ताकि अंत में स्थिरता प्राप्त की जा सके। अक्टूबर 2017 में स्थापना के बाद एक्ट्स ने कुल मिलाकर प्रोजेक्ट वृद्धि से लेकर हमारे नवीनतम प्रोजेक्ट बँटवाल तक ऐसी परियोजनायें लाने की कोशिश की है जिससे समाज को लाभ हो।

संयोजक (इनेक्ट्स) एवं नोडल अधिकारी (संस्थागत नवाचार परिषद) - डॉ. राजीव वशिष्ठ, वाणिज्य विभाग

उत्कृष्टता केंद्र

आपदा प्रबंधन में शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र

प्राकृतिक आपदाओं के प्रति जागरूकता और शमन योजना के महत्व को समझने और मानव में इसके प्रति जागरूकता के लिए एक विशेष केंद्र आपदा प्रबंधन स्थापित किया गया है जिसमें हमारे पूर्व जीबी सदस्य श्री पी. पी. श्रीवास्तव के पास एक प्रशासक के साथ- साथ शोधकर्ता के रूप में इस क्षेत्र में

व्यापक अनुभव है। केंद्र समय- समय पर सेमिनार और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है और यह प्रस्ताव भी देता है कि जल्दी ही एक सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जाएगा।

समन्वयक: सुश्री लेइमिवोन ज़िमिक, भूविज्ञान विभाग

मानव मूल्यों, जीवन कौशल और नैतिकता केंद्र

केंद्र विद्यार्थियों के लिए मानवीय मूल्यों, जीवन कौशल और नैतिकता संबंधी विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, कार्यशालाएं आयोजित करता है एवं फ़िल्म और डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग के साथ- साथ पालन- पोषण के लिए अनाथालयों और वृद्धाश्रमों का दौरा भी किया जाता है। यूजीसीएफ के तहत विभिन्न कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एईसी) और मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (वीएसी) केंद्र के समन्वय से संचालित किए जाते हैं।

समन्वयक: डॉ. रीता जैन, सांख्यिकी विभाग
सह- समन्वयक: कैप्टन प्रो. संजय कुमार शर्मा, हिंदी विभाग

मीडिया प्रस्तुति केंद्र

महाविद्यालय में कला कैमरे, माइक्रोफोन, मिक्सर और रिकॉर्डिंग उपकरण से संबंधित अत्याधुनिक ऑडियो- वीडियो सक्षम मीडिया प्रस्तुति केंद्र है। केंद्र मास मीडिया के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण और ई-सामग्री के अलावा व्यवहारिक शिक्षा भी प्रदान करता है। महाविद्यालय ने हाल ही में 90.0 एफएम आवृत्ति पर सामुदायिक रेडियो स्टेशन के रूप में एक अनूठा उद्यम शुरू किया है जिसे रेडियो तरंग के नाम से जाना जाता है। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी भी महाविद्यालय का पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन है।

समन्वयक: प्रो. राकेश कुमार, हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
प्रस्तुति सहायक: सुश्री फरदीन सुल्तान

छात्रों के लिए कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

हाल के वर्षों में महाविद्यालय ने निम्नलिखित पाठ्यक्रम पेश किए हैं:

क्र. सं.	सर्टिफिकेट कोर्स और डिप्लोमा
1	एक्सेल का उपयोग करके उन्नत एक्सेल और डेटा विश्लेषण
2	जैविक विज्ञान के लिए बुनियादी सांख्यिकी
3	दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग के सहयोग से चीनी भाषा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
4	दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग के सहयोग से चीनी भाषा डिप्लोमा पाठ्यक्रम
5	दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग के सहयोग से जापानी भाषा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
6	दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी एशियाई अध्ययन विभाग के सहयोग से जापानी भाषा डिप्लोमा पाठ्यक्रम
7	रचनात्मक लेखन अंग्रेजी
8	इनोवियन टेक्नोलॉजीज के सहयोग से साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक।
9	स्टेप अप एनालिटिक्स के सहयोग से डेटा एनालिटिक्स (एसक्यूएल, एडवांस्ड एक्सेल और आर प्रोग्रामिंग)
10	दिव्यांगता अध्ययन
11	पर्यावरण स्थिरता अभ्यास
12	हिमालय का विकास और क्यूजीआईएस सॉफ्टवेयर और आर प्रोग्रामिंग भाषा का उपयोग करके जीआईएस अध्ययन का एकीकरण
13	एक्सेल और टेबल्यू
14	पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए व्यवहार्य वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों की खोज
15	फिनटेक
16	वित्तीय मॉडलिंग के मूल सिद्धांत
17	लिंग विमर्श: भारतीय परिप्रेक्ष्य

18	जीएसटी और रिटर्न की ई-फाइलिंग
19	हिंदी अनुवाद हिंदी अनुवाद परिषद के सहयोग से
20	अंग्रेजी साहित्य का इतिहास
21	अंग्रेजी साहित्य का इतिहास
22	निझावन ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के सहयोग से आतिथ्य और पर्यटन प्रबंधन
23	मानव मूल्य, जीवन कौशल और नैतिकता
24	वैश्वीकृत विश्व में भारत के अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं विदेश नीति: सिद्धांत, बहसें एवं चिंताएं
25	स्टॉक में निवेश
26	लेटेक्स: गणितीय टाइपसेटिंग सॉफ्टवेयर
27	चिकित्सा बिक्री प्रतिनिधि
28	आधुनिक वेब विकास उपकरण
29	व्यक्तिगत कर नियोजन और ई-फाइलिंग
30	व्यक्तित्व विकास
31	एसएससी+ बैंक पीओ के लिए तैयारी पाठ्यक्रम
32	CAT के लिए प्रारंभिक कक्षाएं
33	यूपीएससी सीएसई के लिए तैयारी कक्षाएं
34	प्रोग्रामिंग
35	जैविक विज्ञान में पायथन
36	रेडियो प्रोग्रामिंग और उत्पादन
37	पुनर्जागरण कला
38	जंग
39	विज्ञान और पर्यावरण संचार
40	वैज्ञानिक लेखन और अनुसंधान नैतिकता
41	सॉफ्टवेयर संपादन
42	वेक्टर डिजाइन और एनीमेशन
43	वेब डिजाइनिंग

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह
27 फरवरी 2024
थीम: विकसित भारत के लिए विज्ञान में विकास का जश्न मनाना

विकसित भारत @2047

विकसित भारत @2047, स्वतंत्रता के 100वें वर्ष यानी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का विजन है। इस विजन में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलू शामिल हैं। इसके अलावा, विकसित भारत @ 2047, युवाओं की आवाज़ एक पहल है जिसका उद्देश्य देश में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देना है। यह युवाओं को विकसित भारत के लिए अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित करता है। राम लाल आनंद महाविद्यालय में हमने विकसित भारत एंबेसडर (VBA) क्लब की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य अपने छात्रों के बीच इस अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करना और उन्हें विकसित भारत @ 2047 के विजन के लिए अपने परिवर्तनकारी विचार प्रदान करने का अवसर प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

जागरूकता फैलाने के लिए विकसित भारत के तहत आयोजित कार्यक्रमों की सूची इस प्रकार है:

1. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस: विकसित भारत के लिए विज्ञान में विकास का जश्न मनाना

2. विकसित भारत राजदूत-नारी शक्ति सम्मेलन-2024

3. 8 मई 2024 को विकसित भारत के लिए दौड़

नोडल अधिकारी (विकसित भारत, आरएलएसी छात्र क्लब) - डॉ. निधि वर्मा

अपशिष्ट प्रबंधन में प्रमाणित सर्वोत्तम अभ्यास

महाविद्यालय को दिल्ली नगर निगम द्वारा "स्वच्छता चैंपियन" के रूप में मान्यता दी गई है।

सहभागिता कॉलोनियों का सम्मान समारोह–2023

स्वच्छता चैम्पियन

(एन.जी.ओ./ बी.डब्ल्यू.जी./ आर केंद्र/ व्यक्तिगत)

राम लाल आनंद कॉलेज , साउथ जोन

को कचरा प्रबंधन के रख–रखाव के प्रयासों के लिए सम्मानित किया जाता है।

साक्षी मित्तल, आई.ए.एस.
अति. आयुक्त

ज्ञानेश भारती, आई.ए.एस.
आयुक्त

दिल्ली नगर निगम

केंद्रीय भूजल बोर्ड, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा टियर III प्रशिक्षण

भूविज्ञान विभाग के सहयोग से केंद्रीय भूजल बोर्ड, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा टियर III प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 29 नवंबर 2023 को 124 छात्रों और 24 संकाय सदस्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसमें भूजल जल विज्ञान, संरक्षण और प्रबंधन, निगरानी, गुणवत्ता मूल्यांकन, भूजल आंदोलन के मूल सिद्धांत, जलभृत विशेषताएं और पुनर्भरण प्रक्रियाएं और कुछ केस स्टडीज शामिल थीं।

Tier 3 training on Groundwater Management and Rainwater Harvesting to Recharge Groundwater conducted by the Central Groundwater Board in collaboration on 29th November, 2023.

अनुसंधान परियोजनाएं (सतत)

शैक्षणिक अनुसंधान में छात्रों को प्रेरित करने और उन्हें अनुभव साझा करने के लिए, उच्च उपलब्धि हासिल करने वालों को विभिन्न एजेंसियों द्वारा संकाय सदस्यों को दी जाने वाली बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं में अनुसंधान प्रशिक्षु के रूप में काम करने के अवसर दिए जाते हैं। इसके अलावा, महाविद्यालय ने छात्रों को महाविद्यालय में शोध करने के लिए एक छोटे सीड फंड के लिए एक संकाय सदस्य के तहत छोटे शोध प्रस्ताव प्रस्तुत करने का प्रावधान किया है। अनुसंधान और आईपीआर सेल, राम लाल आनंद महाविद्यालय ने पहले चरण की परियोजनाओं के सफल समापन के बाद, कोविड -19 महामारी के कारण हुए व्यवधानों के बावजूद उत्साहजनक परिणामों के साथ "महाविद्यालय रिसर्च ग्रांट स्कीम" (सीआरजी) के तहत अनुसंधान प्रस्तावों को स्वीकार करना जारी रखा है।

पहले चरण के दौरान, 50 से अधिक छात्रों ने अनुसंधान परियोजनाओं के संचालन पर प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 5 अंतर्राष्ट्रीय शोध लेख, 11 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रस्तुतियाँ और 7 शोध प्रबंधों ने महाविद्यालय में एक अभिनव पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया।

यह पहल नई शिक्षा नीति के अनुरूप है जो छात्रों को उनके अध्ययन के चौथे वर्ष में अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से शोध कार्य करने को अनिवार्य बनाती है। सीआरजी परियोजनाओं ने एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाया और छात्रों और संकाय सदस्यों को एक शोध परियोजना शुरू करने और कुछ प्रारंभिक डेटा एकत्र करने के लिए उत्साहित, प्रेरित और सुविधा प्रदान करना जारी रखा है। साथ ही यह भी कल्पना की गई थी कि यह योजना जांचकर्ताओं को अपने प्रस्ताव लेखन कौशल को तेज करने में मदद करेगी।

शैक्षणिक सत्र 2021-22 में, 56 छात्रों द्वारा ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप की गई और कई छात्रों को नीचे सूचीबद्ध महाविद्यालय अनुसंधान योजना के तहत इन-हाउस परियोजनाओं में प्रशिक्षित किया गया।

वर्तमान में महाविद्यालय में सरकारी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं

क्रम संख्या	अनुसंधान परियोजना का शीर्षक	संकाय सदस्य	अनुदान एजेंसी	राशि
1.	निवाई की चैनपुरा तहसील में अनुसूचित जाति समुदायों की सतत आजीविका संवर्धन (2024-26)	प्रो. प्रेरणा दीवान (पीआई), प्रो. राकेश कुमार गुप्ता (सह-पीआई), प्रो. संजय शर्मा (सह-पीआई), डॉ. निधि यादव (सह-पीआई), और श्री सिद्धार्थ गुप्ता (सह-पीआई),	डीएसटी	69.76 लाख
2.	व्याख्यात्मक एआई का उपयोग करके एनेस्थीसिया की गहराई का आकलन और निगरानी (2021-13397)	डॉ. नीरज कुमार शर्मा (पीआई), प्रोफेसर राकेश कुमार गुप्ता (सह-पीआई), डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, दिल्ली से प्रोफेसर संजीव शर्मा (सह-पीआई)	आईसीएमआर	19.55 लाख
3.	आईबीएबी, बेंगलुरु के सहयोग से कोविड-19 मल्टी-ओमिक्स डेटा विश्लेषण के लिए कम्प्यूटेशनल ढांचे का विकास	सुश्री दीक्षा सपरा (सह-पीआई), डॉ. ज्योति शर्मा,	आईसीएमआर	28.30 लाख

		जैव सूचना विज्ञान संस्थान (पीआई), डॉ. विभा गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, जेपी सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (सह-पीआई)		
4.	दिल्ली-एनसीआर में मेट्रो नेटवर्क में बायोएरोसोल की रेसिस्टोम मेटाजेनोमिक प्रोफाइलिंग	प्रो. आर के गुप्ता (पीआई) प्रो. प्रेरणा दीवान (सह-पीआई) डॉ. सुनीला हुड्डा (सह-पीआई)	आईसीएमआर	56 लाख
5	"SARS-COV-2 वायरस की विकासवादी जीनोम जटिलता और चिकित्सीय ट्रांसलेशनल मेडिसिन की खोज"	डॉ. निधि वर्मा (सह-पीआई), डॉ. सौरभ कुमार शर्मा, सहायक प्रोफेसर, जेएनयू (पीआई), प्रो. आर. के. ब्रोजेन सिंह, जेएनयू (सह-पीआई)	एडहॉक-रिसर्च स्कीम-आईसीएमआर	28.90 लाख
6	"महामारी रोगों की गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए स्टोकेस्टिक फ्रेमवर्क और इसका अनुप्रयोग: भारत में वायरस प्रकोप (कोविड-19) के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सिमुलेशन, विश्लेषण और रणनीतियां" (सह-पीआई)	डॉ. निधि वर्मा (सह-पीआई), डॉ. सौरभ कुमार शर्मा, सहायक प्रोफेसर, जेएनयू, (पीआई) प्रो. आर. के. ब्रोजेन सिंह, जेएनयू (सह-पीआई), डॉ.	आईसीएसएसआर	7 लाख

		प्रकाश साहू, जेएनयू (सह-पीआई)		
7	जीआईएसई हब (आईआईटी-बी) परियोजना (**2023-25**) - "भारत में स्वदेशी समुदायों के लिए पारंपरिक ज्ञान केंद्र", (सह-पीआई)।	डॉ निधि वर्मा (सह-पीआई), डॉ सौरभ कुमार शर्मा जेएनयू (पीआई), प्रो आर के ब्रोजेन सिंह, प्रोफेसर जेएनयू (सह-पीआई), प्रो नील सरोवर भावेश, टीम लीडर, आईसीजीईबी (सह-पीआई), डॉ सायली देशमुख (सह-पीआई) और डॉ कुलदीप चौधरी, अनुसंधान अधिकारी, आरआरएपी केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पोद्दार मेडिकल कैंपस, मुंबई) (सह-पीआई)	जीआईएसई हब-आईआईटीबी	24.9 लाख
पूर्ण परियोजनायें				
1	आयकर घोषणा योजना 2016 का मूल्यांकन: करदाता अनुपालन व्यवहार पर प्रायोगिक साक्ष्य (2023-24), 6 महीने	डॉ. देबाश्री दास	आईसीएसएसआर, भारत सरकार	4 लाख

2	स्नातक कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए स्टार महाविद्यालय अनुदान	समन्वयक: प्रो. प्रेरणा दीवान	डीबीटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	25 लाख
3	प्राकृतिक उत्पादों के साथ ESKAPE रोगजनकों में सिस्टीन जैवसंश्लेषण मार्ग एंजाइमों को बाधित करके बायोफिल्म निर्माण को लक्षित करना	प्रो. आर के गुप्ता (पीआई) प्रो. प्रेरणा दीवान (सह-पीआई) डॉ. विभा गुप्ता एसोसिएट प्रोफेसर, जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (सह-पीआई)	आईसीएमआर, भारत सरकार	42 लाख
4	उत्तराखंड के अल्मोडा जिले के ताकुला ब्लॉक में पाटिया के आसपास ग्राम समूह के लिए बहुआयामी सहायता योजनाओं का उपयोग करके सतत विकास के माध्यम से आजीविका के अवसरों में वृद्धि (2019-2022)	प्रो. सीमा गुप्ता, प्रो. राकेश कुमार प्रो. मुक्ता मजूमदार, डॉ. राजेश सचदेव, डॉ. प्रभास पांडेय	एमओईएफ एंड सीसी, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन (एनएमएचएस)।	1.99 करोड़
5	सुपारी चबाने के मौखिक माइक्रोबायोम में परिवर्तन उत्तर-पूर्वी भारत की जनसंख्या और मौखिक कैंसर के साथ इसका सहसंबंध: चिकित्सीय प्रभाव के लिए माइक्रोबियल कंसोर्टियम की संभावना (2018-2022)	प्रो. प्रेरणा दीवान, प्रो. आर के गुप्ता	आईसीएमआर, भारत सरकार	30 लाख
6	सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एंटीबायोटिक प्रतिरोध की घटना के पीछे के विज्ञान का संचार करना (2019-2021)।	प्रो. प्रेरणा दीवान, प्रो. आर.के.गुप्ता	आईसीएसएसआर, भारत सरकार	5 लाख
7	बस्तर, छत्तीसगढ़ में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) के सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक प्रभाव का एक अध्ययन (2019- 2021)	डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा	आईसीएसएसआर, भारत सरकार	8 लाख

8	उत्तर-पूर्व क्षेत्र की विभिन्न जटिलताओं का अध्ययन और इसे राष्ट्रीय मुख्यधारा में मजबूती से एकीकृत करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर की भूमिका (2018-2020)	कैप्टन प्रो. संजय कुमार शर्मा, डॉ. रीता जैन	आईसीएसएसआर, भारत सरकार	4.99 लाख

महाविद्यालय अनुसंधान अनुदान (सीआरजी) परियोजनाएं- प्रथम सेल

	अनुसंधान परियोजना का शीर्षक	संकाय सदस्य	प्रशिक्षित छात्र	राशि
1	दिल्ली के विभिन्न लैंडफिल साइटों से एकत्रित मिट्टी से प्लास्टिक को नष्ट करने वाले बैक्टीरिया का अलगाव और स्क्रीनिंग (2020-2022)	डॉ. सुनीला हुड्डा	पूर्वी सैनी, अनन्या अग्रवाल, नेहा वर्मा, सुरभि सिंह	45 हजार
2	प्रयोगशालाओं से उत्पादित अपशिष्ट जल के प्राथमिक उपचार के लिए विभिन्न प्रकार के बायोसॉर्बेंट्स और बायोडिग्रेडर्स की गतिविधि (2020-2022)	डॉ. शालिनी स्वामी	मो.फरदीन हुसैन, भावना शर्मा, हिमांशु, सलोनी जैन	50 हजार
3	मेथिसिलिन प्रतिरोधी स्टैफिलोकोकसॉरियस (एमआरएसए) का मुकाबला: एक दवा पुनर्प्रयोजन दृष्टिकोण (2020-2022)	प्रो. वंदना गुप्ता	अनुराग सिंह,सिमरनप्रीत कौर, हिमांशु	50 हजार
4	ESKAPE रोगजनकों के विरुद्ध भारतीय पौधों की इन विट्रो रोगाणुरोधी गतिविधि की स्क्रीनिंग (2020-2022)	डॉ. निधि एस चंद्रा	प्रज्ञा, प्रिया भाटिया, अभिलाष जॉर्ज, डी. अन्विता	50 हजार

5	सीमांत सामाजिक समूहों से आने वाले स्नातक छात्रों (यूजी) के बीच ड्रॉपआउट दर का अध्ययन: दिल्ली विश्वविद्यालय (चयनित कॉलेज) का एक केस अध्ययन (2020-2022)	श्री प्रतीक कुमार, श्री विकास कुमार, श्री विनय कुमार यादव	त्रिपुरारि कश्यप, निखिल, जयंत सिंह राघव, सत्येन्द्र प्रताप	30 हजार
6	दिल्ली में महाविद्यालय के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का एक महामारी विज्ञान अध्ययन (2020-2022)	डॉ. सैलोम जॉन, डॉ. रीता जैन	साहिल रैना, राजीव खुराना, सिद्धार्थ शर्मा, हर्ष सिंघल	30 हजार
7	ग्रीन कैंपस के लिए छात्रों में जागरूकता: दिल्ली विश्वविद्यालय में चयनित कॉलेजों का एक केस स्टडी (2020-2022)	डॉ. अरविन्द, श्री प्रतीक कुमार, डॉ. पारुल गौर	प्रतिभा यादव, उत्कर्ष यादव, नीलम, अमन	30 हजार

महाविद्यालय अनुसंधान अनुदान (सीआरजी) परियोजनाएं- द्वितीय सेल

1	मेथिसिलिन प्रतिरोधी स्टैफिलोकोकस ऑरियस (एमआरएसए) के विरुद्ध फेनोटाइपिक स्क्रीनिंग के माध्यम से दवाओं का पुनः उपयोग	प्रो. वंदना गुप्ता (पीआई), डॉ. निधि एस चंद्रा	जारी, चल रहे	100000
2	एंटीफंगल बायोएक्टिव की उपस्थिति के लिए परमोट्रेमा परलाटम अर्क का मूल्यांकन	डॉ. एम. सलोमी जॉन	जारी, चल रहे	100000
3	राउवोल्फिया सर्पेन्टिना और टर्मिनलिया चेबुला	डॉ निधि एस चंद्रा (पीआई), प्रो. वंदना गुप्ता	जारी, चल रहे	100000

	की एंटी-एस्केप क्षमता का मूल्यांकन			
4	दिल्ली में लैंडफिल साइटों से पृथक किए गए माइक्रोबियल कंसोर्टियम की प्लास्टिक विघटन क्षमता की खोज	डॉ. सुनीला (पीआई), डॉ. स्वागता करमाकर	जारी, चल रहे	100000
5	बैकोपा मोनिएरी और परमोट्रेमा परलाटम अर्क: ESKAPE जीवाणु रोगजनकों के खिलाफ निरोधात्मक गतिविधि वाले यौगिकों की खोज के लिए LC MS विश्लेषण	डॉ. शालिनी स्वामी (पीआई), डॉ. सुनीला	जारी, चल रहे	100000
6	21वीं सदी में युवाओं के लिए वैदिक ज्ञान के निहितार्थ	डॉ. कृष्ण जी त्यागी (पीआई), डॉ. पारुल लौ गौर	जारी, चल रहे	30,000
7	स्नातक छात्रों के बीच तनाव और तनाव कारकों की जांच:- दिल्ली विश्वविद्यालय में एक क्रॉस	डॉ. अनुराग शर्मा (पीआई), कुलदीप सिंह चौहान	जारी, चल रहे	30000

	सेक्शनल अध्ययन			
8	दिल्ली, भारत में भलस्वा लैंडफिल साइट के आसपास के क्षेत्र में भूजल की गुणवता और उससे जुड़े मानव स्वास्थ्य जोखिम का आकलन	डॉ. वीरेंद्र बहादुर सिंह (पीआई), प्रो. प्रेरणा दीवान	जारी, चल रहे	100000
9	दिल्ली में यमुना नदी से एज़िथ्रोमाइसिन प्रतिरोधी बैक्टीरिया का पृथक्करण और जांच	डॉ. स्वागता करमाकर (पीआई), प्रो. प्रेरणा दीवान	जारी, चल रहे	100000

छात्र उत्कृष्टता पुरस्कार*

- **विज्ञान और मानविकी में डॉ. डी. के. पब्बी सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार -** यह पुरस्कार 2018-19 में सुश्री दर्शना पब्बी द्वारा उनके पति स्वर्गीय डॉ. डी.के. पब्बी, प्राचार्य (सेवानिवृत्त), राम लाल आनंद महाविद्यालय की स्मृति में स्थापित किया गया था। इसमें प्रत्येक वर्ष दो छात्रों को सम्मानित किया जाता है, एक विज्ञान से और दूसरा मानविकी से, जिन्होंने महाविद्यालय में अपने तीन वर्षों के अध्ययन के दौरान शिक्षाविदों, पाठ्येतर, सह-पाठ्यचर्या, विस्तार गतिविधियों और अनुसंधान क्षमता में उल्लेखनीय प्रतिभा और समर्पण का प्रदर्शन किया है। यह पुरस्कार हमारे पूर्व प्राचार्य डॉ. डी.के. पब्बी की स्मृति में प्रदान किया जाता है जो एक महान शिक्षक, दार्शनिक और एक सौम्य और दयालु परोपकारी व्यक्ति थे और उन्होंने ही अपने कार्यकाल के दौरान इन पुरस्कारों को शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस पुरस्कार में 20,000/- रुपये का नकद पुरस्कार, एक पट्टिका और एक प्रमाण पत्र दिया जाता है।

- **वाणिज्य एवं प्रबंधन में पंडित बुध राम शर्मा सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार:** यह पुरस्कार 2020-21 में श्री ओम प्रकाश शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), वाणिज्य विभाग, राम लाल आनंद महाविद्यालय ने अपने पिता स्वर्गीय पंडित बुध राम शर्मा की स्मृति में स्थापित किया गया था। यह पुरस्कार वाणिज्य या प्रबंधन धाराओं के छात्रों के लिए है जो महाविद्यालय में तीन वर्षों के अध्ययन में विस्तार गतिविधियों और अनुसंधान क्षमता, शिक्षाविदों, पाठ्येतर, सह-पाठयक्रम में उल्लेखनीय प्रतिभा और समर्पण का प्रदर्शन करते हैं। इस पुरस्कार में 20,000/- रुपये नकद एक पट्टिका और एक प्रमाण पत्र दिया है।

- **हिंदी में सुश्री उमा मलिक सर्वश्रेष्ठ छात्र पुरस्कार**

  यह पुरस्कार मलिक परिवार द्वारा श्रीमती उमा मलिक जी की पुत्री स्वर्गीय श्री राम लाल आनंद जी, संस्थापक, राम लाल आनंद महाविद्यालय की स्मृति में स्थापित किया गया है। इस पुरस्कार में 20,000/- रुपये की नकद राशि, एक पट्टिका और बीए विशेष हिंदी में टॉपर के लिए एक प्रमाण पत्र शामिल है।

- **विश्विद्यालय गोल्ड मेडलिस्ट को उत्कृष्टता पुरस्कार -** प्रत्येक वर्ष अपने अंतिम वर्ष को पूरा करने के बाद अध्ययन के संबंधित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को वार्षिक दिवस पर सम्मानित और पुरस्कृत किया जाता है। इसमें 5000/- रुपये का नकद पुरस्कार, एक पट्टिका और प्रमाण पत्र दिया जाता है।

- **महाविद्यालय टॉपर्स को अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार:** प्रत्येक वर्ष प्रत्येक कार्यक्रम और बैच में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को वार्षिक दिवस पर सम्मानित और पुरस्कृत किया जाता है।

- **सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी -** विश्वविद्यालय, जोनल, जिला, राज्य, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र को हर साल सम्मानित किया जाता है। इसमें 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार, एक पट्टिका और प्रमाण पत्र दिया जाता है।

- **सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट -** वार्षिक दिवस पर सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट को भी पुरस्कृत किया जाता है। इस पुरस्कार में 5,000/- रुपये नकद, एक पट्टिका और एक प्रमाण पत्र दिया जाता है।

- **सर्वश्रेष्ठ एनएसएस स्वयंसेवक -** सर्वश्रेष्ठ एनएसएस स्वयंसेवक को वार्षिक दिवस पर सम्मानित किया जाता है। जिसमें 5,000/- रुपये नकद, एक पट्टिका और एक प्रमाण पत्र पुरस्कार के रूप में प्रदान किये जाते हैं।

- **सर्वश्रेष्ठ स्टार्ट-अप आइडिया पुरस्कार** - सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट द्वारा आयोजित बिजनेस प्लान प्रतियोगिता के तहत प्रत्येक वर्ष छात्रों से नवीन विचार आमंत्रित किए जाते हैं। विचारों का मूल्यांकन बाहरी विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है और सर्वश्रेष्ठ विचार पुरस्कार के लिए 5,000 रुपये का नकद पुरस्कार, एक पट्टिका और प्रमाण पत्र दिया जाता है। इनक्यूबेशन और मेंटरशिप समर्थन के लिए विचारों को भी सुविधाजनक बनाया गया है।

- **पाठ्येतर/सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में उत्कृष्टता का पुरस्कार:** विभिन्न पाठ्येतर/सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रमों में अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/अंतर-विश्वविद्यालय स्तर पर प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र को महाविद्यालय के वार्षिक दिवस पर सम्मानित किया जाता है। इस पुरस्कार में 5,000/- रुपये का नकद पुरस्कार, एक पट्टिका और प्रमाण पत्र दिया जाता है।

- चयन के लिए विवरण और पैरामीटर महाविद्यालय की वेबसाइट पर उल्लिखित हैं।

शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए निकिता पठानिया, बी.एससी.(विशेष) कंप्यूटर साइंस सर्वश्रेष्ठ छात्रा (विज्ञान), श्रृंगारिका (बीजेएमसी) सर्वश्रेष्ठ छात्रा (मानविकी) और रौनक सिंह (बीएमएस) सर्वश्रेष्ठ छात्र (वाणिज्य और प्रबंधन)

अक्षित कटोच (गणित) सर्वश्रेष्ठ एनसीसी कैडेट, स्तुति ग्रोवर (राजनीति विज्ञान) सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, बृजेश किशोर मिश्रा (गणित) पाठ्येतर गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ छात्र, ऋषभ आहूजा (वाणिज्य) शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप आइडिया।

पाठ्यचर्या से परे

महाविद्यालय में छात्र समुदाय की सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर विविध रुचियों और प्रतिभाओं को पूरा करने वाली कई समितियाँ/सोसाइटियाँ हैं। प्रवेश पत्र में ही, छात्रों को न्यूनतम एक प्राथमिकता का चयन/टिक करना आवश्यक है। इसी तरह, सभी छात्रों (न केवल वे जो खेल कोटा के तहत प्रवेश लेते हैं) को विभिन्न खेलों और खेलों को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और वे अपनी इच्छा से पसंद की किसी भी टीम के लिए स्वतंत्र हैं। यह प्रक्रिया तब शुरू होती है जब नए प्रवेशार्थी महाविद्यालय में प्रवेश लेते हैं। विभिन्न सोसाइटियों/खेल टीमों के लिए ऑडिशन/ट्रायल को नोटिस बोर्ड/वेबसाइट पर अधिसूचित और विज्ञापित किया जाता है और उसके बाद चयन किया जाता है। इसके अलावा, महाविद्यालय विभिन्न खेलों और सह-पाठयक्रम गतिविधियों जैसे नृत्य, संगीत, थिएटर आदि के लिए कोचिंग सुविधाएं प्रदान करता है। इन सोसायटियों के प्रबंधन के लिए छात्र पदाधिकारियों का चयन किया जाता है। महाविद्यालय की कुछ सह-पाठ्यचर्या समितियाँ हैं:

कला एवं संस्कृति सोसायटी

संयोजक: प्रो. मुक्ता डी. मजूमदार (मोबाइल: 9811179891)

कला और संस्कृति सोसायटी की छह विविध शाखाएं हैं: दस्तूर (भारतीय संगीत सोसायटी), ग्रास रूट (पश्चिमी संगीत सोसायटी), इल्यूजन (पश्चिमी नृत्य सोसायटी), अनंतदृष्टि (भारतीय नृत्य सोसायटी), इनारा (कला और संगीत सोसायटी) और अंदाज़ (प्रस्तोता समाज)। ये महाविद्यालय की सबसे लोकप्रिय और सांस्कृतिक रूप से जीवंत सोसायटी में से एक हैं।

जहां दस्तूर, इल्यूजन और इनारा ने अंतर-महाविद्यालय और अंतर-विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के लिए सम्मान और प्रशंसा हासिल की; यह इनारा (महाविद्यालय के सौंदर्य पहलू की आत्मा) और अंदाज़ ही हैं जो साल भर हमारे महाविद्यालय को सभी आयोजनों में सजाते- संवारते हैं। महाविद्यालय छात्रों के प्रशिक्षण के लिए विशेष कला और संस्कृति कार्यशालाएँ आयोजित करता है।

संगोष्ठी (मासिक व्याख्यान श्रृंखला)

संयोजक: डॉ. कुलदीप सिंह चौहान (मोबाइल : 9953197951)

संगोष्ठी विविध विषयों की प्रख्यात हस्तियों द्वारा व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन करती है। इन वार्ताओं के बाद छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्र होते हैं।

वाद- विवाद सोसायटी

आवाज़ (अंग्रेज़ी)

संयोजक: श्री ताहा यासीन (मोबाइल: 9711115081)

आरोह (हिंदी)

संयोजक: डॉ. रोशन लाल मीना (मोबाइल: 9013219828)

रिचर्ड फेनमैन ने कहा: "मैं ऐसे प्रश्न रखना पसंद करूंगा जिनका उत्तर नहीं दिया जा सकता, बजाय उन उत्तरों के जिन पर सवाल नहीं उठाया जा सकता।" युवा मन में आलोचनात्मक कौशल, जिज्ञासा और प्रश्न पूछने की क्षमता बढ़ाने के लिए, यह सोसाइटी वाद-विवाद और स्लैम कविता प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है।

कुरु - प्रश्नोत्तरी सोसायटी

संयोजक: सुश्री रियांका जैन (मोबाइल: 9910085400)

इस सोसायटी के बैनर तले, इंटर-महाविद्यालय क्विज़ उत्सव आयोजित किए जाते हैं, और क्विज़र्स की टीम भी इंटर-महाविद्यालय कार्यक्रमों में भाग लेती है और महाविद्यालय के लिए पुरस्कार जीतती है और प्रशंसा प्राप्त करती है।

फोटोग्राफी और फिल्म क्लब

संयोजक: डॉ. मानवेश नाथ दास (मोबाइल: 9868632286)

यह कार्य फोटोग्राफी टीम (चित्रा) और फिल्म क्लब (परदा) के बीच बांटा गया है। टीम का लक्ष्य भ्रमण, प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं और प्रतियोगिताओं के माध्यम से फोटोग्राफी कौशल विकसित करना है, साथ ही अन्य फोटोग्राफी उत्साही लोगों से मिलने का अवसर प्राप्त करना है। साथ ही टीम इसके माध्यम से एक ऐसा समुदाय बनाना चाहता है जहां आपसी सीख विकसित की जाए।
फ़िल्म क्लब आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्रों में स्थापित एक लोकप्रिय कला के अनिवार्य रूप से प्रकाश में आने के जन्म चिन्हों को धारण करती है, और यह उस संस्कृति के टुकड़ों से भी बनी होती है जिसका वह प्रतिनिधित्व करती है। पर्दा, फिल्म क्लब ऐसी फिल्में दिखाता है जो सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक होती हैं, जिसके बाद प्रत्येक स्क्रीनिंग के अंत में एक समृद्ध चर्चा होती है।

हसरतीन - नाटकीय सोसायटी

संयोजक: डॉ. क्षमा शर्मा (मोबाइल: 9891400988)

लोगों के लिए प्रदर्शन करना हमेशा एक 'अच्छा महसूस कराने वाला' कार्य नहीं है, बल्कि विचारों और मुद्दों से जुड़ने की एक प्रक्रिया है। शिल्प, रूप और सौंदर्यशास्त्र में उत्कृष्टता तथा विचार और राजनीति के प्रश्नों के प्रति सचेत रहना आवश्यक है। ऐसे आदर्शों के साथ थिएटर सोसायटी का आधार बनने पर, हर साल यह बहुत समर्पित और कड़ी मेहनत करने वाले छात्रों का एक समूह बन जाता है, जो अपने विचारों के साथ, संस्थागत विचार प्रक्रिया की सीमाओं और प्रयोगशाला में विषय वस्तु को पार कर जाते हैं। उनका जोशीला प्रदर्शन गहराई तक उतरता है और समाज की संवेदनशील, यथास्थितिवादी भावनाओं को झकझोरता है। समाज एक रोमांचक यात्रा को आकार देता है!

गांधी अध्ययन क्षेत्र

संयोजक: डॉ. राजेंद्र सिंह (मोबाइल: 9716743207)

कोई गांधी से प्रेम कर सकता है, कोई गांधी से नफरत कर सकता है, लेकिन कोई महात्मा गांधी की उपेक्षा नहीं कर सकता। राष्ट्र के सामूहिक सामाजिक-राजनीतिक मानस में महात्मा गांधी के आदर्शों ने जो गहरी छाप छोड़ी है, उसे देखते हुए उनके विचारों पर फिर से विचार करना और उनका आलोचनात्मक विश्लेषण करना अपरिहार्य हो जाता है। गांधी अध्ययन क्षेत्र अपने सम्मेलनों, सेमिनारों और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से यह सुनिश्चित करता है कि गांधीवादी मूल्यों को समकालीन भारतीय समाज की सामाजिक संरचना के अनुरूप आज के युवाओं के सामने प्रस्तुत किया जाए।

ऐक्याम - उत्तर-पूर्व सोसायटी

संयोजक: डॉ. लीमीवॉन ज़िमिक (मोबाइल: 8280549419)

भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के छात्र बहुत लंबे समय से दिल्ली विश्वविद्यालय और राम लाल आनंद महाविद्यालय से निकटता से जुड़े हुए हैं। हमारा महाविद्यालय उत्तर-पूर्व के छात्रों को एक अद्वितीय सांस्कृतिक इंटरफ़ेस प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास करता है। यह सोसायटी वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव "अरण्या" का आयोजन करती है।

स्पिक मैके - राम लाल आनंद महाविद्यालय अध्याय

संयोजक: डॉ. दीप्ति भारद्वाज (मोबाइल: 9212132420)

स्पिक मैके (युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सोसायटी) पूरे भारत में शिक्षण संस्थानों को कला के प्राचीन रूप को संरक्षित करने और उनकी संवेदनाओं को विकसित करने के लिए भारतीय शास्त्रीय संगीत, चित्रकला आदि के कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित कर रहा है। छात्र जो उन्हें हमारे सांस्कृतिक मूल्यों और परंपरा की सराहना करने और समृद्ध करने की अनुमति देते हैं। राम लाल आनंद महाविद्यालय लंबे समय से स्पिक मैके से जुड़ा हुआ है। सोसायटी से जुड़े छात्र इसके रोजमर्रा के कामकाज से लेकर सांस्कृतिक उत्साह के सफल आयोजन तक शो का समन्वय और संचालन करते हैं। हाल ही में, स्पिक मैके के आरएलएसी चैप्टर ने प्रतिष्ठित "विरासत 2024" कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें सांस्कृतिक दिग्गजों की एक शानदार श्रृंखला प्रदर्शित की गई। श्रीमती रागिनी चंद्रशेखर द्वारा मनमोहक भरतनाट्यम, श्री भुवनेश कोमकली द्वारा शास्त्रीय प्रस्तुति, और पंडित राजेंद्र प्रसन्ना द्वारा मनमोहक धुन से लेकर डॉ. स्वप्ना लिडल के नेतृत्व में ज्ञानवर्धक हेरिटेज वॉक तक, यह कार्यक्रम कलात्मक उत्कृष्टता का प्रमाण था। प्रो. मतीन अहमद का सिनेमा क्लासिक्स पर व्यावहारिक प्रवचन, ब्रह्मकुमारी रमा की गहन आध्यात्मिक वार्ता, और श्री पूर्ण चंद्र मोहराणा की मनमोहक पट्टचित्र ने सांस्कृतिक ताने-बाने को और समृद्ध किया। 500 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ, "विरासत" परंपरा और रचनात्मकता का एक जीवंत उत्सव था।

इको क्लब

संयोजक: डॉ. स्वागता करमाकर (मोबाइल: 9910479037)

इको क्लब न केवल महाविद्यालय के भीतर कार्य करता है बल्कि अपनी कुछ गतिविधियों को महाविद्यालय से बाहर भी फैलाता है। महाविद्यालय के भीतर, इसका सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य एक हरित परिसर और प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाना है। इस संबंध में, हमारे कुछ निरंतर प्रयासों में अपशिष्ट पृथक्करण, ऑन-साइट खाद उत्पादन, रीसाइक्लिंग पानी, हर्बल गार्डन आदि शामिल हैं। छात्रों की पर्यावरण और पारिस्थितिक चेतना को बढ़ाने के लिए महाविद्यालय पूरे वर्ष टोली में छात्रों को जैव विविधता पार्कों का दौरा कराता है।

योग और ध्यान समिति

संयोजक: सुश्री शिखा वर्मा (मोबाइल: 9910085505)

स्वास्थ्य (शारीरिक और मानसिक दोनों) के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए, योग और ध्यान समिति महाविद्यालय परिसर में योग शिविर आयोजित करती है। विशेषज्ञों और प्रशिक्षित योग शिक्षकों को अपनी विशेषज्ञता साझा करने और समकालीन प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में सफल होने के लिए छात्रों के मानस में स्वस्थ शरीर और दिमाग की आवश्यकता और अनिवार्यता को विकसित करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। कई आसन जैसे ताड़ासन, त्रिकोणासन, वृक्षासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंध आसन, पवनमुक्तासन, सूर्य नमस्कार और महाविद्यालय में आयोजित योग शिविरों में विद्यार्थियों को विशेषज्ञों द्वारा योग सिखाया जाता है।

अभिव्यक्ति - रचनात्मक लेखन सोसायटी

संयोजक: डॉ. दीप्ति भारद्वाज (मोबाइल: 9212132420) (अंग्रेज़ी), डॉ. मानवेश नाथ दास (मोबाइल: 9868632286) (हिंदी)

महाविद्यालय छात्रों को पाठ्यचर्या संबंधी दिनचर्या के अलावा अपने लेखन कौशल को प्रदर्शित करने और विकसित करने के लिए विभिन्न मंच प्रदान करता है। रचनात्मक लेखन समिति एक समर्पित मंच है जो उन छात्रों को एक साथ लाने का काम करती है जिनमें लिखने का शौक है।

महिला कल्याण सलाहकार समिति

संयोजक: डॉ. एम. सैलोम जॉन (मोबाइल: 8860504883)

महाविद्यालय में युवा महिला छात्रों के बीच उनके अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें सक्षम और सशक्त बनाने के लिए महिलाओं के मुद्दों, आत्मरक्षा पाठ्यक्रम और लड़कियों के लिए स्वास्थ्य शिविरों से संबंधित सेमिनार और चर्चा का आयोजन करता है।

महाविद्यालय प्रकाशन

- **समदृष्टि:** वार्षिक महाविद्यालय पत्रिका समदृष्टि सभी समितियों के कामकाज और पूरे सत्र में आयोजित कार्यक्रमों पर वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करती है। https://www.rlacollege.edu.in/samdrishti-annual-magazine.php

- **सृजन:** यह महाविद्यालय की दीवार पत्रिका है जिसे हर दो महीने में अद्यतन किया जाता है।
  संपादक - प्रो.अर्चना गौड़ (मोबाइल: 9811562434)

- **अस्मि:** यह विशेष रूप से लैंगिक न्याय के मुद्दों को कवर करने के लिए समर्पित ई-पत्रिकाओं की श्रृंखला में नवीनतम है। https://www.rlacollege.edu.in/samdrishti-annual-magazine.php

संपादक - प्रो. श्रुति आनंद (मोबाइल: 9555814548)

- **संभव:** यह हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिका है और वर्ष में दो बार प्रकाशित होती है। https://rlacollege.edu.in/pdf2022/JULY-DEC-2021.pdf

- **• कैम्पस कनेक्ट:** यह हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों द्वारा व्यवस्थित, संपादित और प्रकाशित एक समाचार पत्रिका है और वर्ष में दो बार प्रकाशित होती है। https://www.rlacollege.edu.in/pdf2022/RLA%20_Samachar%202021-22.pdf

सम्पादक- प्रो.राकेश कुमार (मोबाइल: 9899686959)

महाविद्यालय के प्रकाशन महाविद्यालय की वेबसाइट पर सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध हैं

विभागीय सोसायटी

विभिन्न विभागों की अपनी विशिष्ट समितियाँ होती हैं जिनके बैनर तले विभागीय गतिविधियाँ, सेमिनार और कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं।

- टेरे-एक्स - भूविज्ञान विभाग, संयोजक: सुश्री पूजा यादव
- पनासिया (रामबाण) - सांख्यिकी विभाग, संयोजक: डॉ. अनुराग शर्मा
- हिंदी साहित्य परिषद, संयोजक: डॉ. राजेश कुमार
- हिंदी पत्रकारिता परिषद, संयोजक: डॉ. राजेश कुमार
- यूबिक्विटस (सर्वव्यापी)- अंग्रेजी विभाग, संयोजक: सुश्री मिनाक्षी ब्रह्मा
- ई-पीपल. ओआरजी (e-people.org) - कंप्यूटर विज्ञान विभाग, संयोजक: सुश्री शिखा वर्मा
- तवारीख़ - इतिहास विभाग, संयोजक: पारुल लाऊ गौर
- माइक्रोबायोलॉजिका-सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, संयोजक: डॉ. सुनीला हुड्डा
- का-चिंग - वाणिज्य विभाग, संयोजक: डॉ. प्रीति देवी
- स्टेटक्राफ्ट - राजनीति विज्ञान विभाग, संयोजक: डॉ. निधि यादव
- मार्ग - प्रबंधन अध्ययन विभाग, संयोजक: सुश्री सृजना सिंह
- इन्फिनिटी - गणित विभाग, सुश्री प्रतिमा नेगी
- सैरेनिटी-बीए प्रोग्राम- श्री अंकित कुमार
- शारीरिक शिक्षा विभाग, प्रो. प्रदीप शर्मा
- पर्यावरण अध्ययन विभाग, डॉ. स्वागता करमाकर

पूर्व छात्र संगठन

संयोजक: डॉ. अलंकार (मोबाइल: 9971633597)

- आरएलए महाविद्यालय को अपने पूर्व छात्र पर बेहद गर्व है। अपने पूर्व छात्रों के साथ गहराई से और नियमित रूप से जुड़े हुए हैं। यह रिश्ता विभिन्न रूपों और प्रारूपों में है जैसे:
- परामर्श और कैरियर मार्गदर्शन सत्र
- इंटर्नशिप और रोजगार
- सभी पाठ्यक्रमों के टॉपर्स को मेरिट छात्रवृत्ति (प्रत्येक 3000/- रु.)
- पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला

प्रत्येक स्नातक छात्र मामूली शुल्क का भुगतान करने के बाद आरएलएसी पूर्व छात्र संघ (पंजीकृत) का हिस्सा बन जाता है। पूर्व छात्र संघ पूर्व छात्र बैठकें भी आयोजित करता है।

अध्यक्ष - श्री राजा बाबू, सांख्यिकी विभाग, आरएलएसी के पूर्व छात्र

सचिव- श्री तरूण श्रीवास्तव, अधिवक्ता, वाणिज्य विभाग, आरएलएसी के पूर्व छात्र

छात्र संघ

संयोजक: डॉ. के जी त्यागी (मोबाइल: 9899637083)

राम लाल आनंद महाविद्यालय छात्र संघ 6 छात्र सदस्यों वाला एक निर्वाचित निकाय है और विभिन्न तरीकों से बहुत प्रभावी और प्रभावशाली भूमिका निभाता है। एक ओर, यह छात्रों के बीच एक विचार-विमर्श मंच है और साथ ही यह छात्र समुदाय और महाविद्यालय अधिकारियों के बीच एक पुल के रूप में भी कार्य करता है। हर साल संघ कला और संस्कृति समिति के साथ विभिन्न कार्यक्रमों विशेष रूप से फ्रेशर के स्वागत और वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन करता है।

छात्रसंघ पद: अध्यक्ष (तीसरे वर्ष से), उपाध्यक्ष (केवल छात्रा), सचिव (किसी भी वर्ष), संयुक्त सचिव (केवल प्रथम वर्ष), 2 सीसी (किसी भी वर्ष से जो दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हैं)

लिंग संवेदीकरण समिति

संयोजक: प्रो.श्रुति आनंद (मोबाइल: 9555814548)

इस समिति का उद्देश्य समाज में लिंग के सामाजिक और सांस्कृतिक निर्माण की समझ प्रदान करना है। इस समिति द्वारा संचालित गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों में कानून, सामाजिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक गतिविधियों में लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता पैदा करना है। भारत सरकार की नीति के अनुसार, जेंडर चैंपियंस की परिकल्पना जिम्मेदार नेताओं के रूप में की गई है जो लिंग संवेदीकरण के लिए अपने शैक्षणिक संस्थानों में सक्षम वातावरण को सुगम बनाएंगे। हमारा महाविद्यालय हर साल ऐसे पांच नामांकनों का चयन करता है जिन्हें जेंडर चैंपियंस के रूप में स्वीकार किया जाता है। अस्मि लैंगिक मुद्दों को कवर करने के लिए समर्पित महाविद्यालय जर्नल का नाम है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

कार्यक्रम अधिकारी- डॉ. अनुराग शर्मा, सांख्यिकी विभाग (मोबाइल: 8285468733)

राम लाल आनंद महाविद्यालय की एनएसएस यूनीट का उद्देश्य युवाओं में सामाजिक जागरूकता पैदा करना, समाज की समस्याओं को दूर करना और बड़े पैमाने पर राष्ट्र की सेवा करना है। यह कला और संस्कृति के विभिन्न माध्यमों जैसे नुक्कड़-नाटक, नारा लेखन के साथ-साथ जमीनी स्तर पर वास्तविक भागीदारी के माध्यम से प्रयास किया जाता है; यह 'नशे की लत' जैसी बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाता है, सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देता है, बीमार और बुजुर्ग व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाता

है और डिजिटल अर्थव्यवस्था, स्वच्छता अभियान आदि को बढ़ावा देने जैसे अभियानों से जनता को उत्साहित करता है। 2 सफल वर्ष (120 घंटे/वर्ष) और 1 शिविर के पूरा होने पर छात्र को युवा मामले और खेल मंत्रालय से प्रमाण पत्र मिलता है। जिला युवा संसद (डीवाईपी) प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए एनएसएस निदेशालय द्वारा हमारे महाविद्यालय को दिल्ली के पांच नोडल केंद्रों में से एक के रूप में चुना गया था।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

एसोसिएट एनसीसी अधिकारी: कैप्टन प्रो. संजय कुमार शर्मा, हिंदी विभाग (मोबाइल: 9868411450)

भारत में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का गठन 1948 के राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिनियम के साथ किया गया था। इसकी स्थापना 15 जुलाई 1948 को हुई थी। एनसीसी का आदर्श वाक्य एकता और अनुशासन है। अपने आदर्श वाक्य के अनुरूप, एनसीसी यूनिट आरएलए का लक्ष्य छात्रों में चरित्र, साहस, अनुशासन, नेतृत्व, साहस की भावना, खेल कौशल और युवाओं में निस्वार्थ सेवा के आदर्शों के गुणों को विकसित करना है, ताकि वे अच्छे नागरिक बनने के लिए परिपक्व हों। यह हमेशा उपलब्ध रहने वाले संगठित, प्रशिक्षित, जागरूक और प्रेरित युवाओं का एक मानव संसाधन भी तैयार करता है। राष्ट्र और उसके नागरिकों की सेवा के लिए। एनसीसी कैडेट 7वीं दिल्ली बटालियन के तहत ओटीए एसएसबी कोर्स, सीएम रैली, थल सैनिक कैंप और पैरासेलिंग कैंप जैसे विभिन्न राष्ट्रीय आयोजनों और शिविरों में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हैं। महाविद्यालय प्रतिष्ठित B&C स्तर के प्रमाणपत्रों के लिए यह सुनिश्चित करता है कि हमारे कैडेटों को योग्य बनाने के लिए न्यूनतम संख्या में एनसीसी अभ्यास हों।

आरएलए एनसीसी कैडेट्स का शानदार प्रदर्शन:

हिमांशु, बीएससी (विशेष) गणित, बैच (2021-24) का चयन भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून (AIR 69) के लिए हुआ और मोहित प्रताप सिंह पूर्व एनसीसी कैडेट बैच (2019-2022) का चयन भारतीय वायु सेना (AIR-26) में हुआ।

शैक्षणिक उत्कृष्टता

बीएससी (विशेष) जियोलॉजी तृतीय वर्ष की छात्रा प्रियांशी पांडे ने **9.216** सीजीपीए प्राप्त किया तथा दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के लिए उन्हें विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें **2024** के दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया गया।

श्री आदित्य यादव को भारतीय राजनीतिक विचार (बीए विशेष राजनीति विज्ञान) पाठ्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। आदित्य को **2024** के दिल्ली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी सम्मानित किया गया।

परिणाम 2022-23 एक नज़र में

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	कुल उत्तीर्ण %	प्रथम श्रेणी का %
1	बी.ए. (विशेष) राजनीति विज्ञान	92.9	90.5
2	बी.ए. (विशेष) बीएमएस	94.8	94.8
3	बी.एससी. (विशेष) भूविज्ञान	89.2	89.2
4	बी.ए. (विशेष) हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार	92.5	92.5
5	बी.ए. (विशेष) हिंदी	72.9	67.5
6	बी.ए. प्रोग्राम	93.2	90.3
7	बी.ए. (विशेष) अंग्रेजी	88.5	88.5
8	बी.ए. (विशेष) इतिहास	87.1	78.2
9	बी.कॉम प्रोग्राम	85.7	84.5
10	बी.कॉम. (विशेष)	95	95
11	बी.एससी. (विशेष) गणित	88.6	88.6
12	बी.एससी. (विशेष) कंप्यूटर विज्ञान	98.1	98.1
13	बी.एससी. (विशेष) सूक्ष्मजीव विज्ञान	96.4	94.6
14	बी.एससी. (विशेष) सांख्यिकी	97.5	95

छात्र सहायता

कैरियर परामर्श और प्लेसमेंट सेल

संयोजक: डॉ. पवन कुमार, गणित विभाग (मोबाइल: 9717425071)

महाविद्यालय में एक समर्पित कैरियर काउंसलिंग और प्लेसमेंट सेल है जो विभिन्न कंपनियों के भर्ती प्रतिनिधियों के साथ बातचीत आयोजित करके छात्रों को उनके प्लेसमेंट में मार्गदर्शन और मदद करता है, छुट्टियों के दौरान इंटर्नशिप और स्नातक कार्यक्रम के अंत में नौकरी दोनों के लिए। हाल ही में, महाविद्यालय में आयोजित करियर मेले के दौरान 200 से अधिक छात्रों को ऑन-साइट ऑफर मिले,

जिसमें लगभग 20 कंपनियों ने हमारे छात्रों का साक्षात्कार लिया। सीसीपीसी हमारे छात्रों के बीच सॉफ्ट स्किल सिखाने और विकसित करने के लिए अक्सर विभिन्न कार्यशालाओं और सत्रों का आयोजन करती है।

https://rlacollege.edu.in/placement-cell.php

समान अवसर सेल, ईओसी

संयोजक: डॉ. निधि चंद्रा, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (मोबाइल: 9953598732)

महाविद्यालय के पास यह सुनिश्चित करने के लिए एक ईओसी है कि विकलांगता या अल्पसंख्यक या आरक्षित स्थिति के आधार पर महाविद्यालय परिसर के भीतर कोई भेदभाव नहीं होता है। ईओसी ने दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष पहल की है। महाविद्यालय में समर्पित वॉशरूम/शौचालय, स्पर्श पथ, रैंप, पुस्तकालय में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर और एक बुक बैंक है। दृष्टिबाधित छात्रों को महाविद्यालय में दाखिला लेते ही ब्रेल किताबें और लैपटॉप वापसी योग्य आधार पर उपलब्ध कराए जाते हैं। ईओसी सभी छात्रों को एक मंच प्रदान करने के लिए नियमित रूप से कार्यशालाओं, सेमिनारों और संगोष्ठियों का भी आयोजन करता है, विशेष रूप से महिलाओं, एससी, एसटी, ओबीसी और धार्मिक अल्पसंख्यक छात्रों के लिए ईओसी जनादेश के बारे में।

सुगम

संयोजक: श्री कप्तान, राजनीति विज्ञान विभाग (मोबाइल: **9873661532**)

'सुगम' शीर्षक वाली समिति का उद्देश्य विशेष रूप से हमारे दिव्यांग छात्रों को एक विचार-विमर्श मंच प्रदान करना है।

चिकित्सा और परामर्श सुविधाएं

महाविद्यालय अंशकालिक आधार पर एक योग्य डॉक्टर और एक पेशेवर परामर्शदाता की सेवाएँ उपलब्ध कराता है। एक योग्य नर्स सभी कार्य दिवसों पर निम्नलिखित समय पर उपलब्ध रहती है: सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक - सोमवार से शुक्रवार

डॉ. अनीत वाधवा (चिकित्सा अधिकारी)

डॉ. ज्योत्सना मित्तल (मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता फोन: 9717009272)

सुश्री पूजा (नर्स)

छात्र रियायत और विशेष शुल्क माफी

प्रत्येक वर्ष वर्ष के निर्धारित समय पर शुल्क माफी और छात्र सहायता निधि और अन्य छात्रवृत्ति के लिए छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। केवल ऐसे आवेदनों पर ही विचार किया जाता है जिनमें छात्र को कोई अन्य छात्रवृत्ति नहीं मिल रही हो।

महाविद्यालय निम्नलिखित अनुदान देकर जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है:

i. **शुल्क रियायत और छात्र सहायता** - हर साल जरूरतमंद और योग्य छात्रों के बीच 8 लाख रुपये वितरित किए जाते हैं। **संयोजक**: सुश्री दीक्षा सपरा

ii. **पीडब्ल्यूडी छात्रों को पूर्ण शुल्क माफ़** (प्रवेश शुल्क, छात्र संघ शुल्क और पहचान पत्र शुल्क को छोड़कर, कुल 75 रुपये प्रति वर्ष)

iii. **वाणिज्य में डॉ. एम सी गुप्ता छात्रवृत्ति** - 2021-22 से प्रत्येक वर्ष वाणिज्य के जरूरतमंद और मेधावी छात्रों को 6000/- रुपये की दो छात्रवृत्तियाँ। यह सुश्री रानी गुप्ता पत्नी स्वर्गीय डॉ. एमसी गुप्ता द्वारा उनके पति स्वर्गीय डॉ. एमसी गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), वाणिज्य विभाग आरएलए महाविद्यालय की स्मृति में प्रायोजित है।

iv. **डॉ. रमेश चंद्र और सुश्री कांति मिश्रा छात्रवृत्ति** - 2021-22 से प्रत्येक वर्ष जरूरतमंद और मेधावी छात्रों को 4000/- रुपये की दो छात्रवृत्तियाँ। यह डॉ आर सी मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), हिंदी विभाग, आरएलए महाविद्यालय द्वारा प्रायोजित है।

v. **डॉ. एम.एस. वर्मा छात्रवृत्ति** - 2021-22 से प्रत्येक वर्ष जरूरतमंद और मेधावी छात्र को 6000/- रुपये की एक छात्रवृत्ति। यह डॉ एम एस वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), वाणिज्य विभाग, आरएलए महाविद्यालय द्वारा प्रायोजित है।

vi. **डॉ. आर.के. अग्रवाल छात्रवृत्ति** - 2021-22 से प्रत्येक वर्ष जरूरतमंद और मेधावी छात्रों को 6000/- रुपये की एक छात्रवृत्ति। यह डॉ. आर.के. अग्रवाल, एसोसिएट प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), अर्थशास्त्र विभाग, आरएलए महाविद्यालय द्वारा प्रायोजित है।

vii. **श्री मोहन स्वरूप द्विवेदी मेमोरियल छात्रवृत्ति**- हिंदी विभाग की प्रोफेसर अर्चना गौड़ द्वारा अपने दिवंगत पिता श्री की स्मृति में 2022-23 से छात्रवृत्ति शुरू की गई है। मोहन स्वरूपद्विवेदी आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाली, हिंदी विशेष की पढ़ाई करने वाली और पहले और दूसरे वर्ष में न्यूनतम 55% अंक हासिल करने वाली छात्राओं के लिए।

viii. **डॉ. देवेन्द्र कुमार मेमोरियल छात्रवृत्ति**- 2022-23 तक प्रत्येक वर्ष इतिहास के जरूरतमंद और मेधावी छात्रों को 6000/- रुपये की दो छात्रवृत्तियाँ। यह श्रीमती मंजू शर्मा पत्नी स्वर्गीय डॉ. देवेन्द्र कुमार द्वारा अपने पति स्वर्गीय डॉ. देवेन्द्र कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, इतिहास विभाग, आरएलए महाविद्यालय की स्मृति में प्रायोजित है।

ix. **डॉ. जी.आर.तनेजा मेमोरियल छात्रवृत्ति**- 2022-23 से, कुल रु. की सात छात्रवृत्तियाँ। जरूरतमंद और मेधावी छात्रों को 42000/- (प्रत्येक 6000/- रुपये); एक अंग्रेजी का और छह अन्य हमारे महाविद्यालय के विभिन्न विभागों से। यह डॉ. रंजना श्रीवास्तव पत्नी स्वर्गीय

जी.आर. तनेजा द्वारा उनके पति स्वर्गीय जी.आर. तनेजा, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, आरएलए महाविद्यालय की स्मृति में प्रायोजित है।

x. **स्वर्गीय श्री दूले राम स्मृति छात्रवृत्ति -** अपने दिवंगत पिता श्री दुले राम की स्मृति में, हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र कुमार ने 5000/ रुपये की छात्रवृत्ति शुरू की है। बी.ए. में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति/पीडब्ल्यूडी वर्ग के छात्रों के लिए जिन्होंने हिंदी (विशेष) और विश्वविद्यालय परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

xi. **स्वर्गीय श्रीमती चट्टो देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति** - अपनी दिवंगत मां श्रीमती चट्टो देवी की स्मृति में, हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र कुमार ने 5000/ रुपये की छात्रवृत्ति शुरू की है। बी.ए. में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति/पीडब्ल्यूडी वर्ग के छात्रों के लिए जिन्होंने हिंदी (विशेष) और विश्वविद्यालय परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

xii. **स्वर्गीय श्री बीर सिंह मेमोरियल छात्रवृत्ति** - अपने दिवंगत भाई श्री बीर सिंह की स्मृति में, हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र कुमार ने 5000/ रुपये की छात्रवृत्ति शुरू की है। बी.ए. में पढ़ने वाले अनुसूचित जाति/पीडब्ल्यूडी वर्ग के छात्रों के लिए जिन्होंने हिंदी (विशेष) और विश्वविद्यालय परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया।

xiii. **डॉ. उषा अग्रवाल 'तेजस्वी' छात्रवृत्ति** - बी.कॉम प्रोग्राम के टॉपर विद्यार्थियों को उनके प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के परिणाम के आधार पर 6000/- रूपये की दो छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं।

xiv. **सुल्तान चंद द्रोपदी देवी मेमोरियल छात्रवृत्ति** - दूसरे वर्ष में प्राप्त सर्वोच्च अंकों के आधार पर तीसरे वर्ष के बी.कॉम विशेष छात्र को 6000/- रुपये की एक छात्रवृत्ति दी जाती है।

xv. **श्रीमती उमा मलिक मेमोरियल छात्रवृत्ति-**

यह छात्रवृत्ति मलिक परिवार द्वारा स्वर्गीय श्री राम लाल आनंद जी की पुत्री श्रीमती उमा मलिक जी की स्मृति में स्थापित की गई है, जो राम लाल आनंद महाविद्यालय के संस्थापक थे। इसमें जरूरतमंद और योग्य प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को 8000/- रुपये की राशि की आठ छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं।

xvi. **दिव्यांग छात्रों को परीक्षा शुल्क में छूट।**

xvii. **एससी एसटी छात्रों को ट्यूशन फीस माफ।**

xviii. **पूर्व छात्र छात्रवृत्ति** - महाविद्यालय का पूर्व छात्र संघ विभिन्न स्नातक कार्यक्रमों के टॉपर्स को 3000/- रुपये की 14 छात्रवृत्ति/पुरस्कार प्रदान करता है।

xix. **खेलकूद में छात्रों के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहन** - नीचे दिए गए विवरण के अनुसार, वर्ष के लिए अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय / अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय / उत्तर क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय और अंतर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार दिए जाते हैं। पुरस्कार राशि के साथ-साथ, अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय / अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय / उत्तर क्षेत्र विश्वविद्यालय टूर्नामेंट में भाग लेने वाले छात्रों की फीस वापस / माफ की जाती है।

वर्ग	**खेल का स्तर /खेल प्रतियोगिताएं)**	**प्रमाणपत्र जारी करने वाला प्राधिकारी**	**खेल/खेल प्रतियोगिताओं में पद/भागीदारी)**			
			प्रथम स्थान	**द्वितीय स्थान**	**तृतीय स्थान**	**भाग लेना**
क	ओलंपिक खेल /सीनियर विश्व कप / सीनियर विश्व चैम्पियनशिप /राष्ट्रमंडल खेल / एशियाई खेल / सीनियर एशियाई खेल / दक्षिण एशियाई खेल / पैरालंपिक खेल /जूनियर विश्व कप / जूनियर विश्व चैम्पियनशिप /एशियाई जूनियर	आईओसी/ आईएसएफ/ सीजीएफ/ ओसीए/ एसएओसी/ आईपीसी/ युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा मान्यता प्राप्त और वित्त पोषित	1,00,000/- और शुल्क वापसी	80,000/- एवं शुल्क वापसी	60,000/- और शुल्क वापसी	50,000/- एवं शुल्क वापसी

	चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया					
ख	राष्ट्रीय खेल / अखिल भारतीय विश्वविद्यालय / उत्तर क्षेत्र विश्वविद्यालय / खेलो इंडिया	आईएसएफ/ आईओए/ एनएसएफ/ डीयू/ युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा मान्यता प्राप्त और वित्त पोषित	10,000/- और शुल्क वापसी	8000/- एवं शुल्क वापसी	6000/- एवं शुल्क वापसी	5000/- एवं शुल्क वापसी
ग	इंटर कॉलेज		5000/-	3000/-	2000/-	

• वर्ष में खेले गए विश्वविद्यालय अंतर-महाविद्यालय मैचों और अन्य खेल प्रतियोगिताओं में अपना प्रयास दिखाने वाले और वास्तव में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रत्येक को 2000/- रुपये (लगभग) का विशेष पुरस्कार।

• छात्रों के लिए अंतर-विभागीय खेल टूर्नामेंट पुरस्कार:-

• टीम गेम विजेता - प्रत्येक खिलाड़ी को 1000/- रुपये

• टीम गेम उपविजेता - प्रत्येक खिलाड़ी को 800/- रुपये

• व्यक्तिगत स्पर्धा स्वर्ण - प्रत्येक खिलाड़ी को 1000/- रुपये

• व्यक्तिगत स्पर्धा रजत - प्रत्येक खिलाड़ी को 800/- रुपये

• व्यक्तिगत स्पर्धा कांस्य - प्रत्येक खिलाड़ी को 600/- रुपये

मतलूम, बीए हिंदी विशेष प्रथम वर्ष और विकास, बीए प्रोग्राम प्रथम वर्ष ने खेलो इंडिया टूर्नामेंट में खो-खो में दूसरा स्थान प्राप्त किया

स्तुति को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला

दिल्ली स्टेट जूडो चैंपियनशिप में हितेन ने दूसरा स्थान हासिल किया

सरकार द्वारा वित्त पोषित और परोपकारी छात्रवृत्ति

महाविद्यालय को समय-समय पर विभिन्न सरकारी एजेंसियों से छात्रवृत्ति अधिसूचना प्राप्त होती है, विशेष रूप से एससी / एसटी / ओबीसी श्रेणियों और धार्मिक अल्पसंख्यकों से संबंधित छात्रों के लिए। महाविद्यालय नियमित रूप से वेबसाइट, नोटिस बोर्ड और आईक्यूएसी के माध्यम से ऐसी जानकारी को अधिसूचित करता है। ऐसी योजनाओं के कुछ उदाहरण हैं पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों के लिए ईशान उदय, दिल्ली सरकार से छात्रवृत्ति, जम्मू और कश्मीर से संबंधित छात्रों के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति (पीएमएसएसएस), इंस्पायर और ब्रदरहुड जैसे परोपकारी संगठन आदि। अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित लिंक पर जाएं https://scholarships.gov.in/ और https://www.aicte-jk-scholarship-gov.in/login.php

नोडल अधिकारी: प्रोफेसर मुक्ता मजूमदार (सांख्यिकी विभाग)

उद्योग शिक्षा इंटरफ़ेस

अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने और छात्रों को अनुभवात्मक शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए, महाविद्यालय द्वारा हाल के वर्षों में दिल्ली के दस कॉलेजों के आईक्यूएसी (आईक्यूएसी क्लस्टर), एसएम सहगल फाउंडेशन, मोलिटिक्स, अमर उजाला प्रकाशन लिमिटेड, वर्चुअल लैब्स, कैलिक्सपॉड सॉल्यूशंस, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय और विकलांगों का परिवार (एफओडी)।

मेंटरशिप

पाठ्यचर्या और सह-पाठ्यचर्या मार्गदर्शन के अलावा, महाविद्यालय प्रत्येक छात्र के मनोवैज्ञानिक और व्यक्तित्व विकास के लिए प्रतिबद्ध रहता है। इस संबंध में, महाविद्यालय के प्रत्येक छात्र को औपचारिक रूप से एक विशेष शिक्षक के साथ मेंटी के रूप में जोड़ा जाता है जो एक संरक्षक की भूमिका में काम करता है। नियमित बातचीत के अलावा, मेंटर और मेंटी के बीच नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी छात्र महाविद्यालय जीवन के दौरान किसी भी तरह से अलग-थलग महसूस न करे। मेंटर-मेंटी बैठकें नियमित रूप से निर्धारित समय-सारणी के अनुसार प्रत्येक सप्ताह 2 घंटे के निर्धारित समय पर होती हैं। सत्र शुरू होने के एक महीने के भीतर एक सूची तैयार की जाएगी, जिसमें सभी प्रथम वर्ष के छात्रों को एक-एक संकाय सदस्य आवंटित किया जाएगा।

रेमेडियल कक्षाएं

मंद शिक्षार्थियों के लिए, हमारे संकाय सदस्य प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में रेमेडियल कक्षाएं लेते हैं। इसके लिए प्रत्येक विभाग द्वारा अलग-अलग अनुसूची प्रदर्शित की जाती है। रेमेडियल कक्षाएं ऐसे छात्रों के लिए भी सहायक होती हैं, जो अंतर-महाविद्यालय सह-पाठ्यचर्या और खेल गतिविधियों में भाग लेने के कारण कक्षाओं / व्याख्यान से चूक जाते हैं।

अभिभावक-शिक्षक बैठकें

महाविद्यालय नियमित रूप से अभिभावक-शिक्षक बैठकों को प्राथमिकता देता है जिसमें विभाग का दौरा और छात्रों के प्रदर्शन के बारे में शिक्षकों और माता-पिता के बीच एक इंटरैक्टिव सत्र शामिल है। महाविद्यालय ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से माता-पिता से प्रतिक्रिया भी एकत्र करता है।

छात्रों की फीडबैक प्रणाली

छात्रों से फीडबैक शैक्षणिक सत्र के प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में ऑनलाइन एकत्र की जाती है। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए फीडबैक प्रपत्रों का विश्लेषण किया जाता है।

छात्रों की एन्हांस्ड लर्निंग

छात्रों और संकाय के सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए, राम लाल आनंद महाविद्यालय ने खुद को नामांकित किया है

- एमओई प्रायोजित नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एन्हांस्ड लर्निंग (एनपीटीईएल) के लिए स्थानीय अध्याय जो ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है। हाल के वर्षों में 400 से अधिक नामांकन किए गए थे, जिनमें से कई छात्रों ने एलीट + गोल्ड, एलीट + सिल्वर, एलीट आदि जैसे प्रमाणपत्रों की विभिन्न श्रेणियों को सफलतापूर्वक पूरा किया है। कई शिक्षकों को शीर्ष प्रदर्शन करने वाले संरक्षक प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है। राम लाल आनंद महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय का एकमात्र महाविद्यालय है जिसने 2019 में एनपीटीईएल द्वारा जारी **सक्रिय स्थानीय अध्यायों** की सूची में अपनी जगह बनाई है. नामांकन वर्ष में दो बार किया जाता है। छात्रों को कम से कम एक कोर्स करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- महाविद्यालय इंजीनियरिंग, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, गणित, व्यवसाय, वित्तपोषण, कंप्यूटर विज्ञान, डिजिटल मार्केटिंग, मानविकी, चिकित्सा, जीव विज्ञान, सामाजिक विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों के **कोर्सेरा प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध विभिन्न अमेरिकी बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रमों (एमओओसी)** में मुफ्त नामांकन के लिए प्राप्त लाइसेंस के माध्यम से छात्रों के नामांकन को भी बढ़ावा देता है। इससे पहले, महाविद्यालय ने नामांकन के लिए 1700 मुफ्त लाइसेंस प्राप्त किए। इसके अलावा, कोर्सेरा प्लेटफॉर्म पर छात्रों और संकाय द्वारा 13 विशेष पाठ्यक्रमों सहित 750 से अधिक सर्टिफिकेट कोर्स पूरे हुए।

एनपीटीईएल और एमओओसी के लिए एकल संपर्क बिंदु (एसपीओसी) - डॉ. शिखा मक्कड़, वाणिज्य विभाग

वर्चुअल लैब्स

हमारा महाविद्यालय वर्चुअल लैब्स के लिए नोडल केंद्रों में से एक है जो विज्ञान स्ट्रीम में विभिन्न कार्यक्रमों में अध्ययन करने वाले छात्रों द्वारा प्रयोगों की बेहतर समझ के लिए एमओई की एक पहल है। https://web.iitd.ac.in/~sbhalla/virtuallabgallery.html

समन्वयक - डॉ नीरज कुमार शर्मा, कंप्यूटर विज्ञान विभाग

छात्रों के लिए आईसीटी सुविधाएं

महाविद्यालय ने सभी छात्रों के बीच तकनीकी प्रगति के कारण को बहुत गंभीरता से लिया है। वर्तमान में महाविद्यालय में **280+ कंप्यूटर** स्थापित हैं और महाविद्यालय में विभिन्न प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, विभागों, स्टाफ रूम, प्रशासनिक और अन्य औपचारिक स्थानों आदि में काम कर रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2022-23 से, कक्षाओं में विशेष रूप से नौ स्मार्ट बोर्ड लगाए गए हैं, जहां विज्ञान पाठ्यक्रमों के लिए व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं।

छात्रों के लिए एक समर्पित कंप्यूटर लैब भी कार्यात्मक है और डिजिटल और आभासी दुनिया को सीखने और एक्सेस करने के लिए हर कार्य दिवस पर हर कार्य दिवस पर महाविद्यालय के सभी *छात्रों के लिए* विशेष रूप से उपलब्ध है। कंप्यूटर दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वर से जुड़े हुए हैं जो छात्रों को बड़ी संख्या में पत्रिकाओं और पुस्तकों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान करता है।

इसके अलावा, महाविद्यालय वापसी योग्य आधार पर महाविद्यालय में दूसरे और तीसरे वर्ष में प्रत्येक छात्र को शैक्षिक उद्देश्यों **के लिए लैपटॉप** प्रदान करने की विश्वविद्यालय-स्वीकृत योजना का विधिवत पालन करता है।

विश्वविद्यालय के प्रयासों के पूरक के लिए, महाविद्यालय ने एक **वाई-फाई-सक्षम परिसर** प्रदान किया है। महाविद्यालय में लैन से जुड़े कुल 40 आईसीटी-सक्षम कक्षाएं हैं, जिनमें से 18 **स्मार्ट कक्षाएं** हैं, और बीजेएमसी, कंप्यूटर विज्ञान, वाणिज्य, भूविज्ञान और सांख्यिकी, सूक्ष्मजीव विज्ञान और गणित के विभागों में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं। सभी कक्षाएं आईटी-सक्षम हैं।

कोविड महामारी के दौरान, ऑनलाइन शिक्षण-अधिगम जारी रहा, और महाविद्यालय ने अपने आईटी समर्थन और बुनियादी ढांचे को बढ़ाया। छात्रों और संकाय को ऑनलाइन कक्षाओं के लिए संस्थागत ईमेल आईडी के साथ जी-सूट खाता सुविधा प्रदान की गई और गूगल कक्षा तक पहुंच प्रदान की गई। शैक्षणिक सत्र 2020-21 की शुरुआत से पहले सभी संकाय सदस्यों के लिए आईसीटी टूल्स और एलएमएस पर एक एफडीपी आयोजित किया गया था, ताकि गूगल मीट, गूगल क्लासरूम, कैनवास, जियोमीट और ज़ूम, फोटो और वीडियो एडिटिंग टूल सहित सभी प्लेटफार्मों को कवर करने वाले ऑनलाइन शिक्षण की सुविधा मिल सके।

पाठ्यक्रम संवर्धन के लिए, महाविद्यालय ने लॉकडाउन अवधि का रचनात्मक रूप से उपयोग करने के लिए ऑनलाइन मोड में छात्रों (महाविद्यालय के छात्रों के लिए किसी भी अतिरिक्त शुल्क के बिना) के लिए 21 कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम की पेशकश की।

महाविद्यालय ने एक ट्विटर हैंडल बनाकर अपनी सोशल मीडिया पहुंच का भी विस्तार किया **है: @RLAC_DU**

महाविद्यालय का अपना **यूट्यूब चैनल** है जहां अन्य आभासी कृतियों के अलावा हमारे संकाय सदस्यों के पूर्व-रिकॉर्ड किए गए व्याख्यान व्यापक पहुंच के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं।

हमारे इन-हाउस अत्याधुनिक स्टूडियो में महाविद्यालय विभिन्न विभागों के चुनिंदा छात्रों को स्क्रीन और प्रशिक्षित करता है जो वेब आधारित पोर्टल और कार्यक्रमों को डिजाइन करने में रुचि रखते हैं। ऐसे छात्रों को औपचारिक रूप से डिजिटल प्लेटफार्मों पर और आरएलए महाविद्यालय द्वारा होस्ट किए गए **सामुदायिक रेडियो चैनल** पर डिजाइन और प्रसारण करने में मदद करने के लिए निर्देशित किया जाता है।

महाविद्यालय ने उद्योग जुड़ाव, कौशल विकास और शैक्षणिक प्रशिक्षण के लिए छात्रों और संकाय को सहायता प्रदान करने के लिए पांच साल के लिए आईसीटी अकादमी की सदस्यता ली है।

लैपटॉप बैंक:

विश्वविद्यालय ने जरूरतमंद छात्रों के बीच उनकी दिन-प्रतिदिन की डिजिटल / आभासी शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए वितरित करने के लिए महाविद्यालय को पर्याप्त संख्या में लैपटॉप प्रदान किए हैं। प्रत्येक छात्र जिसने प्रथम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की है, वह लैपटॉप के लिए आवेदन करने के लिए पात्र है। परीक्षा शुरू होने से पहले प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में, छात्र को लैपटॉप वापस करना होगा और परीक्षा लिखने के योग्य बनने के लिए मंजूरी प्राप्त करनी होगी।
लैपटॉप वितरण प्रभारी- डॉ. नीरज कुमार शर्मा, कंप्यूटर विज्ञान विभाग

पुस्तक बैंक:

पुस्तक बैंक योजना के अंतर्गत, महाविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों और विभागों में जरूरतमंद और योग्य छात्रों को निर्धारित पाठ्यक्रम-आधारित अध्ययन सामग्री और प्रासंगिक पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराता है।

जानकारी साझा करना

छात्रों को प्रासंगिक जानकारी के साथ अद्यतन रखने के लिए महाविद्यालय विभिन्न प्लेटफार्मों का उपयोग करता है; महाविद्यालय में स्थापित डिजिटल स्मार्ट बोर्ड, प्रत्येक छात्र को एसएमएस / पाठ संदेश और ईमेल, वेबसाइट के साथ-साथ महाविद्यालय के भीतर प्रमुख भौतिक स्थानों पर सूचनाएं। इसके अलावा, शिक्षक नए एलएमएस प्लेटफार्मों जैसे गूगल क्लासरूम, मूडल, कैनवास आदि और व्हाट्सएप, जूम, गूगल मीट, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स आदि के माध्यम से वीडियो मीटिंग और चैट के माध्यम से नियमित रूप से छात्रों के साथ बातचीत करते हैं।

अनुशासन सह रैगिंग विरोधी समिति

कोई भी छात्र निम्नलिखित माध्यमों से किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए संस्थान से संपर्क कर सकता है:

- महाविद्यालय की वेबसाइट *www.rlacollege.edu.in* के माध्यम से या ई-मेल *rlac.du @gmail.com* के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें
- इसे महाविद्यालय शिकायत बॉक्स में छोड़ कर लिखित शिकायत जमा करें।
- सीधे प्राचार्य से संपर्क करें।

महाविद्यालय की वेबसाइट में निम्नलिखित समर्पित शिकायत फॉर्म हैं:

- सामान्य शिकायतें और शिकायतें
- एससी/एसटी/ओबीसी बिरादरी से शिकायतें और शिकायतें
- रैगिंग के संबंध में शिकायतें और शिकायतें
- यौन उत्पीड़न के खिलाफ शिकायतें और शिकायतें

देखें अध्यादेश XV-B & C, के संबंध में: विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना और रैगिंग के लिए निषेध और सजा
http://www.du.ac.in/uploads/new-web/18112021_guideline_anti-ragging.pdf

सुश्री प्रज्ञा देशमुख (संयोजक) मोबाइल: 9911220346
डॉ. विशाल गोस्वामी (सह-संयोजक) मोबाइल: 9999055910
प्रो. प्रदीप शर्मा
डॉ. कुलदीप चौहान
डॉ. नुपुर साबू
डॉ. पवन कुमार
श्री भुक्या राजेंद्र
डॉ. शिखा मक्कड़
श्री कृष्ण कुमार
सुश्री मेघना शर्मा

सूचना का अधिकार अधिनियम समिति

(सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा वी (1) के तहत)

लोक सूचना अधिकारी: प्रोफेसर राकेश कुमार, हिंदी विभाग, 9899686959
डिप्टी पी.आई.ओ: डॉ. शचि मीणा, इतिहास विभाग, 8527818389
अपीलीय प्राधिकारी: प्रोफेसर राकेश के. गुप्ता, प्राचार्य

कृपया अधिक जानकारी के लिए निम्न लिंक पर जाएँ: **https://rlacollege.edu.in/RTI_Act.php**

आंतरिक शिकायत समिति

विश्वविद्यालय समुदाय के सभी सदस्यों के लिए यौन उत्पीड़न से मुक्त एक शैक्षणिक और कार्य वातावरण बनाए रखने और बनाने के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय ने "यौन उत्पीड़न" पर कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 को अपनाया। इसे ध्यान में रखते हुए, महाविद्यालय ने यौन उत्पीड़न के खिलाफ एक विधिवत गठित आंतरिक शिकायत समिति बनाई है। समिति महाविद्यालय में समानता और लैंगिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए एक माहौल बनाना सुनिश्चित करेगी। महाविद्यालय समुदाय के किसी भी सदस्य से यौन उत्पीड़न के खिलाफ शिकायतों पर समिति द्वारा ध्यान दिया जाता है।
समिति के सदस्य इस प्रकार हैं:
सीमा गुप्ता **पीठासीन अधिकारी**
राकेश कुमार वरिष्ठ शिक्षक (इतिहास)
वंदना गुप्ता वरिष्ठ शिक्षक (सूक्ष्मजीव विज्ञान)
एडवोकेट मनीषा अग्रवाल बाहरी विशेषज्ञ (भारत का सर्वोच्च न्यायालय)
श्रीमती चंचल बत्रा नॉन-टीचिंग स्टाफ (अनुभाग अधिकारी एडमिन)

प्रत्येक वर्ष तीन छात्र सदस्यों को नामित किया जाता है। इस वर्ष निम्नलिखित निर्वाचित हुए हैं:
1. खुशी (बीजेएमसी)
2. धर्मवीर (राजनीति विज्ञान)
3. सोनाली सिंह (राजनीति विज्ञान)

http://www.du.ac.in/du/uploads/12022018_IIC_UGC-regulations_sexual- उत्पीड़न.pdf
http://www.shebox.nic.in/assets/site/main/images/Sexual-Harassment-at-Workplace-Act.pdf

अधिक जानकारी के लिए कृपया निम्न लिंक पर जाएँ: https://rlacollege.edu.in/special-committees.php

छात्र शिकायत निवारण समिति

यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (छात्रों की शिकायतों का निवारण) विनियम, 2023 के तहत अनिवार्य एक समिति है। संस्थान में पहले से नामांकित छात्र या प्रवेश चाहने वाले लोग महाविद्यालय की वेबसाइट www.rlacollege.edu.in (शिकायत और शिकायत टैब) पर जाकर अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं।

समिति की संरचना इस प्रकार है:

- **अध्यक्ष: प्रोफेसर राकेश कुमार गुप्ता, प्राचार्य**

सदस्य:

- वंदना गुप्ता, प्रोफेसर, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग
- डॉ. प्रदीप के. शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग
- डॉ. सुरेन्द्र कुमार, सहायक प्रोफेसर, हिन्दी विभाग
- श्री कप्तान, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग
- एक छात्र प्रतिनिधि

प्रशासनिक कर्मचारी - वर्ग

अनुभाग अधिकारी (प्रशासन) सुश्री चंचल बत्रा
अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री संजय जैन (कार्यवाहक)
प्राचार्य के वरिष्ठ पीए श्री अरविंद सिंह परिहार

विद्यार्थियों के लिए सामान्य नियम

महाविद्यालय का समय

महाविद्यालय सुबह 08.00 बजे से रात 8:00 बजे तक कार्य करता है और जुलाई और जनवरी से शुरू होने वाले दोनों सेमेस्टर के अनुसार समय सारणी तैयार की जाती है। प्रत्येक व्याख्यान / ट्यूटोरियल / व्यावहारिक एक घंटे की अवधि का है।

उपस्थिति और आचरण

छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय परीक्षा में उपस्थित होने के लिए पात्र होने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित उपस्थिति की न्यूनतम पात्रता आवश्यकताओं को पूरा करना आवश्यक है। उन्हें सामान्य आचरण और महाविद्यालय अनुशासन के पालन के बारे में महाविद्यालय के अधिकारियों को भी संतुष्ट करना चाहिए और विश्वविद्यालय परीक्षा में उपस्थित होने में सक्षम बनाने के लिए अन्य प्रासंगिक मानदंडों को पूरा करना चाहिए। कोई भी छात्र जो अनिवार्य उपस्थिति मानदंडों को पूरा करने में असमर्थ होगा, उसे परीक्षा लिखने से रोक दिया जाएगा।

ईआरपी

एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) एक सॉफ्टवेयर है जिसका उपयोग महाविद्यालय में मुख्य रूप से दैनिक शिक्षण-अधिगम गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए किया जा रहा है। ईआरपी ऐप पर प्रत्येक छात्र और शिक्षक को एक विशिष्ट आईडी प्रदान की जाती है। वेब पोर्टल पर आधारित इस ऐप में प्रत्येक छात्र और शिक्षक जुड़े रहते हैं। रियल टाइम अटेंडेंस, मूल्यांकन से संबंधित जानकारी, विभागीय समितियों की गतिविधियाँ, महत्वपूर्ण तिथियों का प्रचार-प्रसार आदि नियमित आधार पर प्रदान किया जाता है। सॉफ्टवेयर/ऐप का नाम "स्मार्टप्रोफ आरएलएसी" है और सॉफ्टवेयर का यूआरएल "https://www.rla.mobiquel.com/smartprof/index.php" है।

अनुशासन, रैगिंग विरोधी, यौन उत्पीड़न के खिलाफ

इनमें से किसी भी नियम का पालन न करने/उल्लंघन करने को अनुशासनहीनता माना जाएगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। महाविद्यालय की अनुशासन समिति जुर्माना लगा सकती है या घोर अनुशासनहीनता के मामलों में किसी छात्र को निष्कासित/निष्कासित कर सकती है। छात्र को दिल्ली विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अध्यादेशों, अध्यादेश XV-B, XV-C, XV-D (http://www.du.ac.in) का पालन करना होगा। शिष्य के संबंध में यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रत्येक छात्र को महाविद्यालय परिसर के बाहर भी इस प्रतिष्ठित संस्थान के छात्र के अनुरूप कार्य और व्यवहार करना चाहिए।

माइग्रेशन

महाविद्यालय में माइग्रेशन विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार किया जाता है और महाविद्यालय के पास अधिकार / विवेक है; यदि किसी पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या स्वीकृत संख्या से कम है, तो इन-माइग्रेशन की अनुमति दी जाती है और यदि किसी पाठ्यक्रम में छात्रों की संख्या स्वीकृत संख्या के बराबर या उससे कम है, तो आउट-माइग्रेशन की अनुमति नहीं है।

पहचान पत्र

छात्रों को बार-कोडेड आईडी कार्ड दिए जाते हैं और प्रत्येक छात्र को हर दिन महाविद्यालय में अपना पहचान पत्र ले जाना चाहिए। जब भी ऐसा करने की आवश्यकता हो, उन्हें इसका उत्पादन करना चाहिए।

नोटिस

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी जानकारी के लिए नियमित रूप से नोटिस बोर्ड, ईआरपी ऐप, महाविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय वेबसाइट और कक्षा व्हाट्सएप समूहों की जांच करें। हालांकि महाविद्यालय छात्रों को एसएमएस के माध्यम से भी सूचित करता है, लेकिन यह पूरी तरह से छात्र की जिम्मेदारी होगी कि वह खुद को अपडेट रखे।

आदेश और चुप्पी

छात्रों को ऑनलाइन/ऑफलाइन कक्षाओं और कार्यक्रमों के दौरान शिष्टाचार बनाए रखना चाहिए। यदि कोई गड़बड़ी पैदा करता हुआ या कोई शरारत करता हुआ पाया जाता है या किसी भी प्रकार का व्यवधान पैदा करता है, तो ऐसे छात्रों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसके कारण गलत काम की गंभीरता के आधार पर महाविद्यालय से निलंबन / बर्खास्तगी / निष्कासन हो सकता है। छात्रों को महाविद्यालय परिसर में गलियारों में नहीं बैठना चाहिए या ऊंची आवाज में बात नहीं करनी चाहिए।

मोबाइल फोन

ऑफलाइन कक्षाओं, पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं, सभागारों और सेमिनार हॉल में सेलफोन का उपयोग, विशेष रूप से नियमित व्याख्यान / व्यावहारिक / ट्यूटोरियल / अध्ययन / कार्यक्रम / परीक्षा आदि के दौरान सख्ती से निषिद्ध है। किसी भी उल्लंघन के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मोबाइल फोन या किसी अन्य डिवाइस पर संगीत बजाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

धूम्रपान न करें

महाविद्यालय धूम्रपान मुक्त क्षेत्र है। उल्लंघन के किसी भी कार्य को दंडित किया जाएगा।

सफ़ाई

लॉन सहित महाविद्यालय परिसर को साफ रखा जाना चाहिए। महाविद्यालय की संपत्ति को विरूपित या बिगाड़ने वालों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। छात्रों को स्वच्छता अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है।

बाहरी

बाहरी लोगों को महाविद्यालय परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। यदि इस तरह के दौरे आवश्यक हैं, तो उन्हें प्राचार्य की पूर्व अनुमति लेनी होगी और मुख्य प्रवेश द्वार पर रखे रजिस्टर में अपना विवरण दर्ज करना होगा।

आगंतुकों

छात्रों को महाविद्यालय में आगंतुकों को प्राप्त करने या मनोरंजन करने की अनुमति नहीं है। अत्यधिक तात्कालिकता के मामले में, केवल माता-पिता / अभिभावक प्रशासनिक अधिकारी या अनुभाग अधिकारी (प्रशासन) से संपर्क कर सकते हैं।

पार्किंग

छात्रों को महाविद्यालय परिसर के अंदर अपने वाहन लाने की अनुमति नहीं है।

शुल्क भुगतान

प्रत्येक वर्ष की शुरुआत में प्रत्येक छात्र को डीयू ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से महाविद्यालय शुल्क जमा करना आवश्यक है। भुगतान में देरी से जुर्माना और जुर्माना और बढ़ जाता है। छात्रों को समय पर भुगतान के बारे में सावधान रहने की आवश्यकता है अन्यथा छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

प्रवेश पत्र: छात्र को प्रत्येक सेमेस्टर परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र डाउनलोड करने की आवश्यकता है। परीक्षा फॉर्म भरते समय, छात्रों को अद्वितीय पेपर कोड के बारे में सावधान रहने और महाविद्यालय कार्यालय से इसकी पुष्टि करने की आवश्यकता है। थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों के लिए छात्र द्वारा परीक्षा फॉर्म में सही जानकारी भरी जानी चाहिए।

परीक्षा शुल्क में देरी

हर साल मार्च और सितंबर के महीनों में छात्रों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से परीक्षा फॉर्म जमा करना और परीक्षा शुल्क जमा करना आवश्यक है। निर्धारित समय के भीतर ऐसा करने में विफल रहने पर परीक्षा में बैठने से वंचित कर दिया जाएगा। इसके अलावा, परीक्षा फॉर्म और शुल्क देर से जमा करने पर वैधानिक जुर्माना / जुर्माना लगाया जाएगा।

पुस्तक जारी करने के लिए पुस्तकालय नियम

पुस्तकालय में छात्रों को जारी की गई पुस्तकें निर्धारित समय के भीतर वापस करनी होंगी। देरी के पहले 15 दिनों के लिए 2 रुपये प्रतिदिन तथा समय पर वापस न की गई प्रत्येक पुस्तक के लिए छात्रों पर 5 रुपये प्रतिदिन का जुर्माना लगाया जाएगा। पुस्तकालय से सभी बकाया राशि का भुगतान करने के बाद ही छात्र को परीक्षा देने के लिए अनुमति दी जाएगी। विस्तृत पुस्तकालय नीति के लिए कृपया आरएलए महाविद्यालय की वेबसाइट देखें।

संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर जुर्माना

महाविद्यालय की संपत्ति के साथ-साथ महाविद्यालय के सामान्य संसाधनों के किसी भी विरूपण / क्षति / दुरुपयोग से अत्यधिक गंभीरता से निपटा जाएगा। यह अनुशासनात्मक कार्रवाई / सजा / जुर्माना / निलंबन / निष्कासन या यहां तक कि पुलिस के साथ कानूनी कार्रवाई के लिए अपराध को अग्रेषित करेगा।

परीक्षा की योजना

परीक्षा

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे अपने सेमेस्टर-अंत परीक्षा की शुरुआत से पहले अपने परीक्षा प्रवेश पत्र डाउनलोड करें। छात्रों को नियमित रूप से विभिन्न मापदंडों जैसे कक्षा परीक्षण, ओपन-बुक परीक्षा, लिखित असाइनमेंट, परियोजनाओं, प्रस्तुतियों, वाइवा, पीपीटी आदि पर सेमेस्टर परिणामों के लिए मूल्यांकन और मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक छात्र से ऐसी सभी गतिविधियों में भाग लेने की उम्मीद की जाती है ताकि उसका मूल्यांकन और मूल्यांकन उचित रूप से किया जा सके।

अनुपस्थिति

1. यदि कोई छात्र लगातार चार व्याख्यान / ट्यूटोरियल / प्रैक्टिकल के लिए अनुपस्थित है, तो उसे माता-पिता में से एक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित एक आवेदन लिखना होगा, जो महाविद्यालय के प्रिंसिपल को संबोधित करता है, जिसमें कक्षा में लौटने पर तुरंत अनुपस्थिति का कारण बताना होगा।
2. यदि कोई छात्र चिकित्सा कारणों से अनुपस्थित है, तो उसे इस आशय का एक आवेदन लिखना होगा और महाविद्यालय में शामिल होने पर तुरंत एक चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। इन आवेदनों और चिकित्सा प्रमाण पत्र को महाविद्यालय कार्यालय में जमा किया जाना चाहिए। सेमेस्टर के अंत में आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

3. आवश्यक उपस्थिति (न्यूनतम 67%) से कम छात्रों को अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया जाएगा।

4. ऐसे छात्रों के लिए जिन्हें अंतर-महाविद्यालय सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में भाग लेने के कारण कक्षाओं / व्याख्यानों से चूकना पड़ता है, महाविद्यालय विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार उपस्थिति में विशेष रियायत देता है (अध्यादेश VII (2)।

5. छात्रों को एक सेमेस्टर के दौरान आयोजित सभी पेपरों में अलग-अलग कम से कम 67% व्याख्यान और ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल (जहां भी लागू हो) में भाग लेने की आवश्यकता होती है, जिसमें विफल रहने पर उन्हें विश्वविद्यालय की परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. परीक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित विश्वविद्यालय शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में आयोजित की जाएगी।

7. **उत्तीर्णता एवं पदोन्नति मानदंड:** राम लाल आनंद महाविद्यालय विशेष पाठ्यक्रम और समग्र कार्यक्रम में छात्रों को एक बैच से दूसरे बैच में उत्तीर्ण करने और पदोन्नति देने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों, मानदंडों और पात्रता मानदंडों का सख्ती से पालन करता है। एनईपी 2020 आधारित यूजीसीएफ 2022 उत्तीर्ण और पदोन्नति पात्रता मानदंडों के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें।

यूजीसीएफ के तहत विश्वविद्यालय द्वारा आंतरिक मूल्यांकन (आईए) और निरंतर मूल्यांकन (सीए) अंक गणना के लिए 2022-23 नए नियम अधिसूचित किए गए हैं;

https://www.du.ac.in/uploads/new-web/22032023_Notification%20-%20Amendment%20to%20Ordinances%20VIII.pdf

महाविद्यालय में छात्रों की IA और CA आवश्यकताओं के लिए उनके मूल्यांकन की एक विस्तृत और व्यापक प्रक्रिया है। छात्रों को इसके बारे में पहले से ही सूचित कर दिया जाता है।

आंतरिक मूल्यांकन:

(i) आंतरिक मूल्यांकन (आईए) में कक्षा परीक्षण, असाइनमेंट/प्रस्तुतियों और उपस्थिति में प्राप्त अंक शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, 25 अंकों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए, कक्षा परीक्षा में 10 अंक शामिल होंगे, असाइनमेंट / प्रस्तुतियों में 10 अंक शामिल होंगे और उपस्थिति 5 अंकों के लिए होगी। इसी तरह, 30 अंकों के आईए के लिए, उपस्थिति के लिए 6 अंक, कक्षा परीक्षण के लिए 12 अंक और असाइनमेंट / प्रस्तुतियों के लिए 12 अंक होंगे।

(ii) उपस्थिति के लिए छह अंक निम्नानुसार वितरित किए जाएंगे:

उपस्थिति कट-ऑफ अंक (6 में से)

67% से अधिक लेकिन 70% से कम	1.2 marks
70% या अधिक लेकिन 75% से कम	2.4 marks
75% या अधिक लेकिन 80% से कम	3.6 marks
80% या अधिक लेकिन 85% से कम	4.8 marks
85% और उससे अधिक	6.0 marks

निरंतर मूल्यांकन

ट्यूटोरियल के निरंतर मूल्यांकन के लिए आवंटित चालीस अंकों में से, पांच अंक उपस्थिति के लिए होंगे, जिन्हें निम्नानुसार वितरित किया जाएगा:

उपस्थिति कट-ऑफ अंक (5 में से)

67% से अधिक लेकिन 70% से कम	1 mrks
70% या अधिक लेकिन 75% से कम	2 marks
75% या अधिक लेकिन 80% से कम	3 marks
80% या अधिक लेकिन 85% से कम	4 mrks
85% और उससे अधिक	5 mrks

*प्रैक्टिकल के लिए निरंतर मूल्यांकन में उपस्थिति के लिए अंक नहीं होंगे.

कुल **चार** क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए व्यावहारिक अंक शामिल होंगे:

(i) निरंतर मूल्यांकन (25%),
(ii) अंतिम अवधि व्यावहारिक परीक्षा (50%)
(iii) मौखिक परीक्षा (25%)

कुल **दो** क्रेडिट के पाठ्यक्रमों के लिए व्यावहारिक अंक शामिल होंगे:

(i) निरंतर मूल्यांकन (25%)
(ii) अंतिम अवधि व्यावहारिक / लिखित परीक्षा (50%)
(iii) मौखिक परीक्षा (25%)

नोट:

1. उपरोक्त के अलावा, विषम सेमेस्टर के लिए सितंबर/अक्टूबर माह और सम सेमेस्टर के दौरान फरवरी/मार्च माह के दौरान परीक्षा फॉर्म जमा करते समय विश्वविद्यालय परीक्षा शुल्क देय होगा। शुल्क विवरण नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर अधिसूचित किया जाएगा।
2. शुल्क की राशि का भुगतान डीयू ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से करना होगा।

बुनियादी सुविधाएं

पुस्तकालय

पुस्तकालय का कुल कार्पेट एरिया 1500 वर्ग मीटर है, जिसमें से 500 वर्ग मीटर छात्रों के लिए पढ़ने की जगह के रूप में निर्धारित किया गया है, जिसमें से 50 वर्ग मीटर शिक्षण कर्मचारियों के लिए और अन्य 50 वर्ग मीटर दिव्यांगों के लिए है। पुस्तकालय की कुल बैठने की क्षमता 120 है। वर्तमान में इसके काम के घंटे सुबह 8:00 बजे से शाम 8:00 बजे तक हैं, और महाविद्यालय छुट्टियों को छोड़कर जल्द ही इसे आगे बढ़ाने की योजना बना रहा है। एक अच्छी तरह से रोशनी और पूरी तरह से वातानुकूलित पुस्तकालय, यह व्यक्तिगत रीडिंग कैरेल, ब्राउज़िंग और आराम से पढ़ने के लिए एक लाउंज क्षेत्र और ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए एक आईटी क्षेत्र प्रदान करता है। महाविद्यालय ने अपने छात्रों, संकाय और कर्मचारियों के लिए नवीनतम पत्रिकाओं, पत्रिकाओं और पुस्तकों की सदस्यता ली है। हमारे पुस्तकालय में लगभग 67000 किताबें, 40 से अधिक पत्रिकाओं और 14 समाचार पत्रों (हिंदी और अंग्रेजी दोनों) की सदस्यता, 8 किंडल रीडर, 6 वेब-कनेक्टेड लैपटॉप, 2 डेस्कटॉप विशेष रूप से उन्हें दिव्यांगों के अनुकूल बनाने के लिए सॉफ्टवेयर प्रदान किए जाते हैं, 6 डेज़ी प्लेयर्स, केआईबीओ बहुभाषी कीबोर्ड स्कैनर और दृष्टिबाधित छात्रों के लिए रीडिंग कंपेनियन। पुस्तकालय एन-लिस्ट के माध्यम से डिजिटल रूप से जुड़ा हुआ है और वीएच छात्रों के लिए सुगम पुस्तकालय वार्षिक सदस्यता हासिल की है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) को महाविद्यालय द्वारा अभिदान दिया गया है। ऑनलाइन ई-संसाधनों/ई-पुस्तकों/ई-जर्नल तक दूरस्थ पहुंच के लिए, महाविद्यालय एन-लिस्ट पोर्टल के लिए प्रत्येक छात्र को लॉगिन आईडी और पासवर्ड प्रदान करता है। ओपीएसी प्रणाली पुस्तकालय में पुस्तकों की आसान पहुंच और स्थान के लिए कार्यात्मक है। पुस्तकों के डिजिटल पठन की सुविधा के लिए किंडल अनुभाग चालू है। किंडल उपकरणों पर अब दो लाख से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। संकाय के लिए, एक पूरी तरह कार्यात्मक समर्पित रीडिंग रूम उपलब्ध है जिसमें किताबें (ब्रेल में), लैपटॉप और सॉफ्टवेयर विशेष रूप से दृष्टिबाधितों के लिए सहायक हैं। इसके अलावा, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए पत्रिकाओं की सदस्यता ली जाती है।
पुस्तकालय के कर्मचारी छात्रों और शिक्षकों को पुस्तकों का पता लगाने, जारी करने / वापस करने और ओपीएसी आदि का उपयोग करने जैसे अन्य पहलुओं के लिए सभी सहायता प्रदान करते हैं। सहायक कर्मचारी पुस्तकालय के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करते हैं और उसमें सुरक्षा चिंताओं का ध्यान रखते हैं।

स्मार्ट कक्षाएं और प्रयोगशालाएं

पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम महाविद्यालय परिसर में लैन से जुड़े कुल 40 आईसीटी-सक्षम कक्षाएं हैं, जिनमें से 18 स्मार्ट कक्षाएं हैं, और बीजेएमसी, कंप्यूटर विज्ञान, वाणिज्य, भूविज्ञान, सांख्यिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान और गणित के विभागों में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं।

दिव्यांग छात्रों के लिए सुविधाएं

हमारे महाविद्यालय के छात्र, कर्मचारी और संकाय दिव्यांग छात्रों के लिए आवश्यक विशेष देखभाल के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं। महाविद्यालय में समर्पित वॉशरूम/टॉयलेट, स्पर्श पथ, रैंप, एक हार्डवेयर रीडिंग रूम और लाइब्रेरी में सॉफ्टवेयर है। जरूरतमंद दिव्यांग छात्रों को मोटरचालित व्हीलचेयर प्रदान की जाती हैं, पुस्तकालय दृष्टिबाधित छात्रों को एक स्कैनर सह रीडर भी प्रदान करता है जिसके माध्यम से वे उपयोगी पुस्तकों को ऑडियोबुक में परिवर्तित कर सकते हैं। एक केंद्रीय रूप से स्थित लिफ्ट विकलांग छात्रों और कर्मचारियों के सदस्यों द्वारा उपयोग के लिए कार्यात्मक है जो महाविद्यालय के भीतर उनकी गतिशीलता में सुधार करती है।

पीने का पानी

पीने योग्य पानी की आपूर्ति 500 लीटर प्रति घंटे की क्षमता वाले एक अच्छी तरह से बनाए गए आरओ प्लांट के माध्यम से की जाती है। इसके टीडीएस स्तर और सुरक्षा की नियमित निगरानी की जाती है।

फोटोकॉपी की दुकान

इन-हाउस फोटोकॉपी, बाइंडिंग और प्रिंटिंग सुविधाएं उचित कीमतों पर उपलब्ध हैं। बुनियादी स्थिर से संबंधित रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं भी दुकान में उचित लागत पर आसानी से उपलब्ध हैं।

लड़कियों का कॉमन रूम

महाविद्यालय की छात्राओं को एक विशाल और आरामदायक कॉमन रूम प्रदान किया गया है। यह कमरा महाविद्यालय भवन की पहली मंजिल पर संकाय स्टाफ रूम के करीब स्थित है। यह कमरा साफ वॉशरूम और आरामदायक बैठने से सुसज्जित है। कमरे में दो सैनिटरी नैपकिन डिस्पेंसर स्थापित हैं। छात्राओं के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए यह कमरा ठीक से हवादार है। यह छात्राओं के लिए एक समर्थन नेटवर्क प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें उपलब्ध खाली समय के दौरान खुद को आराम करने और अनौपचारिक चर्चाओं में शामिल होने के लिए एक जगह देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कैंटीन

महाविद्यालय में एक सुव्यवस्थित, स्वच्छ, स्वास्थ्यकर, विशाल कैंटीन है जिसकी निगरानी संकाय सदस्यों की एक टीम द्वारा की जाती है। हमारा ध्यान जंक फूड पर कम है, और हम स्वस्थ नाश्ते और भोजन को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं। इस संबंध में, हमारी मुख्य नीति यह है कि महाविद्यालय बिरादरी का हर व्यक्ति 40-60 रुपये की सीमा के भीतर शानदार और संतुलित भोजन खरीद सके।

गतिविधि केंद्र

महाविद्यालय में होने वाली सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों की विस्तृत श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए, हमारे छात्रों को समर्पित स्थान प्रदान किए जाते हैं। एक गतिविधि केंद्र एक विशाल हॉल है जिसमें

विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के लिए एक साथ भौतिक विभाजन बनाए गए हैं। हमारे कई नवोदित कलाकार थिएटर, संगीत, नृत्य, एंकरिंग, पेंटिंग आदि जैसे क्षेत्रों में अपने कौशल को निखारने के लिए हर दिन यहाँ भावुक घंटे बिताते हैं। छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए नियमित योग सत्रों के लिए एक और गतिविधि केंद्र अभी तैयारी में है और जल्द ही चालू हो जाना चाहिए

सभागार

महाविद्यालय में दो ऑडिटोरियम हैं। दोनों ही बहुउद्देश्यीय ऑडिटोरियम हैं, जिनमें प्रोजेक्शन स्क्रीन और दीवार पर लगे एलसीडी प्रोजेक्टर लगे हैं। दोनों में 120 लोगों के बैठने की क्षमता है। इसके अलावा, महाविद्यालय के सामने के लॉन का उपयोग बड़ी सभाओं वाले कार्यक्रमों के लिए किया जाता है।

संगोष्ठी और समिति कक्ष

महाविद्यालय में एक आईटी-सक्षम सेमिनार कक्ष भी है, जिसमें वाद-विवाद, पोस्टर-निर्माण प्रतियोगिताएं, अंतर-महाविद्यालय गतिविधियां, कर्मचारी परिषद और समिति की बैठकों आदि जैसे छोटे आयोजनों के लिए 70 लोगों की बैठने की क्षमता है। समिति कक्ष प्रशासनिक ब्लॉक में है, जिसमें बैठकों के लिए 25 लोगों के बैठने की क्षमता है।

ओपन-एक्सेस कंप्यूटर प्रयोगशाला

कंप्यूटर प्रयोगशाला (कमरा नंबर 15) दोपहर 2.00 बजे के बाद सभी कार्य दिवसों में सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए खुला है।

कंप्यूटर दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वर से जुड़े हुए हैं जो छात्रों को बड़ी संख्या में पत्रिकाओं और पुस्तकों तक दूरस्थ पहुंच प्रदान करता है।

खेल सुविधाएं:

इंडोर: इनडोर खेलों के बीच, महाविद्यालय में टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, जूडो, भारोत्तोलन आदि के लिए सुविधाएं हैं। स्पोर्ट्स रूम में प्रदान किया गया।

आउटडोर खेलों में, महाविद्यालय में क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो-खो आदि की सुविधा है।

लिफ्ट /एलिवेटर

महाविद्यालय में एक अच्छी तरह से कार्यशील लिफ्ट है जो विशेष रूप से दिव्यांग छात्रों और शिक्षकों के लिए है ताकि वे महाविद्यालय में विभिन्न मंजिलों पर आसानी से आ-जा सकें।

अस्वीकरण

- राम लाल आनंद महाविद्यालय स्नातक और पीजी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करता है। सभी प्रवेश चाहने वालों को इस उद्देश्य के लिए अपडेट की जाँच करने के लिए नियमित रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.du.ac.in और महाविद्यालय की वेबसाइट www.rlacollege.edu.in पर जाना आवश्यक है।

- शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के लिए राम लाल आनंद महाविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक सभी पात्र आवेदकों को भी इस विवरणिका (प्रॉस्पेक्टस) की सामग्री को ध्यान से पढ़ना चाहिए।

- महाविद्यालय किसी भी पूर्व सूचना दिए बिना इस विवरणिका (प्रॉस्पेक्टस) के किसी भी हिस्से को संशोधित करने, संशोधित करने, अपडेट करने या हटाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। परिवर्तन महाविद्यालय की वेबसाइट या नोटिस बोर्ड पर अपडेट किए जाएंगे। आवेदक अपडेट के लिए महाविद्यालय की वेबसाइट की नियमित रूप से जांच करने के लिए जिम्मेदार हैं। इस प्रॉस्पेक्टस और महाविद्यालय की वेबसाइट से परामर्श नहीं करने के परिणामस्वरूप होने वाली शिकायतों पर विचार नहीं किया जाएगा।
- विवरणिका (प्रॉस्पेक्टस) में उल्लिखित सभी जानकारी सटीकता के लिए अच्छी तरह से जांच की गई है। हालांकि, इसे किसी भी मामले में, वारंटी, व्यक्त या निहित के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।
- विवरणिका (प्रॉस्पेक्टस) में दी गई जानकारी के आधार पर की गई किसी भी कार्रवाई से होने वाले किसी भी नुकसान या क्षति के लिए महाविद्यालय किसी भी व्यक्ति के प्रति किसी भी दायित्व को अस्वीकार करता है। प्रॉस्पेक्टस में कोई भी त्रुटि, यदि पाई जाती है, तो अनजाने में हुई चूक, लिपिकीय गलतियों या किसी अन्य कारण से हो सकती है।
- प्रासंगिक दस्तावेजों को जमा न करने और/या निर्धारित तिथि और समय के भीतर फीस का भुगतान न करने सहित प्रवेश के लिए किसी भी आवश्यकता का अनुपालन न करने के मामले में, आवेदक प्रवेश का अपना अधिकार खो देगा।
- यदि किसी भी स्तर पर किसी आवेदक के प्रवेश से संबंधित मूल दस्तावेज फर्जी / गैर-वास्तविक या मनगढ़ंत या किसी अन्य तरीके से दोषपूर्ण पाए जाते हैं, तो उक्त आवेदक को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और यदि पहले से ही भर्ती है, तो इस संबंध में बिना किसी पूर्व सूचना के प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। यदि पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद ऐसा पाया जाता है, तो आवेदक की डिग्री रद्द कर दी जाएगी, और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शैक्षिक यात्राएं

प्रॉस्पेक्टस समिति 2024-25 द्वारा संकलित जानकारी

(प्रो. प्रेरणा दीवान, डॉ. सुनीला, डॉ. अलंकार)

अनुवाद- डॉ. रोशन लाल, डॉ. एनी रे

राम लाल आनंद महाविद्यालय कैसे पहुँचें

How to reach RLA College

The nearest metro station is Durgabai Deshmukh South Campus Station (1.6 Km) on Pink Line. There is a Foot over Bridge that connects this station with Dhaula Kuan Station of Airport Express Metro line. Basant Gaon is the nearest DTC bus stop (800m) on Rao Tula Ram Marg that connects the college through several bus routes (727, 578, 507, 764, 778, 781).

निकटतम मेट्रो स्टेशन पिंक लाइन पर दुर्गाबाई देशमुख साउथ कैंपस स्टेशन (1.6 किमी) है। एक फुटओवर ब्रिज है जो इस स्टेशन को एयरपोर्ट एक्सप्रेस मेट्रो लाइन के धौला कुआं स्टेशन से जोड़ता है। बसंत गांव राव तुला राम मार्ग पर निकटतम डीटीसी बस स्टॉप (800 मीटर) है जो महाविद्यालय को कई बस मार्गों (727, 578, 507, 764, 778, 781) के माध्यम से जोड़ता है।

राम लाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
5, बेनिटो जुआरेज़ रोड, नई दिल्ली
वेबसाइट: https://rlacollege.edu.in, ईमेल: rlac.du@gmail.com;
फोन: 011-24112557